THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 63 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.4 2082 शुक्रवार, 30 मई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लालू यादव ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार को सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर को खारिज कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में लालू के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल लालू यादव की ओर से कोर्ट में पेश हुए।

जमीन के बदले नौकरी मामले में जांच और एफआईआर के साथ-साथ जांच और उसके बाद के आरोपपत्र कानूनी रूप से कायम नहीं रह सकते, क्योंकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पूर्व मंजूरी प्राप्त करने में विफल रही है।

तीन बार घुसकर मारा : पीएम मोदी

> अब आतंकी हमला हुआ तो कीमत चुकानी होगी

> टीएमसी नेता गरीबों से कट-कमीशन मांगते हैं

गंगटोक/कोलकाता, 29 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में करीब 32 मिनट का संबोधन दिया। पीएम ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान, ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र किया।

पीएम ने कहा–पाकिस्तान समझ ले तीन बार घर में घुसकर मारा है। हम शक्ति को पूजने वाले लोग हैं। बंगाल टाइगर की धरती से 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि, केंद्र की बीजेपी सरकार देशभर में गरीबों को पक्के घर दे रही लेकिन यहां लाखों परिवारों का घर नहीं बन पा रहा है क्योंकि टीमएसी के लोग इसमें भी गरीब के पास से कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं। आज पश्चिम बंगाल एक साथ 5 संकटों से घिरा हुआ है। पहला संकट- समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा- माताओं बहनों की असुरक्षा का है। उन पर हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा- नौजवानों की बेरोजगारी का है। चौथा- करप्शन का है। यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जनविश्वास का है। पांचवां- गरीबों का हक छीनने वाली सत्ताधारी पार्टी का है। पीएम को आज तीन राज्यों में जाना था। सिक्किम दौरा रद्द होने के बाद वे पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार पहुंचे। यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी।

> ममता सरकार की निर्ममता का उदाहरण

पीएम ने कहा- मुर्शिदाबाद और मालदा में जो कुछ हुआ है, वो यहां की सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। गरीबों की पूंजी राख कर दी गई। तुष्टिकरण के नाम पर गुंडागर्दी को खुली छूट दी गई। विधायक और कॉरपोरेटर लोगों के घरों को चिन्हित करके जलाते हैं पुलिस तमाशा देखती है। मैं बंगाल की जनता से पूछता हूं कि क्या सरकारें ऐसे चलती हैं। साथियों बंगाल की जनता पर हो रहे इन अत्याचारों को यहां की निर्मम सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। यहां हर बात पर कोर्ट को दखल देना पड़ता है।

> बंगाल में मची चीख पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार :

करप्शन का सबसे बुरा असर नौजवानों पर पड़ता है, गरीबों पर पड़ता है। ये चारों तरफ बर्बादी लाती है। ये हमने टीचर भर्ती घोटाले में देखा है। इस सरकार ने अपने शासन में हजारों टीचर का भविष्य बर्बाद कर दिया। टीएमसी के घोटालेबाजों ने सैकड़ों बेटे बेटियों को अंधकार में धकेल दिया है। ये सिर्फ कुछ हजार टीचर्स के साथ धोखा नहीं है बल्कि पूरे एजुकेशन सिस्टम को खराब कर दिया।

> टीएमसी के लोग कट और कमीशन मांगते हैं :

पीएम ने कहा- निर्मम सरकार ने बंगाल के अपने लोगों के आयुष्मान कार्ड देने ही नहीं दिया। आज देशभर में 70 साल के ऊपर के बुजुर्गों को पांच लाख तक फ्री इलाज मिल रहा है। मैं तो चाहता हूं बंगाल में भी इसका फायदा मिले लेकिन टीमएसी सरकार ये नहीं करने दे रही है। केंद्र की बीजेपी सरकार देशभर में गरीबों को पक्के घर दे रही लेकिन यहां लाखों परिवारों का घर नहीं बन पा रहा है क्योंकि टीमएसी के लोग इसमें भी गरीब के पास से कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं।

> आदिवासी महिला राष्ट्रपति का भी टीएमसी ने विरोध किया :

टीमएसी सरकार की मेरे आदिवासी भाई बहनों से भी दुश्मनी है। हमने पीएम जनमन योजना बनाई है। बंगाल में बहुत बड़ा आदिवासी समाज है टीमएसी सरकार ने योजना को यहां लागू नहीं किया। ये हमारे आदिवासी समाज को वंचित रखना चाहती है। इन्हें आदिवासी सम्मान की परवाह नहीं है। जब एनडीए ने आदिवासी महिला को राष्ट्रपति के लिए उम्मीदवार बनाया तो टीमएसी विरोध करने वाली पहली पार्टी थी।

> सेना ने सिंदूर की शक्ति का अहसास दिलाया :

आज जब सिंदूर खेला की इस धरती पर आया हूं तो आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बता की उसके बाद बंगाल में बहुत गुस्सा था। उसको मैं समझता था आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का दुस्साहस किया। हमारी सेना ने उनको सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की क्रिश्चियन जेम्स की याचिका

'घर का पता तो बताना होगा'

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को ब्रिटिश नागरिक और बहुचर्चित अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर खरीद घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन माइकल जेम्स की याचिका खारिज कर दी। क्रिश्चियन जेम्स ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे राहत देने से इनकार कर दिया। दरअसल दिल्ली उच्च न्यायालय ने क्रिश्चियन माइकल जेम्स को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन शर्त लगाई थी कि उसे भारत में अपने निवास की जानकारी देनी होगा, जहां वह जमानत मिलने के बाद रहेगा।

क्या हुआ सुनवाई के दौरान :

दिल्ली उच्च न्यायालय की इस शर्त के खिलाफ क्रिश्चियन ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की और बताया कि वह ब्रिटिश नागरिक है और भारत में उसका कोई स्थायी पता नहीं है। ऐसे में वह उच्च न्यायालय की इस शर्त को पूरा नहीं कर सकता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उसकी दलील मानने से इनकार कर दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने क्रिश्चियन जेम्स की याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पीठ ने जेम्स के वकील से पूछा कि हम आपको जमानत दे रहे हैं और आप स्थानीय निवास का पता बताने की शर्त पूरी नहीं करना चाहते। इसमें समस्या क्या है? इस पर जेम्स के वकील ने कहा कि उच्च न्यायालय ने क्रिश्चियन जेम्स को स्थानीय पते की जानकारी देने को कहा है, जहां वह जमानत के बाद रहने वाला है। अदालत ने इस पते को ईडी से सत्यापित करने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार :

क्रिश्चियन जेम्स के वकील ने कहा कि मैं (जेम्स) बीते छह वर्षों से तिहाड़ जेल में हूं। मेरे पास कोई स्थानीय पता नहीं है। वकील ने कहा कि जब तक जेम्स जेल से बाहर नहीं आता तब तक वह इस शर्त को पूरा नहीं कर सकता क्योंकि वही जेल से बाहर आने के बाद अपने रहने के लिए पते की तलाश करेगा। इस पर पीठ ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर सकता है तो इसका मतलब है कि उसके यहां भी संपर्क हैं। पीठ ने जेम्स के वकील से पूछा कि उन्हें इस केस के बारे में कौन निर्देश दे रहा है तो वकील ने बताया कि जेम्स के परिजन ब्रिटिश उच्चायोग के माध्यम से उसके संपर्क में हैं। इस पर पीठ ने कहा कि अगर वे केस लड़ सकते हैं तो यहां घर का इंतजाम भी कर सकते हैं। 3600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले में क्रिश्चियन जेम्स ने मध्यस्थता की थी।

पीओके एक दिन हमारा होकर ही रहेगा : राजनाथ की दो टूक

> पाकिस्तान को आतंकवाद की भारी कीमत चुकानी होगी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ-साफ कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर एक दिन हमारा होकर ही रहेगा। पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी। पीओके के लोग हमारे अपने ही है। पीओके एक दिन खुद कहेगा कि हम भारत का हिस्सा है। रही बात आतंकवाद की तो अब भारत इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, आपने देखा कि कैसे हमने पहले आतंकी ठिकानों को नष्ट किया और फिर दुश्मन के सैन्य ठिकानों और एयरबेसों को। करने को हम कुछ और भी कर सकते थे, लेकिन हमने दुनिया के सामने शक्ति और संयम के समन्वय का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया। राजनाथ सिंह

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। हर जगह संघर्ष चल रहा है। इसका मुख्य कारण भरोसे की कमी है।

ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश के लोगों ने मेक इन इंडिया अभियान की सफलता को देखा :

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश के लोगों ने मेक इन इंडिया अभियान की सफलता को देखा, समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो गया है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। मेक इन इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है। अगर हमारे पास यह क्षमता नहीं होती, तो भारत की सेनाएं निचले पाकिस्तान से लेकर पीओके तक आतंकवाद के खिलाफ इतनी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पातीं। राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवाद का कारोबार चलाना लागत प्रभावी नहीं है।

एक बार जो हमने कमिटमेंट किया तो अपने आप की भी नहीं सुनते : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्रीय की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय बलों ने मिलकर इसे बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया। सीआईआई बिजनेस समिट में अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा, हम सच्चाई के रास्ते पर चल रहे थे, मुझे लगता है कि इसमें भगवान भी हमारे साथ थे। इस दौरान उन्होंने 'प्राण जाय पर वचन न जाए...' और 'एक बार हमने जो कमिट कर लिया है, उसके बाद अपने आप की भी नहीं सुनता' जैसी बातें भी कहीं।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम जिस ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात कर रहे हैं, यह एक राष्ट्रीय जीत है। मैं हर भारतीय का शुक्रिया अदा करता हूं। मुझे यकीन है कि हर भारतीय इस जीत की उम्मीद कर रहा था। उन्होंने कहा, जैसा कि बार-बार कहा जाता रहा है कि यह एक ऐसा ऑपरेशन था, जिसे

सभी ने बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया, सभी एजेंसियां, सभी बल, हम सभी एक साथ आए और जब सच्चाई आपके साथ होती है, तो सब कुछ अपने आप हो जाता है।

उन्होंने कहा कि चाहे वह जमीन की ताकत हो या जल की, वायुसेना हमेशा रहेगी। वायु सेना को इन दोनों के लिए दिलचस्प होना होगा। हम जो भी ऑपरेशन करते हैं, हम उसे वायु सेना के बिना नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि इस ऑपरेशन के दौरान भी यह बहुत अच्छी तरह से साबित हुआ है। हम सिर्फ भारत में उत्पादन के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें भारत में ही डिजाइनिंग और विकास शुरू करने की जरूरत है। जब संख्या में उत्पादन की बात आती है तो क्षमता सामने आती है। इसलिए हमें सेनाओं और उद्योग के बीच इस विश्वास को बनाए रखने की जरूरत है। हमें बात करते रहने की जरूरत है। हमें एक-दूसरे के साथ खुलने की जरूरत है। ताकि यह रिश्ता कहीं भी टूटने न पाए। 'प्राण जाय पर वचन न जाए...' रक्षा मंत्री ने आज ही यह कहा है। हमें ऐसा ही करने की जरूरत है। एक बार हमने जो कमिट कर लिया है, उसके बाद अपने आप की भी नहीं सुनता। ऐसा करने की जरूरत है।

हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता? :

वायुसेना प्रमुख ने कहा, समयसीमा एक बड़ा मुद्दा है। इसलिए एक बार समयसीमा तय हो जाने के बाद मुझे लगता है कि एक भी परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई है। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता? अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय कभी-कभी हमें यकीन होता है कि यह काम पूरा नहीं होगा, लेकिन हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं।

केरल में भारी बारिश से बड़े पैमाने पर नुकसान

आठ जिलों के लिए जारी किया रेड अलर्ट

तिरुवनंतपुरम, 29 मई (एजेंसियां)। इस साल मानसून ने तय समय से पहले ही देश में दस्तक दे दी है। जिसके चलते देश के दक्षिणी हिस्सों में लगातार भारी बारिश हो रही है। दक्षिण में मानसूनी बारिश से सबसे प्रभावित राज्य केरल है। यहां बारिश से बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आठ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने गंभीर निम्न दबाव के कारण अगले कुछ दिनों में राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दबाव के चलते केरल के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश और 40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी ने केरल के जिन जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, उनमें पठानमथिट्टा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों हैं।

सर्वोच्च न्यायालय में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति

> कॉलेजियम की सिफारिशों को सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन वी अंजारिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ए एस चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को एक्स पर उनकी नियुक्ति की घोषणा की। उन्होंने कहा, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीशए एस चंदुरकर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति अभय एस ओका तथा न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष न्यायालय में न्यायाधीशों की तीन मौजूदा रिक्तियों के लिए उनके नामों की सिफारिश की गई थी। जिस पर सरकार की ओर से मुहर लगा दी गई।

सेना पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को झटका : हाईकोर्ट ने राहत देने से किया इनकार, याचिका खारिज

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से झटका लगा है। कोर्ट ने मामले में उन्हें राहत देने से इन्कार कर उनकी याचिका खारिज कर दी है। राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ की एक अदालत में परिवाद दाखिल करते हुए आरोप लगाया गया है कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी की थी। परिवाद पर सुनवाई के दौरान स्थानीय अदालत ने राहुल को तलब (समन) किया गया है। राहुल ने याचिका में इसी तलबी आदेश को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने खुली अदालत में याचिका खारिज करने का आदेश दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए अपर महाधिवक्ता विनोद कुमार शाही ने याचिका का विरोध किया। शाही ने बताया कि कोर्ट ने कहा है कि विस्तृत आदेश सोमवार (2 जून) को जारी किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर थरूर बोले

मैंने सिर्फ आतंकवादी हमलों पर भारत की प्रतिक्रिया पर बात की, मेरे विचारों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर भाजपा सरकार का समर्थन करने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर लगातार अपनी ही पार्टी के नेताओं की आलोचना का सामना कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने इस पर सफाई दी और कहा कि आलोचक और ट्रोल्स उनके विचारों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। हालांकि, उसने किसी का नाम नहीं लिया। थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- एलओसी के पार भारतीय वीरता के बारे में मेरी कथित अज्ञानता पर भड़कने वाले कट्टरपंथियों को मैं बताना चाहता हूं कि मैं स्पष्ट रूप से केवल आतंकवादी हमलों के प्रतिशोध के बारे में बोल रहा था, न कि पिछले युद्धों के बारे में। लेकिन हमेशा की तरह मेरे शब्दों और विचारों को तोड़ा-मरोड़ा गया।

दरअसल, मंगलवार को थरूर ने पनामा में 2016 के उरी सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत सरकार की तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि हाल के सालों में आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख बदला है। पहले ऐसा नहीं होता था। थरूर के बयान पर कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा, मैं पीएम मोदी से कहूंगा कि वे आपको भाजपा का सुपर प्रवक्ता घोषित कर दें या भारत आने से पहले ही विदेश मंत्री घोषित कर दें। आप कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास को यह कहकर कैसे बदनाम कर सकते हैं कि पीएम मोदी से पहले भारत ने कभी भी एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार नहीं की। जिस पार्टी ने आपको इतना कुछ दिया, उसके प्रति आप इतने बेईमान कैसे हो सकते हैं?

उदित राज के अलावा भी कांग्रेस के कई नेता थरूर की आलोचना कर चुके हैं। थरूर ने 8 मई को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और दुनिया के लिए मजबूत संदेश है। भारत ने 26 बेकसूर नागरिकों की मौत का बदला लेने के लिए सटीक कार्रवाई की। थरूर के इस बयान के बाद से ही कांग्रेस के कई नेता उनसे नाराज चल रहे हैं।

'अगर हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें'

कोलकाता, 29 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी के ममता सरकार पर करारे वार के बाद राज्य में एक बार फिर वाक् युद्ध शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने जहां मुर्शिदाबाद हिंसा और मालदा की घटना को लेकर टीएमसी सरकार को घेरा वहीं ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इतना ही नहीं सूबे की मुखिया ममता बनर्जी ने पीएम पर पलटवार करते हुए उन्हें चुनाव में उतरने की चेतावनी तक दे डाली। ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी की मौजूदगी में उनके मंत्री कह रहे हैं कि अब वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूं अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें। अलीपुरद्वार में प्रधानमंत्री की रैली के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी की नीति फूट डालो और राज करो की है। >14

'आतंकियों को सौंपे और पीओके खाली करें'

> पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। सिर्फ दो पक्षों के ही बीच बातचीत होगी। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी।

पीओके खाली होने के बाद जम्मू-कश्मीर पर होगी बातचीत

रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा। इसके साथ ही सिंधु जल संधि पर भी भारत का सख्त रुख रखतने हुए उन्होंने कहा- जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता।

रणधीर जायसवाल ने दोहराई पीएम मोदी की बात

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को दोहराते हुए कहा, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार भी एक साथ नहीं हो सकते। और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

ईरान में लापता तीन भारतीयों को लेकर चिंतित

एक अलग विषय पर बोलते हुए जायसवाल ने बताया कि ईरान के तेहरान शहर में तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं।

उन्होंने कहा, तीनों भारतीय नागरिक कुछ समय पहले तेहरान पहुंचे थे, लेकिन अब उनका कोई पता नहीं चल पा रहा है। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और वे हमारी सहायता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय इन तीनों नागरिकों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें हर संभव मदद दी जा रही है।

'यूपीए के समय किसी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी नहीं'

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान किसी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी उन्हें नहीं है और ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' जरूरी था। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन बंद कर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत को सौंप देना चाहिए। बता दें कि रामदास अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन का हिस्सा रही है, लेकिन अब वह भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा हैं। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए अठावले ने कहा, इससे पहले भी एक सर्जिकल स्ट्राइक मोदी सरकार के कार्यकाल में ही हुई थी। >14

संजौली मस्जिद को तोड़ने के एमसी आयुक्त कोर्ट के आदेशों पर रोक बरकरार

शिमला, 29 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के विवादित संजौली मस्जिद मामले में गुरुवार को सेशन कोर्ट में सुनवाई हुई। नगर निगम शिमला ने अदालत में अपना जवाब दाखिल किया। इस दौरान कोर्ट ने संजौली मस्जिद मामले को बहस योग्य माना और मस्जिद तोड़ने के नगर निगम आयुक्त कोर्ट के आदेशों पर रोक बरकरार रखी। अदालत ने अब यह मामला 5 जुलाई को बहस के लिए रखा है। मामले की पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने बताया कि जब तक यह मामला सेशन कोर्ट में विचाराधीन रहेगा, तब तक मस्जिद की मंजिल को नहीं तोड़ा जा सकेगा। बीते 25 मई की सुनवाई में भी कोर्ट ने मस्जिद तोड़ने पर अंतरिम रोक लगाई गई थी। आज अदालत ने रोक को आगे भी जारी रखने के आदेश दिए हैं। बता दें कि वक्फ बोर्ड ने शिमला नगर निगम आयुक्त कोर्ट के 3 मई के उन आदेशों को चुनौती दी है,

पराए आदमी का दिया सिंदूर किस काम आएगा

बीजेपी बांटेगी सिंदूर, कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की प्रवक्ता रागिनी नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने सिंदूर दिखाया। उन्होंने कहा, मेरे हाथ और मांग में सिंदूर है। इसका भारतीय महिला के लिए क्या महत्व है ये मैं बीजेपी के नेता को बताना चाहती हूं। सुहाग का, प्रेम का, सात जन्मों के साथ का। सुहाग की रक्षा के लिए, सिंदूर भारतीय नारी की आन शान है। इसी के साथ कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी पर अटैक करते हुए कहा, अपनी राजनीतिक और कुटनीतिक विफलता को छिपाने के लिए बीजेपी सिंदूर को ढाल बनाने जा रही है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को मोदी सरकार घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इसी के तहत महिलाओं को तोहफे के रूप में सिंदूर दिया जाएगा। बीजेपी के सीनियर नेता ने बताया कि 9 जून से बीजेपी के कार्यकर्ता महिलाओं को घर-घर जाकर सिंदूर बांटेंगे। बीजेपी के सीनियर नेता ने बताया कि 9 जून से इसकी शुरुआत होगी। इसी दिन नरेंद्र मोदी ने बतौर देश के पीएम तीसरी बार शपथ ली थी।

कांग्रेस ने साधा बीजेपी पर निशाना

कांग्रेस ने बीजेपी के इस अभियान पर अटैक करते हुए कहा, बीजेपी घर-घर जाकर सिंदूर वितरण कार्यक्रम करने जा रही है। अपने लिए पुष्पवर्षा करवाते हैं। सोफिया कुरैशी के परिवार से अपने ऊपर पुष्पवर्षा करवाते हैं मोदी जी।

कांग्रेस ने कहा, इसको लेकर हमारे तीन सवाल है

पराए आदमी के जरिए दिया गया ये सिंदूर किसके काम आएगा? और किसके लिए काम आएगा? भारतीय नारी को तो सिंदूर पति और ससुराल से मिलता है। ये सिंदूर जो बाटेंगे उस पर भी मोदी जी की तस्वीर छपी होगी।

किस मुंह से बीजेपी और आरएसएस के नेता घर-घर जाएंगे, किस मुंह से बांटेंगे। जब मारे गए लोगों की पत्नियां और परिवार ये पूछ रहे हैं कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी कब मारे जाएंगे। बीजेपी के जो नेता सवाल उठा रहे है उनको बरखास्त तक नहीं किया गया तो फिर किस मुंह से लोगों के पास जाएंगे। कोविड-19 के दौरान जो लोग मरे हैं उनकी पत्नियों को भी बीजेपी वाले क्या सिंदूर देने जाएंगे। जिन 3 काले कानून के विरोध प्रदर्शन के दौरान किसानों की जान चली गई उनकी पत्नियों को भी बीजेपी वाले क्या सिंदूर देने जाएंगे। मजदूर जो मर रहे है उनका क्या? बेरोजगारी के कारण जो लोग रोजाना आत्महत्या कर रहे हैं उनकी पत्नियों को भी सिंदूर देने जाएंगे?

"पहलगाम के नाम पर वोट बटोरे जाएंगे"

कांग्रेस प्रवक्ता ने बीजेपी पर सवाल दागते हुए पूछा, बीजेपी के विधायक आर एस पठानिया ने विवादित बयान दिया है कि वायु सेना नालायक है। वायु सेना सो रही थी। इस पर मोदी जी चुप क्यों है। सांप सूंघ गया है मोदी जी को। जब जरूरत है तो पुलवामा और पहलगाम के नाम पर वोट बंटोरे जाएंगे। रागिनी नायक ने आगे कहा, एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो मोदी बाबू। सिंदूर का स्वरूप और उसका रंग भारत के अलग-अलग प्रांतों में अलग हो सकता है, लेकिन एक भारतीय सनातनी विवाहित महिला के लिए सिंदूर का क्या महत्व है और इसकी क्या पहचान है- मैं बीजेपी और संघ के लोगों को समझाना चाहती हूं। क्योंकि मुझे लगता है इन लोगों को सिंदूर का महत्व समझ नहीं आता।

समझाया सिंदूर का महत्व

कांग्रेस प्रवक्ता ने सिंदूर का महत्व समझाते हुए कहा, सिंदूर प्रतीक है- सुहाग का, सम्मान का, सौभाग्य का, प्रेम के बंधन का, विश्वास के राग का, सुख-दुख के मेल का, 7 जन्मों के साथ का और बुरी नजर को भस्म करने वाली एक चुटकी आग का। जो सिंदूर विवाहित महिला की मांग को सजाता है, जो भारत की नारी शक्ति की आन-बान और शान है। उसी मांग के सिंदूर का दुरुपयोग आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा से लिप्त नरेंद्र मोदी अपनी ओछी राजनीति में इस्तेमाल करेंगे और इसकी घोषणा मोदी सरकार कर चुकी है। उन्होंने आगे कहा, ये बेहद शर्म की बात है कि अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक विफलता को छिपाने के लिए मोदी सरकार मांग के सिंदूर को ढाल बनाना चाहती है। सेना के पराक्रम और बहादुरी का श्रेय बटोरने के लिए मोदी सरकार और कितना नीचे गिरेगी?

पुणे में पकड़ा गया फर्जी 'आर्मी मैन'

पुणे, 29 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्रः सेना की वर्दी पहनकर घूम रहे एक धोखेबाज को पुणे में सैन्य खुफिया (मिलिट्री इंटेलिजेंस) और पुणे पुलिस के एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी मंगलवार को बिशप स्कूल के पास हुई, जिसके बाद पुणे के लश्कर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अभिषेक भोसले, पुत्र शिवाजी भोसले के रूप में हुई है। वह खुद को सेना का सक्रिय सदस्य बताकर लश्कर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को गुमराह कर रहा था। पुणे में तैनात मिलिट्री इंटेलिजेंस टीमों और साउदर्न कमांड मिलिट्री पुलिस यूनिट ने स्थानीय पुलिस को आरोपी की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सतर्क किया था, जो पुणे के छावनी क्षेत्र में हो रही थीं। खुफिया सूचना की पुष्टि के बाद संयुक्त टीम ने निगरानी शुरू की और आखिरकार 28 मई को दोपहर लगभग 2 बजे उसे दबोच लिया।

'आपातकाल की 50वीं बरसी पर सरकार बुलाएगी संसद का विशेष सत्र', कांग्रेस का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। अब कांग्रेस ने दावा किया है कि केंद्र सरकार आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए अगले महीने संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने कहा कि यह पीएम नरेंद्र मोदी की जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक और कोशिश है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस पहलगाम आतंकी हमले और उसके परिणामों पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रही है। ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि इसके बाद 10 मई को लोकसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने और एक प्रस्ताव के माध्यम से राष्ट्र के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने उस सुझाव को भी स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि अब लग रहा है कि आपातकाल की 50वीं बरसी मनाने के लिए 25-26 जून को संसद का विशेष सत्र बुलाने पर विचार किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री द्वारा वास्तविक और अधिक जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक और क्लासिक कवायद होगी। उन्होंने कहा कि वह व्यक्ति जिसने देश को 11 साल तक अघोषित आपातकाल के तहत रखा और वह व्यक्ति जो यह जवाब देने से इनकार करता है कि पहलगाम के आतंकी अभी भी फरार क्यों हैं, उसने राष्ट्रपति ट्रंप को युद्धविराम की मध्यस्थता करने की अनुमति क्यों दी और उसने 19 जून, 2020 को सार्वजनिक रूप से चीन को क्लीन चिट क्यों दी? कांग्रेस बार-बार प्रधानमंत्री मोदी से ट्रंप प्रशासन के भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में मध्यस्थता दावों पर चुप्पी तोड़ने की मांग कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है।

दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी अस्पताल में भर्ती हैं। उनके पोते सैयद अरीब बुखारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने लोगों से अपने दादा की सेहत के लिए दुआ करने की अपील की है। कुछ महीनों पहले भी इमाम बुखारी की तबीयत बिगड़ी थी और उनका प्रोस्टेट ग्लैंड का ऑपरेशन हुआ था। हालांकि इमाम बुखारी के करीबी सूत्रों के मुताबिक उनकी तबियत अभी स्थिर है। उन्हें इन्फेक्शन हुआ है जिसके इलाज के लिए उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 60 साल के अहमद बुखारी के शुभचिंतक उनकी सेहत के लि दुआ भी कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, दुआ की अपील। जामा मस्जिद के शाही के इमाम एवम सियासी रहनुमा इमाम सैयद अहमद बुख़ारी को पिछले कुछ वक़्त से मुंह में संक्रमण की शिकायत थी।

सपा विधायक अबू आजमी का बड़ा बयान

'2-4 एमएलए बनाने से बेहतर होगा 4-5 अच्छे आईएएस बनाएं'

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने एक जनसभा में समाज में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस समाज के बच्चे आज कठिन परिस्थितियों के बावजूद 90 से ऊपर नंबर ला रहे हैं, वह समाज जागरूक और आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट कर खुद के जीवन संघर्ष और देशभक्ति के जज्बे को भी सबके सामने खुलकर रखा।

हमारे स्कूल का अहमद बेग बना वर्ल्ड टॉपर- अबू आजमी

अबू आजमी ने कहा, ऐसी हालत में हमारे बच्चे माशा अल्लाह 93, 96, 91, 97 नंबर ला रहे हैं। मैं बहुत-बहुत मुबारकबाद देता हूं उन टीचर्स को, उन पैरेंट्स को, उन बच्चों को। बहुत अच्छी बात है, हम ये कोशिश कर रहे हैं। हमने एक लाइब्रेरी बना के रखी है और इसके साथ ही हम उन्हें कुछ हुनर सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही उन्होंने खुद ज्यादा पढ़ाई नहीं की, लेकिन अब वह शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके स्कूल में एक अहमद बेग नाम का छात्र है, जो वर्ल्ड टॉपर बना है। उन्होंने कहा, मैथ्स में 170 देशों की परीक्षा होती है, उसमें वो पहले नंबर पर आया है।

2-4 एमएलए बनाने से बेहतर 4-5 अच्छे आईएएस बनाएं- अबू आजमी

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा कहता हूं कि 2, 4, 6 विधायक बनाने से बेहतर है कि हम 4-5 अच्छे आईएएस बना लें, तो हमारा उनसे ज़्यादा काम हो सकता है। वहीं अपने दूसरे भाषण में अबू आजमी ने कहा कि जियूंगा तो सम्मान के लिए जियूंगा। जाओ देखो आजमगढ़ में, देखो प्रतापगढ़ में। इस सम्मान के लिए अबू आजमी जान भी दे देगा। किसी की मां ने दूध नहीं पिलाया कि वो तुम्हें हाथ लगा दे। तुम आगे तो बढ़ो, सबका खून शामिल है इस मिट्टी में, तुम्हारे बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है।

संजय राउत का पीएम मोदी पर निशाना

'वे अब केवल नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचेंगे'

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर बीजेपी पर तीखे हमले किए हैं। मणिपुर की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास वहां सरकार बनाने का समय है, लेकिन अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर की जमीन पर कदम नहीं रखा। राउत ने तंज कसते हुए कहा कि अब प्रधानमंत्री केवल नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचेंगे। गृह मंत्री अमित शाह की हालिया कश्मीर यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए राउत ने कहा, "सरकार डरी हुई है, जनता नहीं। लेकिन फिर भी अगर गृह मंत्री कश्मीर जाते हैं तो मैं उनका स्वागत करता हूं। अमित शाह को पहले टेररिज्म खत्म करना चाहिए।" महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार की तारीफ पर राउत ने कहा कि यह प्रशंसा अच्छे मन से नहीं की गई है। हालांकि, उन्होंने कहा, अगर उन्होंने तारीफ की है तो यह अच्छी बात है। शरद पवार इतने बड़े नेता हैं, जो हमेशा देश के हित में सोचते हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीजेपी पर की गई टिप्पणी पर बोलते हुए राउत ने एक बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "3000 करोड़ का घोटाला किसने किया? यह भारतीय जनता पार्टी ने किया। यह कॉन्ट्रैक्ट एक मेगा इंजीनियरिंग कंपनी को देने की तैयारी थी।" राउत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर बीजेपी को उसकी 'औकात' दिखा दी है। उन्होंने अदालत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र की रक्षा में आज भी मजबूत स्तंभ बनी हुई है।

बटला हाउस में तोड़फोड़ के नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, अगले हफ्ते होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के बाटला हाउस में मौजूद कई दुकानों और मकानों पर यूपी इरिगेशन की तरफ से अवैध निर्माण के मामले में नोटिस लगाया गया है। बटला हाउस के खसरा नंबर 277 और 279 में स्थित मकानों और दुकानों के तोड़फोड़ नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की गई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट अगले हफ्ते करेगा सुनवाई। वकील ने कहा कि यह मामला जामिया में तोड़फोड़ के खिलाफ है। सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि इसमें वो पहले हाईकोर्ट जाएं। वकील ने कहा कि कोर्ट ने कहा था कि 15 दिन का नोटिस चाहिए, लेकिन यहां एक नोटिस चिपकाया गया है और कहा गया है कि हमें बेदखल कर देना चाहिए। 26 मई को नोटिस चिपकाया गया, हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई। वकील ने कहा कि अगर इस पर सुनवाई हो सकती है तो हमारे पास कुछ उपाय हो सकते हैं। सीजेआई ने कहा कि मामले को अगले सप्ताह सूचीबद्ध करें।

5 जून तक खाली करने का नोटिस

साउथ दिल्ली के ओखला गांव में उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग की ओर से आदेश दिया गया है। आदेश के मुताबिक, खसरा नंबर-277 पर बने अवैध निर्माणों के खिलाफ ये नोटिस जारी की गई है। इस अवैध निर्माण में मुरादी रोड और सेलिंग क्लब रोड पर बने मकान और दुकानों शामिल हैं। इन दुकानों और मकानों को खाली करने के लिए वहां नोटिस भी चस्पा किया गया है। इन दुकानों और मकान को 5 जून तक खाली करने का आदेश दिया गया है। यह जमीन उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की है, जिस पर पिछले 50-60 साल से अवैध कब्जा किया गया है। वहीं इन घरों में रहने वाले और दुकानों के जरिए अपनी रोजी-रोटी चलाने वाले लोगों ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए वो इसे खाली नहीं करेंगे। हम लड़ेंगे-मरेंगे लेकिन इस जगह को छोड़कर नहीं जाएंगे।

महिला ने एक साथ दिया तीन बेटियों को जन्म सभी स्वस्थ्य, स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने कराया प्रसव

उमरिया, 29 मई (एजेंसियां)। उमरिया जिले के अमरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला ने सामान्य प्रसव के जरिए एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया। प्रसूता और तीनों बच्चियां पूरी तरह स्वस्थ हैं, फिलहाल उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ इस जटिल डिलीवरी में सफल रहा है। जानकारी के अनुसार, एक साथ तीन बच्चियों को जन्म पड़वार गांव निवासी उर्मिला बर्मन पिता गोकुल बर्मन ने दिया है। बीते दिनों घर में प्रसव पीड़ा शुरू होने पर परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता ली और उर्मिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर लाया गया। वहां मौजूद स्टाफ ने महिला की जांच कर तुरंत भर्ती कर लिया।

डॉ। शिव प्रजापति ने बताया कि महिला का प्रसव सामान्य रूप से संपन्न हुआ, जिसमें एक साथ तीन नवजात बच्चियों ने जन्म लिया। चिकित्सकों के अनुसार यह उर्मिला का चौथा प्रसव था। इसके पहले उनकी दो बेटियां हैं, जबकि तीसरे प्रसव में जन्मे शिशु की आकस्मिक मौत हो गई थी। तीनों नवजातों का वजन औसतन कम है, लेकिन डॉक्टर ने सभी की स्थिति सामान्य बताई है। फिलहाल, उन्हें डॉक्टर की निगरानी में रखा गया है। उर्मिला के पति किसान हैं और खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अब उनके घर में पांच बेटियां हो गईं हैं, परिवार में खुशी का माहौल है। डॉ। प्रजापति ने बताया कि ऐसी स्थिति में मां और बच्चों की देखभाल में विशेष सावधानी बरतनी होती है। एक साथ तीन शिशुओं का जन्म अपने आप में चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन टीम वर्क और समय पर लिया गया निर्णय इस सफलता का कारण बना।

एआईएमआईएम नेता वारिस पठान का ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन पर बड़ा बयान

'असदुद्दीन ओवैसी पाकिस्तान की तगड़ी धुलाई कर रहे हैं'

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए जो डेलिगेशन गया है, उसमें पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को किस तरह धोया है। पठान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक निजी टीवी चैनल के डिबेट का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि 'विदेश में जाकर असदुद्दीन ओवैसी पाकिस्तान की तगड़ी धुलाई कर रहे हैं। पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान के झूठ को बेनकाब कर रहे हैं।' वारिस पठान ने कहा, असदुद्दीन ओवैसी ने कुवैत में जाकर पाकिस्तान को जाकर कितना धोया है और उन्हें यह बता दिया कि पाकिस्तान का जो सो-कॉल्ड मार्शल है असीम मुनीर, वह एक तस्वीर दिखा रहा है जो चीन के साथ 2019 की है। अरे उन्हें कोई बताए कि नकल करने के लिए भी अक्ल की जरूरत पड़ती है। पाकिस्तान इतना बेवकूफ देश है। एक तो दूसरों के पैसों पर पलने वाला भिखमंगा देश है और हमारे ऊपर आंख उठा रहा है। उसे यह जवाब मिलना ही था जो दिया उन्होंने। उन्होंने कहा, पहलगाम टेरर अटैक के बाद जो पहले ऑल पार्टी मीटिंग हुई थी, उसी मीटिंग में हमारे पार्टी अध्यक्ष मौजूद थे। तमाम विपक्ष ने जब भी यह कहा था कि भारत सरकार आतंकवाद को खत्म करने के लिए जो भी कदम उठाएगी, हम उसके साथ खड़े रहेंगे। हम हमारे भारतीय जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे, खड़े हैं और खड़े रहेंगे। वाकई में हमारे भारतीय जवानों ने कर दिखाया। पहले ही दिन ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर उनके घर में जाकर 9 आतंकी कैंप को तबाह कर दिया। 100 से करीब आतंकवादियों का खात्मा कर दिया, तो हम इसे सलाम करते हैं, सैल्यूट करते हैं।

भोपाल में पीएम मोदी की यात्रा को लेकर हाई अलर्ट

महिलाएं संभालेगी सुरक्षा कमान इन चीजों पर रहेगा प्रतिबंध

भोपाल, 29 मई (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 31 मई को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का दौरा करने जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे को देखते हुए भोपाल हाई अलर्ट पर है। पीएम मोदी की सुरक्षा व्यवस्था की कमान एसपीजी के हाथ में होगी। पीएम के कार्यक्रम में भोपाल में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी। पीएम मोदी के यात्रा को देखते हुए भोपाल की सूचना एवं सुरक्षा नगरीय पुलिस आयुक्त की ओर से कई अहम दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी। पुलिस ने सुरक्षा को लेकर प्लान ए और प्लान बी बनाया है। जंबूरी मैदान पर तीन हेलीपैड बनाए गए हैं। पीएम मोदी स्टेट हैंगर से हेलीकॉप्टर से जंबूरी मैदान पहुंचेंगे। बारिश या मौसम खराब होने पर पीएम का काफिला बाय रोड लाया जाएगा। पहली बार पीएम कार्यक्रम में 50% से ज्यादा महिला अधिकारी तैनात रहेगी। कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, कारगेट से लेकर हर सेक्शन की कमान महिला अधिकारियों के पास रहेगी। पीएम के कार्यक्रम में महिला आईपीएस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगी। 6 से ज्यादा महिला आईपीएस अधिकारियों के पास कार्यक्रम की जिम्मेदारी रहेगी। सुरक्षा की कमान स्पेशल डीजी सोनाली मिश्रा के पास रहेगी। करीब 3 दर्जन एएसपी, डीएसपी स्तर की अधिकारी मौजूद रहेंगी। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए दूसरे शहर के आने वाले भोपाल के ट्रैफिक को डाइवर्ट किया जाएगा। दूसरे शहर से आने वाले गाड़ियों को बाईपास से दूसरे रूट से डायवर्ट किया जाएगा। जंबूरी मैदान आने वाली गाड़ियां शहर में नहीं आने दी जाएंगी। जंबूरी मैदान में आने वाली गाड़ियों को लेकर रूट बनाया गया है।

शोपियां में एलईटी के दो हाइब्रिड आतंकी हथियारों समेत गिरफ्तार, सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

जम्मू, 29 मई (एजेंसियां)। कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता में दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बसकुचन इलाके में एक समन्वित अभियान के दौरान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 178 बटालियन के सहयोग से घाटी के दक्षिणी जिले में आतंकवादी गतिविधि के बारे में विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर यह अभियान चलाया गया। यह अभियान रणनीतिक घेराबंदी और तलाशी के साथ शुरू हुआ, जिसने प्रभावी रूप से क्षेत्र को सील कर दिया। बलों ने पास के एक बाग में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद जल्द कार्रवाई की गई और इरफान बशीर और उजैर सलाम के रूप में पहचाने गए संदिग्धों को पकड़ लिया गया। संभावित खतरों को बेअसर करते हुए स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अभियान को सटीकता के साथ अंजाम दिया गया। कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है और पकड़े गए हाइब्रिड आतंकवादियों से संबंधित आगे के विवरण और कनेक्शन का पता लगाने के लिए वर्तमान में एक जांच चल रही है। गिरफ्तारी के अलावा, सुरक्षा बलों ने आतंकवादी के कब्जे से हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया, जिसमें शामिल हैंः

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 30 मई, 2025 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: 'नीयत' और 'सोच' अच्छी होनी चाहिए बाते तो हर कोई अच्छी-अच्छी करता है

कविता ने पार्टी छोड़ने की अफवाहों का मजाक उड़ाया

मुझे केसीआर से अलग करने की साजिश

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी और बीआरएस पार्टी एमएलसी कविता ने सवाल उठाया है कि उनके पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम केसीआर को भेजे गए आंतरिक पत्र मीडिया में कैसे लीक हो गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पार्टी नेताओं द्वारा उनकी आलोचना करने के लिए पेड सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने अनौपचारिक मीडिया बातचीत में सनसनीखेज टिप्पणियां कीं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि जब न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग ने कालेश्वरम परियोजना पर केसीआर को नोटिस जारी किया तो पार्टी के किसी नेता ने जवाब नहीं दिया? उन्होंने यह भी आश्चर्य जताया कि क्या कुछ पार्टी नेताओं द्वारा केसीआर की बेटी के बारे में अपमानजनक तरीके से बात करना शिष्टाचार था? उन्होंने याद किया कि जब उनका नाम दिल्ली शराब मामले में आया था और वह अपने पद से इस्तीफा देना चाहती थीं, तो केसीआर ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था। अगर मैं एक सांसद के रूप में चुनाव लड़ती, तो मेरे ही पार्टी के नेताओं ने मुझे साजिश के जरिए हरा दिया। केसीआर ने यह सोचकर एमएलसी सीट दे दी कि निजामाबाद जिले में एक प्रोटोकॉल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं को उन पर हमला करने के बजाय प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और भाजपा के बारे में बात करनी चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस पार्टी को बड़े पैमाने पर भाजपा को सौंपने का प्रयास किया गया था और कहा कि जब वह जेल में थीं, तब उन्होंने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। मेरी प्राथमिकता भाजपा में विलय के बजाय स्वतंत्र रहना है। मेरे खिलाफ बुरे प्रचार के बावजूद पार्टी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मुझे पार्टी से कौन निकालेगा? ऐसा कोई दृश्य नहीं है। पीठ में छुरा घोंपना मेरी विशेषता नहीं है... मैं सीधे लड़ूंगी, नई पार्टी की कोई जरूरत नहीं है। मौजूदा पार्टी का अच्छे से ख्याल रखना ही काफी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने पिता को सैकड़ों पत्र लिखे हैं और कहा कि पत्र लिखने में कुछ भी गलत नहीं है।

आमतौर पर केसीआर पत्र पढ़ने के बाद रो पड़ते हैं। इस बार, वे वैसे नहीं रोए जैसे वे आमतौर पर रोते हैं। मुझे नहीं पता कि साजिश किसने की... मैं उसका पर्दाफाश करना चाहती हूं। कविता ने कहा कि उन्होंने पेट में बच्चा लेकर अलग तेलंगाना आंदोलन में एक सैनिक के रूप में काम किया। उन्होंने दावा किया कि जो नेता उनकी आलोचना कर रहे हैं वे केसीआर की छाया में हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने तेलंगाना जागृति संगठन की ओर से सांस्कृतिक और समकालीन मुद्दों पर मजबूती से लड़ाई लड़ी है। यह सोचकर हैरान कि उन्हें अपने पिता और परिवार को क्यों छोड़ना चाहिए, कविता ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके परिवार से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमें सोचना चाहिए कि अगर हम खुद को अलग कर लेंगे तो इसका फायदा किसे होगा। वे मुझे और केसीआर को अलग करने की साजिश कर रहे हैं। मैं किसी दूसरे नेता के नेतृत्व में काम नहीं करूंगी। केसीआर ही मेरे एकमात्र नेता हैं। उन्होंने मांग की कि लोकसभा चुनाव में बीआरएस पार्टी की हार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

एससीआर ने विशेष ट्रेन सेवाओं का किया विस्तार

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच कुछ ट्रेनों के परिचालन की अवधि बढ़ा दी है। तदनुसार, काचीगुडा-मदुरै (07191) ट्रेन को 9 जून से 28 जुलाई के बीच विस्तारित किया गया है, मदुरै-काचीगुडा (07192) को 11 जून से 30 जुलाई के बीच विस्तारित किया गया है, काचीगुडा-नागरकोइल (07435) को 12 जून से 11 जुलाई के बीच विस्तारित किया गया है।

इसी तरह, नागरकोइल-काचेगुडा (07436) ट्रेन को 15 जून से 13 जुलाई के बीच, चर्लापल्ली-दानापुर (07419) को 31 मई से 28 जून के बीच और दानापुर-चेर्लापल्ली (07420) को 2 से 30 जून के बीच विस्तारित किया गया है।

कोयला गुणवत्ता मानकों को बढ़ाया जाना चाहिए : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए आने वाले दिनों में मांग को पूरा करने के लिए सरकारी कोयला कंपनियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने कमर कस ली है। इसके तहत कोल इंडिया और सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की एक अहम समीक्षा बैठक हुई। बैठक में कोयला उत्पादन लागत में कमी, गुणवत्ता, आपूर्ति और अन्य मुद्दों के संदर्भ में आने वाली चुनौतियों और उन पर उठाए जाने वाले कदमों पर अहम दिशा-निर्देश दिए गए।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की अध्यक्षता में दिल्ली से आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में कोयला सचिव विक्रम देव दत्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर सिंगरेनी कंपनी के चेयरमैन और एमडी एन. बलराम ने शहर के सिंगरेनी भवन से समीक्षा में हिस्सा लिया। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए सिंगरेनी कंपनी की प्रगति, भविष्य की योजनाओं और अन्य मुद्दों के बारे में बताया। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि कोयला उत्पादन की लागत में बिना किसी समस्या के महत्वपूर्ण कमी लाई जानी चाहिए, जिससे श्रमिकों के वेतन और कल्याण कार्यक्रमों में कोई समस्या न आए। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रेड यूनियनों का सहयोग लिया जाना चाहिए और कार्य संस्कृति में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्पादन की लागत कम करने के लिए कोयला मंत्रालय के सिंगरेनी अधिकारियों और विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति को प्रत्यक्ष क्षेत्र निरीक्षण करना चाहिए और उत्पादन की लागत कम करने के लिए समिति द्वारा दिए गए व्यावहारिक सुझावों को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि कोयला कंपनियों के अस्तित्व के लिए नई खदानों को बढ़ाना महत्वपूर्ण है और उन्होंने कहा कि उत्पादन की लागत को कम करके, कोयले की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए वहनीय बनाया जा सकता है, जिससे अंततः बिजली उत्पादन की लागत कम होगी और लोगों को लाभ होगा।

बैठक में उन्होंने कोल इंडिया की खदानों के साथ-साथ सिंगरेनी खदानों के प्रदर्शन और कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा की। सिंगरेणी कंपनी के निदेशक डी. सत्यनारायण राव (ईएंडएम), एलवी सूर्यनारायण राव (ऑपरेशंस), के. वेंकटेश्वरलू (पीएंडपी, पीए) और ईडी एसडीएम सुभानी और अन्य ने भाग लिया।

बीआरएसवी ने सरकार से इंजीनियरिंग कोर्स की फीस न बढ़ाने की मांग की, विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी ने मासाब टैंक हायर एजुकेशन काउंसिल में विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि बी-श्रेणी की सीटें केवल काउंसलिंग के माध्यम से भरी जाएं और दान लेने वाले कॉलेजों के प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाए। बाद में, बीआरएसवी के प्रदेश अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव और उपाध्यक्ष तुंगा बालू ने संयुक्त रूप से उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बालाकिस्ता रेड्डी को एक याचिका सौंपी। इस अवसर पर बोलते हुए गेलू श्रीनिवास यादव ने कहा कि बी-श्रेणी की सीटें ऑनलाइन भरी जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ इंजीनियरिंग कॉलेज पहले से ही 20 से 25 लाख रुपये का दान ले रहे हैं और बी-श्रेणी की सीटों को अवैध रूप से बेच रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ मिलीभगत की है और कहा कि विभिन्न कॉलेजों के प्रबंधन द्वारा दी गई रिश्वत के कारण राज्य सरकार इस मुद्दे पर चुप है। यादव ने चेतावनी देते हुए कहा, पिछले साल जो फीस थी, वही इस साल भी जारी रहनी चाहिए। हमारी मांग है कि एक भी रुपया न बढ़ाया जाए। अगर राज्य सरकार प्रबंधन द्वारा दिए गए पैसे के आगे झुककर फीस बढ़ाती है, तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम बीआरएसवी के तत्वावधान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार को झूठे हलफनामे पेश करने वाले निजी कॉलेजों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और कहा कि इंजीनियरिंग की सीटें उसी तरह भरी जानी चाहिए, जैसे मेडिकल काउंसिल के जरिए सीटें भरी जाती हैं।

लोग हमेशा शांति और सुरक्षा वाले समाज की आकांक्षा रखते हैं : डॉ. जितेन्द्र

> पुलिस महानिदेशक ने कामारेड्डी में समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने इस बात पर जोर दिया कि लोग हमेशा शांतिपूर्ण और सुरक्षित समाज में रहना चाहते हैं। डीजीपी ने गुरुवार को कामारेड्डी जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित कानून और समीक्षा बैठक में भाग लेते हुए ये टिप्पणियां कीं। डीजीपी ने पुलिस सलामी ली और पर्यावरण जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीक जिला पुलिस कार्यालय के परिसर में पौधे रोपे।

बाद में डीजीपी ने जिला पुलिस अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, जिला पुलिस अधीक्षक एम. राजेश चंद्र ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले की कानून और व्यवस्था की स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसपी ने जिले के प्राथमिकता वाले मामलों, अपराध जांच में प्रगति, सार्वजनिक सेवा पहल और स्थानीय पुलिस द्वारा प्रभावी ढंग से संबोधित की जा रही विशेष चुनौतियों पर प्रकाश डाला। डॉ. जितेन्द्र ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था की जमीनी हकीकत का आकलन करने के लिए सर्किल इंस्पेक्टरों और उप-मंडल अधिकारियों के साथ आमने-सामने बातचीत की। उन्होंने प्रमुख मामलों, लागू किए जा रहे निवारक उपायों और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए डीजीपी ने सक्रिय पुलिसिंग और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, पुलिसिंग का मुख्य उद्देश्य जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करना है। शांतिपूर्ण समुदाय तब बनते हैं जब लोग पुलिस पर भरोसा करते हैं और खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। डीजीपी ने अधिकारियों को आदतन अपराधियों, खासकर संपत्ति अपराधों में शामिल लोगों पर निगरानी बढ़ाने और समय पर खुफिया जानकारी के आधार पर अपराध-रोकथाम रणनीति अपनाने की सलाह दी। डीजीपी ने जनता का विश्वास मजबूत करने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष और प्रभावी जांच की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जितेन्द्र ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाने में पुलिस के साथ समन्वय के लिए राजमार्ग प्राधिकरण और परिवहन विभाग के प्रयासों की भी सराहना की। समीक्षा बैठक में मल्टी-जोन आईजीपी एस. चंद्रशेखर रेड्डी, जिला एसपी एम. राजेश चंद्रा, सहायक एसपी पी. चैतन्य रेड्डी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

उत्पीड़न से तंग आकर बीआरएस कार्यकर्ता ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उप महापौर और कांग्रेस नेता बाबा फसीउद्दीन द्वारा भवन निर्माण गतिविधि की अनुमति देने के लिए पैसे की मांग करने के कारण कथित तौर पर परेशान किए जाने के कारण एक बीआरएस कार्यकर्ता ने आत्महत्या कर ली। बोराबंडा निवासी मोहम्मद सरदार (50) अपने परिवार के साथ रहते थे। कुछ महीने पहले उन्होंने एक घर बनवाया था और कुछ नियमों के उल्लंघन के कारण जीएचएमसी ने उसे गिरा दिया था। बुधवार की रात सरदार एक इमारत की छत पर गया और वहां से जमीन पर कूद गया। वह घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टास्क फोर्स के डीसीपी वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि सरदार इमारत पर चढ़ गया था और वहां से कूद गया था। अधिकारी ने कहा, परिवार के सदस्यों ने कुछ आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर हम मामला दर्ज करेंगे और जांच करेंगे। सरदार के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि बाबा फसीउद्दीन नियमित रूप से पीड़ित को परेशान कर रहा था, जिसके बाद वह अवसाद में चला गया और उसने आत्महत्या कर ली।

कई घरों से चोरी करने वाला कुख्यात चोर गिरफ्तार

नाम भगवान का, काम करता था शैतान का

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के महेश्वरम क्षेत्र की पहाड़ीशरीफ पुलिस ने गुरुवार को हैदराबाद के शाहअलीबंडा से एक कुख्यात चोर को गिरफ्तार किया है। पहाड़ीशरीफ पुलिस ने लोगों को आतंकित करके विभिन्न पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में घरों में चोरी की घटनाओं में शामिल कुख्यात आदतन अपराधी आलम शिवा को पकड़ा।

पुलिस ने सात चोरी के मामलों का पता लगाया। उसके कब्जे से 13 तोला सोने के आभूषण, 41 तोला चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपये नकद और दो वाहन बरामद हुआ है। सीपी राचकोंडा सुधीर बाबू ने बताया कि आलम शिवा महबूबनगर के गजुलापेट गांव के अपने पैतृक गांव से आजीविका के लिए हैदराबाद आया था और अंबरपेट के बतुकम्मा कुंटा में रहता था। वह बुरी आदतों जैसे गांजा, शराब, सिगरेट और ऑनलाइन सट्टेबाजी का आदी था। वह अपनी भोग-विलास की जरूरतों के लिए नियमित रूप से अपराध कर रहा है और इससे पहले वह अंबरपेट (2023), वेलडांडा, उरकोंडा, मिजिल, मंचल, कलवाकुर्ती (2024) पुलिस स्टेशनों में (9) चोरी के मामलों में शामिल रहा है। आखिरकार, वह अक्टूबर-2024 के महीने में जेल से रिहा हुआ। वर्तमान में, वह दैनिक वित्त का काम करता है, अपनी भोग-विलास और ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए पैसे खर्च करने के लिए अपर्याप्त पैसे के कारण, उसने संपत्ति अपराध करने का फैसला किया और योजना को अंजाम देने के लिए अपने साथ एक लोहे की छड़ रखी। घटना की जानकारी देते हुए सीपी ने कहा कि एक किसान शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी 23 फरवरी को अपने घर को बंद कर दिया और चाबी को सीमेंट के खंभे पर रखकर घर से बाहर चले गए। उसी दिन लगभग 11.00 बजे, आरोपी हर्षगुड़ा गांव में आया और शिकायतकर्ता के बंद घर को देखा, घर के बाहर घर की चाबी खोजी और गेट के खंभे पर चाबी मिली। वह चाबी से ताला खोलकर घर में प्रवेश किया। इसके बाद अलमारी खोलकर उसमें रखा 59 हजार रुपये, सोने का हार-1.5 तोला, एक जोड़ी चांदी की पायल-25 तोला की चोरी की। फिर चाबी को उसी स्थान पर रखकर केटीएम बाइक से वहां से भाग गया। आरोपी को डीआई पहाड़ीशरीफ पीएस के नेतृत्व में क्राइम टीम ने आज हैदराबाद के शाहअली बंडा में उस समय पकड़ा जब आरोपी चोरी की संपत्ति बेचने जा रहा था।

एससीआर सिकंदराबाद और काकीनाडा टाउन के बीच चलाएगा 16 विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद के बीच कुल 16 विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन (07041) ट्रेन 12, 19, 26 जून और 3, 10, 17, 24 और 31 जुलाई को चलेगी। इसी तरह, काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद (07042) ट्रेन 13, 20 और 27 जून, 4, 11, 18 और 25 जुलाई और 1 अगस्त को चलेगी। एससीआर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन विशेष ट्रेनों में प्रथम एसी, एसी II टियर और एसी III टियर कोच होंगे।

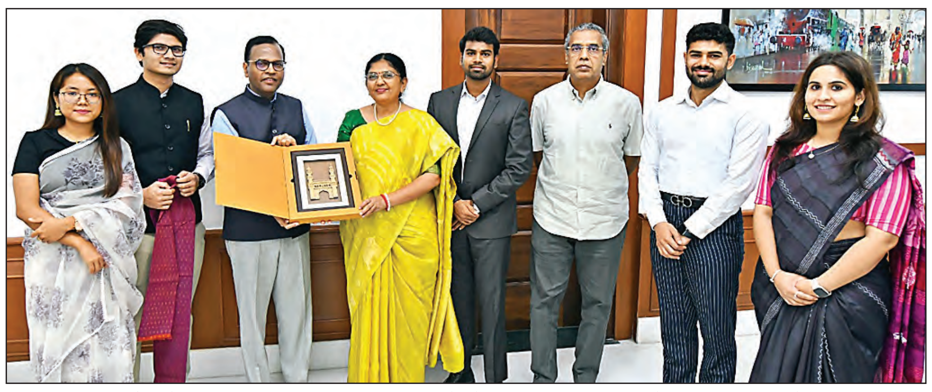

वर्ष 2024 बैच के आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज सचिवालय में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, आईएएस से मुलाकात की। मुख्य सचिव ने बातचीत में कल्याण, विकास योजनाओं, विकास के प्रति दृष्टिकोण और उभरते तेलंगाना मॉडल के बारे में बताया।

CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मैं, के. विशाल कुमार, सुपुत्र-डी.पी.कुन्दनलाल, निवास स्थान: म.नं. सी-61, रेजिमेन्टल बाजार, बोलारम, तेलंगाना राज्य, इसके द्वारा कथन करता हूं कि, मेरी सुपुत्री का नाम दक्ष अनन्या वी.के. से परिवर्तित कर भावी सभी उध्देश्यों व कार्यों के लिए, दक्ष कुमारी किया गया है।

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता : श्रीधर बाबू

करीमनगर, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में सतत कृषि विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

गुरुवार को यहां संयुक्त करीमनगर जिले की जिला समीक्षा बैठक में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि हालांकि केंद्र सरकार के अधीन बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने कालेश्वरम परियोजना से पानी उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन तेलंगाना धान उत्पादन में देश में अग्रणी बना हुआ है।

अब तक 94 प्रतिशत धान की खरीद हो चुकी है। अधिकारियों को शेष स्टॉक की खरीद शीघ्र पूरी करने के लिए कहा गया है। श्रीधर बाबू ने आश्वासन दिया कि बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को सरकार से पूर्ण सहायता मिलेगी और उन्होंने किसानों से निराश न होने का आग्रह किया क्योंकि राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, पिछली बीआरएस सरकार ने राजस्व व्यवस्था को अव्यवस्थित स्थिति में छोड़ दिया था। भू-भारती के कार्यान्वयन के साथ, वर्तमान कांग्रेस सरकार सही भूमि मालिकों को न्याय सुनिश्चित कर रही है। धमकी के माध्यम से गलत तरीके से कब्जा की गई भूमि को पुनः प्राप्त किया जाएगा और उसके वैध धारकों को वापस किया जाएगा।

मंत्री ने आगे कहा कि सभी पात्र और पात्र गरीब परिवारों को इंदिराम्मा आवास योजना के तहत घर आवंटित किए जाएंगे और चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि हर पात्र लाभार्थी को कवर किया जाएगा। श्रीधर बाबू ने कहा, मैंने अधिकारियों को आज की समीक्षा बैठक में चर्चा किए गए सभी मुद्दों को संबोधित करते हुए एक स्पष्ट और कार्रवाई योग्य रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसमें समय पर कार्यान्वयन और मापनीय परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मार्कशीट लेने गई छात्रा से टीचर ने की गंदी हरकत, बताने पर जान से मारने की दी धमकी

मुजफ्फरनगर, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में शिक्षा के मंदिर को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल टीचर ने कक्षा 9वीं की एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की। इतना ही नहीं, किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी तक दी। मामला दो समुदाय से जुड़ा होने के कारण छात्रा के परिजनों और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्कूल में जमकर हंगामा किया, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया और स्कूल को सील कर दिया। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में स्थित जमन पब्लिक स्कूल में 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा अपनी मार्कशीट लेने के लिए गई थी। छात्रा का आरोप है कि शहजाद उर्फ समीर नाम के एक टीचर ने उसके साथ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत की और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। छात्रा किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी बता बताई। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिजनों ने बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल पहुंचकर आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी को लेकर जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही पुलिस और आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत शिकायत पर आरोपी टीचर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

ट्रिपल लेयर सिक्योरिटी में रहेंगे पीएम मोदी

एसपीजी ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

कानपुर, 29 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को कानपुर दौरे को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं। इसी क्रम में ट्रैफिक पुलिस ने 16 घंटे का व्यापक यातायात डायवर्जन लागू किया है। यह डायवर्जन 30 मई की सुबह 4 बजे से रात 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान आसपास के 10 जिलों से आने वाले भारी वाहनों को कानपुर नगर की सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए यह फैसला लिया गया है। साथ ही 25 पार्किंग स्थल कार्यक्रम स्थल के आसपास बनाए गए हैं, जहां आम जनता वाहन पार्क कर पैदल कार्यक्रम स्थल तक जा सकेगी। कानपुर की सीमाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्नाव, फतेहपुर, हमीरपुर, बाँदा, महोबा, जालौन, कानपुर देहात, औरैया, कन्नौज और हरदोई से आने वाले भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। गंगा बैराज तिराहा, कल्याणपुर क्रॉसिंग, टाटमिल चौराहा, गुमटी नंबर 5, वेन्डी स्कूल तिराहा, छपेड़ा पुलिया, नबावगंज, गोपाला तिराहा, फूलबाग, चार्लिश चौराहा, अहिरवां, चकेरी जैसे प्रमुख मार्गों पर विशेष डायवर्जन लागू किया गया है। डीसीपी ट्रैफिक ने अपील की है कि आम नागरिक 30 मई को जीटी रोड और वीआईपी रोड का उपयोग न करें और वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करें। उन्होंने यह भी बताया कि इस दिन सभी "नो एंट्री पास" अमान्य रहेंगे।

अन्य जिलों के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बैठक

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का कानपुर दौरा यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनज़र बेहद अहम माना जा रहा है। वह यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। कानपुर में विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी के लिए चुनावी समीकरण को मजबूत करने के लिए यह दौरा काफ़ी अहम माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम को लेकर अन्य जिलों के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बैठक की है ताकि ट्रैफिक व्यवस्था पर पूरी नजर रखी जा सके। ट्रैफिक डायवर्जन की वजह से आम जनता को थोड़ी असुविधा जरूर होगी, लेकिन प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जुटा है।

वायरल वीडियो मामले में भाजपा नेता ने पार्टी नेतृत्व को दी सफाई, जांच कराकर कार्रवाई की मांग की

गोंडा, 29 मई (एजेंसियां)। भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष व महिला कार्यकर्ता के वायरल वीडियो के मामले में एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने लखनऊ पहुंचकर पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब दिया है साथ ही वीडियो लीक मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। बकौल जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमने पार्टी नेतृत्व को पूरे प्रकरण से अवगत करा दिया है। हरेक बिंदु की जानकारी दे दी है। साथ ही पार्टी कार्यालय का वीडियो लीक करने के मामले की जांच कराने की मांग की है। इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। ऐसे लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाय। वीडियो वायरल मामले की जांच कर रहे मनकापुर इंस्पेक्टर मनोज पाठक ने छपिया पुलिस से केस डायरी की मांग की है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी साथ ही अन्य बिंदुओं पर फोकस किया जाएगा। 25 मई को सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय का 12 अप्रैल की रात करीब साढ़े नौ बजे का भाजपा जिलाध्यक्ष व महिला कार्यकर्ता का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने कहा था कि वीडियो में वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ हैं। महिला कार्यकर्ता को चक्कर आ गया था उन्होंने सिर्फ उसकी मदद की। महिला कार्यकर्ता ने भी सामने आकर स्वीकार किया था कि जिलाध्यक्ष ने उसकी मदद की। इस मामले में वीडियो वायरल करके छवि धूमिल करने के आरोप में महिला ने मुकदमा भी दर्ज कराया है।

तेज प्रताप और एश्वर्या की तलाक को लेकर कोर्ट में पेशी, मांगा 4 हफ्ते का समय

पटना, 29 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का परिवार पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में है। सोशल मीडिया पर अनुष्का यादव के साथ तस्वीर वायरल होने के बाद से ही तेज प्रताप यादव लगातार चर्चा में हैं। तेज प्रताप यादव और ऐश्वर्या राय आज तलाक को लेकर फैमिली कोर्ट में पेश हुए। यहां सुनवाई के दौरान ऐश्वर्या राय की तरफ से 4 हफ्ते का समय मांगा गया था। सुनवाई बहस होने के बाद कोर्ट ने केस को 21 जून की अगली तारीख दे दी है।

कोर्ट से मांगा गया 4 हफ्ते का समय

फैमिली कोर्ट में सुनवाई के दौरान ऐश्वर्या राय का पक्ष रखते हुए वकील राज कुमार श्रीवास्तव ने कोर्ट से 4 हफ्ते का समय मांगा। तेज प्रताप की तरफ से वकील जगगननाथ ने इस मांग का विरोध किया। इसके बाद कोर्ट ने केस को 21 जून, 2025 की अगली तारीख दे दी। बता दें कि तेज प्रताप यादव और ऐश्वर्या राय की शादी साल 2018 में हुई थी। दोनों की यह शादी एक साल भी नहीं टिक पाई और बात तलाक तक पहुंच गई।

अनुष्का यादव के भाई पर बड़ा एक्शन

हाल ही में खबर आई कि तेज प्रताप यादव के बाद अब अनुष्का यादव के भाई आकाश कुमार को भी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी से 6 साल के लिए बाहर निकाल दिया गया है। यह फैसला पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस के निर्देश पर लिया गया है।

तेज प्रताप का फोटो वायरल

कुछ दिनों पहले ही तेज प्रताप की तरफ से सोशल मीडिया पर फोटो शेयर किया गया। इसमें तेज प्रताप यादव एक महिला के साथ दिख रहे हैं, जिसका नाम अनुष्का यादव है। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह अनुष्का यादव के साथ 12 साल के रिश्ते में हैं। इसके बाद लालू यादव ने तेज प्रताप को आरजेडी और अपने परिवार से 6 साल के लिए बाहर कर दिया।

लखनऊ में मिला कोरोना का पहला मरीज, 60 साल का बुजुर्ग पॉजिटिव, धार्मिक यात्रा पर गए थे उत्तराखंड

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोरोना ने दस्तक दे दी है। यहां कोरोना से संक्रमित पहला मरीज मिला है। लखनऊ के आशियाना में एक 60 साल के बुजुर्ग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। वो हाल ही में उत्तराखंड में धार्मिक यात्रा करके लौटे हैं। इसके बाद उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई, उनकी जांच कराई गई तो वो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और खतरे की कोई बात नहीं है। बताया जा रहा है कि आशियाना इलाके में रहने वाले 60 साल के बुजुर्ग अपने परिवार के साथ बीते दिनों उत्तराखंड में धार्मिक यात्रा पर गए थे। इसके बाद जब वो घर लौटे तो उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्हें सांस लेने में दिक्कतें हो रही थीं, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के पीजीआई अस्पताल ले जाया गया।

यूपी में लॉरेंस विश्नोई का शार्प शूटर एनकाउंटर में ढेर

12 राउंड फायरिंग, सीने में मारी गोली; 2 जवान भी घायल

हापुड़, 29 मई (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ में एसटीएफ ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर को एनकाउंटर में मार गिराया है। एसटीएफ चीफ अमिताभ यश ने बताया कि रात नोएडा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस ने शूटर को घेरा तो उसने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इसमें दो पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। जवाबी फायरिंग में बदमाश नवीन कसाना के सीने में गोली लग गई। पुलिस उसे अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, दोनों घायल पुलिसकर्मियों का इलाज जारी है। मुठभेड़ 2 घंटे तक चली। इस दौरान 12 राउंड फायरिंग हुई। एसटीएफ ने 8 तो बदमाश ने 4 गोलियां चलाईं। मुठभेड़ रात 11 बजे कोतवाली क्षेत्र के प्रीत विहार में हुई। नवीन लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य था। वह गैंग के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर हाशिम बाबा के साथ मिलकर दिल्ली और यूपी में अपराध करता था। नवीन ने कई हाई-प्रोफाइल लोगों को निशाना बनाया था। नवीन गाजियाबाद के लोनी का रहने वाला था। उस पर हत्या, अपहरण, डकैती और मकोका जैसे 20 संगीन मामले दिल्ली और यूपी में दर्ज थे। इनमें से दिल्ली के दो मामलों में उसे सजा भी हो चुकी थी।

दिल्ली सेल ने एसटीएफ को दिया था इनपुट

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली स्पेशल सेल को नवीन के हापुड़ में होने की सूचना मिली थी। स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ को इसकी जानकारी दी। इसके बाद एक टीम को उसकी तलाश में हापुड़ भेजा गया। मुखबिर के इशारे पर टीम ने आरोपी की पहचान कर उसे घेर लिया। नोएडा के एएसपी एसटीएफ आरके मिश्रा ने बताया- टीम ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस पर गोली चला दी। उसकी गोली सिपाही अंकुर और विजेंद्र को लग गई। इसके बाद टीम ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। एक गोली बदमाश को जाकर लगी। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नवीन के पास से बाइक और ऑटोमैटिक पिस्टल मिली है।

4 साल से फरार चल रहा था नवीन कसाना

एएसपी ने बताया- नवीन कसाना 2009 के साहिबाबाद मर्डर केस और 2011 के गुड़गांव डबल मर्डर का आरोपी रह चुका है। 2014 में सदर बाजार से 26 लाख की लूट और 2018 में जगतपुरी में 7.70 लाख की लूट में भी वह शामिल था। उसे पत्नी की डिलीवरी के चलते 2021 में पैरोल मिली थी, लेकिन 6 दिसंबर 2021 को सरेंडर करने के बजाय फरार हो गया। इसके बाद 2022 में गीता कॉलोनी में हुई 50 लाख की सोने की लूट की वारदात को अंजाम दिया। गिरोह के बाकी सदस्य पकड़े गए, लेकिन वह अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर था। उस पर पहला केस सितंबर 2008 में सीमापुरी थाने में अवैध हथियार रखने के आरोप में दर्ज हुआ था। गैंगस्टर लॉरेंस पर करीब 84 एफआईआर दर्ज हैं। 2016 में उसे नेपाल से गिरफ्तार किया गया था।

तब से वह जेल में ही बंद है। इस वक्त वह गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। करीब 9 साल से वह जेल से बाहर नहीं आया है। इसके बावजूद देश में हुए मर्डर केसों में उसका नाम आया है। जिनमें मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला, राजस्थान के करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव गोगामेड़ी, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी का मर्डर भी शामिल है। इसके अलावा वह काले हिरण के शिकार के आरोपों से घिरे बॉलीवुड स्टार सलमान खान के भी पीछे पड़ा है।

सीएमओ ऑफिस का बाबू गिरफ्तार

विजिलेंस टीम ने 17 हजार रिश्वत लेते पकड़ा, स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप

बदायूं, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं सीएमओ ऑफिस में कार्यरत बाबू को 17 हजार रुपये रिश्वत लेना भारी पड़ा। विजिलेंस टीम ने रंगे हाथ दबोच लिया है। मामले में कार्रवाई को लेकर स्वास्थ्य विभाग में चर्चाओं का शोर रहा। लेकिन घंटों विजिलेंस टीम की तरफ से पुष्टि नहीं की गई। जानकारी के मुताबिक बाबू सुनील सक्सेना ने एएनएम का वेतन निकालने के लिए 17 हजार रुपये सुविधा शुल्क की डिमांड की थी। विजिलेंस टीम ने बाबू को गिरफ्तार कर बरेली ले गई है। मिल रही जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र में अंशू एएनएम के पद पर तैनात है। जोकि मृतक आश्रित कोटे से नौकरी कर रहीं हैं। उनका पांच माह का वेतन रूका हुआ था। वेतन जारी करने के एवज में सीएमओ कार्यालय में कार्यरत बाबू सुनील ने उनसे 17 हजार रूपए की डिमांड की थी। सुनील सक्सेना डार्क रूम सहायक और तैनाती कादरचौक सीएचसी पर है। वर्तमान में वो सीएमओ कार्यालय से संबद्ध हैं और बाबूगिरी का काम देख रहा है। आपको बता दें जब एएनएम अंशु से 17 हजार की रिश्वत मांगी गई तब उन्होंने इसकी शिकायत विजिलेंस टीम बरेली से कर दी। विजिलेंस टीम ने उसे ट्रैक किया और छापेमारी के दौरान बुधवार को डीएम रोड़ स्थित कमला मेडिकल स्टोर से बाबू सुनील को रंगे हाथ 17 हजार रूपए लेते धर दबोचा। थाना सिविल लाइंस पर आमद कराकर विजिलेंस टीम उसे बरेली ले गई है। सीएमओ ऑफिस सुनील सक्सेना को रिश्वत लेते पकड़े जाने का घंटों चर्चाओं का शोर मचा रहा। विजिलेंस टीम ने उसे रंगे हाथ रिश्वत लेते हुए पकड़ा और गिरफ्तार कर बरेली ले गई।

चर्चित पनवारी कांड पर 34 साल बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला, 36 लोगदोषी करार, 15 हुए बरी

आगरा, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा के चर्चित पनवारी कांड में 34 साल के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। आगरा का एक ऐसा कांड जिसकी गूंज उन दिनों चारों ओर सुनाई दी थी। आगरा में हुए बबाल की गूंज दिल्ली तक भी पहुंची थी, इस मामले को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तक आगरा आए थे। चर्चित पनवारी कांड के बाद फैली हवा अकोला तक पहुंची थी और बुधवार को उसी मामले में आगरा कोर्ट ने साक्ष्यों की सुनवाई कर अपना फैसला सुनाया, जिसमें 36 आरोपियों को कोर्ट में दोषी करार दिया। जातीय संघर्ष पनवारी कांड के दौरान आगरा में कर्फ्यू लगाया गया था। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के गांव पनवारी में जून 1990 में जातीय संघर्ष इस कदर भड़का कि आगजनी तक हुई। आरोप लगा था कि जून 1990 को गांव पनवारी में अनुसूचित जाति के परिवार की बेटी की बरात चढ़ाने को लेकर विवाद हुआ था, जिसने दंगा का रूप ले लिया। जातीय संघर्ष चिंगारी फैलने लगी, जो अकोला तक पहुंच गई। उस समय दंगा बबाल हुआ था। इस मामले में एससी एसटी स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने सारे साक्ष्य और गवाहों की गवाही के बाद बुधवार को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने 36 आरोपियों को दोषी माना है। 15 को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। 30 मई को कोर्ट में दोषियों की सजा पर सुनवाई होगी।

मामले में आगरा कोर्ट 30 मई को सजा सुनाएगी

घटनाक्रम 21 जून 1990 की है, जब सिकंदरा के गांव पनवारी निवासी जाटव समाज की बेटी की शादी थी। आरोप लगा कि जाट समाज के लोगों ने दलित समाज के बरात चढ़त का विरोध किया था। इस कारण बरात नहीं चढ़ सकी। देखते ही देखते विवाद ने जातीय संघर्ष का रूप ले लिया और दंगे होने लगे। संघर्ष के बाद गांव से लेकर शहर तक हिंसा भड़क गई थी। इस दंगे की आग अकोला तक पहुंच गई थी। जातीय संघर्ष को देखते हुए आगरा में कर्फ्यू लगाया गया था। स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस और पीएसी बल को भी लगाया गया था। आगरा कोर्ट ने 34 साल के बाद चर्चित पनवारी कांड में अपना फैसला सुनाया है। पनवारी कांड की प्रतिक्रिया अकोला में दिखाई दी थी, जिसको लेकर मुकदमा दर्ज हुआ। जिसमें 80 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। जिसमें से 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले में कोर्ट ने 36 लोगो को दोषी पाया है, जबकि 15 को बरी कर दिया गया है। आरोपियों पर 147, 148, 149 सहित एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। अब आगरा कोर्ट द्वारा 30 मई को सजा सुनाई जाएगी।

डायरी प्रस्तुत नहीं करना दारोगा को पड़ा भारी, कोर्ट ने सैलरी को लेकर जारी कर दिया बड़ा आदेश

कटिहार, 29 मई (एजेंसियां)। बार-बार कोर्ट के द्वारा डायरी मांगने पर नहीं देने के मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश द्वितीय सौरभ सिंह ने संबंधित अनुसंधानकर्ता के वेतन पर अगले आदेश तक रोक लगाने का आदेश जारी किया है। कदवा थाना अंतर्गत 11 अप्रैल 2025 को दिन के 3।15 बजे ग्राम केवैया के समीप मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति जिनके पीठ पर एक बैग था। उसे शंका पर पकड़ा गया तथा तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग में 32 लीटर शराब बरामद की गई। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान बलिया बैलोन थाना अंतर्गत बेनीजलाल पुर वार्ड नंबर 13 निवासी नकुल दास के रूप में हुई। 12 अप्रैल 2025 को कदवा थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे संबंधित न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। विदित हो कि नकुल दास की ओर से संबंधित न्यायालय में जमानत आवेदन दाखिल की गई, जिस पर 23 अप्रैल 2025 को सुनवाई हुई तथा न्यायालय के द्वारा संबंधित केस डायरी की मांग संबंधित अनुसंधान करता से की गई। डायरी भेजने की तिथि 5 अप्रैल 2025 को तय की गई पर डायरी नहीं आई। फिर से डायरी के लिए 15 मई 2025 की तारीख निर्धारित की गई पर उस दिन भी डायरी नहीं आई तो अनुसंधानकर्ता को इस संबंध में स्पष्टीकरण भी पूछा गया। फिर से स्पष्टीकरण व डायरी की तारीख 28 मई 2025 को तय की गई, लेकिन अनुसंधानकर्ता राकेश कुमार यादव के द्वारा न तो स्पष्टीकरण दिया गया और न ही डायरी भेजी गई। न्यायालय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अगले आदेश तक उनके वेतन पर रोक लगाते हुए नकुल दास को प्रोविजनल जमानत पर मुक्त करने का आदेश दे दिया है।

आठवीं फेल प्रेमी से ग्रेजुएट लड़की ने की शादी, वीडियो जारी कर बोली- मेरी मर्जी

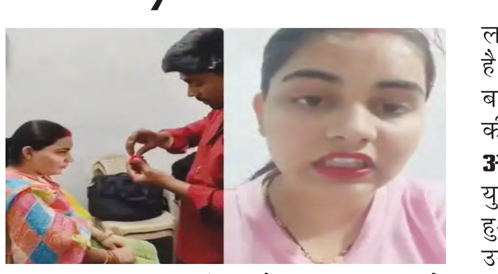

मुजफ्फरपुर, 29 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। यहां पर एक ग्रैजुएट लड़की ने अपने बचपन के प्यार, जो आठवीं फेल है, से शादी कर ली। उसने वीडियो जारी कर बताया कि वह अपनी मर्जी से भागी है, उसका अपहरण नहीं हुआ। परिवार वाले उसकी मर्जी के खिलाफ दूसरी जगह शादी करा रहे थे। युवती ने अपने पिता के आरोपों को गलत बताया है और पुलिस प्रशासन से मदद की मांग की है।

वायरल हो रहा वीडियो

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक लड़की की मांग में एक लड़का सिंदूर डाल रहा है। सिंदूर दान के वक्त आसपास कोई दिख नहीं रहा है। हालांकि वीडियो देखने से लग रहा है कि जब लड़का सिंदूर डाल रहा है तो कोई वीडियो बना रहा है। शादी करने के बाद लड़की सामने आती है और बताती है कि उसने अपनी मर्जी से कोर्ट में शादी की। इसमें किसी का कोई दबाव नहीं था।

अपनी मर्जी से घर छोड़कर आई

युवती ने वीडियो में कहा कि हमारा अपहरण नहीं हुआ। वह अपनी इच्छा से घर छोड़कर आई है। उसने यह भी कहा कि उसके परिवार वाले उसकी मर्जी के खिलाफ उसकी शादी कहीं और तय कर रहे थे। इसलिए उसने यह कदम उठाया। इस दौरान उसने अपने पिता के आरोपों को गलत बताया है। उसने कहा कि वह अपनी मर्जी से शादी की है और उस पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं था।

पुलिस-प्रशासन से मदद की मांग

इस दौरान युवती ने पुलिस-प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। युवती ने कहा कि मैं बालिग हूं और मैं अपनी मर्जी से शादी की हूं। उसने आगे कहा कि मेरे पति और उनके परिवार पर जो भी केस किया गया है, वह सही नहीं है। उसने यह भी कहा कि मेरे घर वाले जान से मारने की धमकी दे रहे हैं और कह रहे हैं कि जहां दिख जाओगे, जान से मार देंगे। ऐसे में मुझे पुलिस-प्रशासन से मदद चाहिए। ताकि हम सुरक्षित रह सकें।

जांच में नहीं निकला गाय का मीट, अलीगढ़ में चार मुस्लिम युवकों से की गई थी मारपीट

अलीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के अलहदादपुर गांव से हाल ही में एक मामला सामने आया, जहां 4 मुस्लिम युवकों पर शक था कि वो गाय का मीट लेकर जा रहे हैं और इसी के चलते उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी। हालांकि, अब जांच के बाद सामने आया है कि वो मीट गाय का नहीं था। अलीगढ़ में युवकों के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि लंबी जांच रिपोर्ट में पाया गया कि मीट गाय का नहीं था। व्यापारियों से मिले मीट के चार नमूने जांच के लिए मथुरा भेजे गए थे। जांच में पाया गया कि मीट भैंस का था। एडीएम सिटी ने कहा कि भ्रामक स्थिति ना रहे इसके लिए संचालकों के माध्यम से डेडीकेटेड गाड़ी से लाइसेंस धारकों को मीट पहुंचने का काम किया जाएगा।

मनीष तिवारी, थरूर, खुर्शीद का जिक्र कर केशव मौर्य ने कसा तंज

कहा- लौटकर राहुल और कांग्रेस की 'क्लास' लगाइए

लखनऊ, 29 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता केशव प्रसाद मौर्य ने ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में विदेश गए कांग्रेस नेताओं से बड़ी मांग की है। कांग्रेस नेताओं का जिक्र करते हुए केशव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी तंज कसा है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर केशव ने कहा कि विदेश गया प्रतिनिधिमंडल जब लौटे तब वह राहुल गांधी और पार्टी की पाठशाला लगाए। केशव ने कहा- पाक आतंकवाद के खिलाफ भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर दुनिया भर में गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांग्रेस के प्रतिनिधि शशि थरूर, सलमान ख़ुर्शीद, आनंद शर्मा व मनीष तिवारी को वापस आकर 'राष्ट्रहित' में अपनी पार्टी की एक 'पाठशाला' लगाना चाहिए।

मसलों पर गहराई से प्रशिक्षित करना चाहिए- केशव

उन्होंने कहा- जिसमें अगली बेंच पर कांग्रेस के 'स्थायी अध्यक्ष' व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बिठाकर उनके साथ अपना अनुभव साझा कर उनको राष्ट्रीय हित के मसलों पर गहराई से प्रशिक्षित करना चाहिए ताकि वह भारत और पाकिस्तान का फर्क समझ सके।बीजेपी नेता ने कहा कि वक्त का तक़ाज़ा है कि राहुल गांधी को भी अपने से कहीं ज़्यादा वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभ उठाना चाहिए ताकि भारत और पाकिस्तान में फर्क महसूस कर सकें।

थरूर पर उदित राज ने दिया था विवादित बयान

उधर, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता उदित राज, राहुल गांधी के इशारे पर अपनी पार्टी के सहयोगी शशि थरूर पर निशाना साध रहे हैं, क्योंकि जब पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेनकाब करने की बात आयी तो केरल के सांसद ने राष्ट्रीय हित को अपनी पार्टी और गांधी परिवार से ऊपर रखा। बीजेपी की यह टिप्पणी उदित राज द्वारा थरूर पर निशाना साधे जाने के बाद आई है। थरूर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पांच देशों के लिए रवाना हुए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। थरूर ने पनामा में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर कहा था कि भारत ने आतंकवादी ठिकानों पर 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पहली बार नियंत्रण रेखा पार की थी। उदित राज ने अपनी पार्टी के सांसद शशि थरूर के ताजा बयान को लेकर बुधवार को उनपर निशाना साधा और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए। इस पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने गांधी के कहने पर थरूर पर हमला करने के लिए उदित राज को ऐसे समय में लगाया है, जब कांग्रेस सांसद थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विदेश में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, जो ''अपने ही नेता पर मिसाइल दाग रही है'', पाकिस्तान के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलेगी।

लिफ्ट में कुत्ते ने काटा तो मालिक को मिली चार महीने की जेल और चालीस हजार जुर्माना

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक व्यक्ति के पालतू कुत्ते ने उसके पड़ोसी को काट लिया। ये मामला शहर के वर्ली स्थित अपार्टमेंट का है। अब इस मामले में कोर्ट ने 40 साल के व्यक्ति को चार महाने की कठोर कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगया है। इस मामले में आरोपी व्यक्ति का नाम ऋषभ पटेल है। कोर्ट ने उसे जानबुझकर चोट पहुंचाने और पालतू जानवर के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी ठहराया है। इस मामले में पीड़ित का नाम रमेश शाह है। ये घटना वर्ली स्थित अपार्टमेंट में उस समय घटी जब वहां लिफ्ट का दरवाजा खुला। जानकारी के अनुसार, पीड़ित रमेश शाह, उनका देढ़ साल का बेटा और घरेलू नौकर अनुज सिंह चौथी मंजिल से नीचे आ रहे थे। इसी दौरान रमेश शाह ने ऋषभ पटेल से कहा कि उनका बेटा कुत्तों से डरता है। इसलिए वो थोड़ी देर लिफ्ट में चढ़ने से रुक जाएं, लेकिन पटेल ने रमेश शाह की बात को अनसुना कर दिया और अपने कुत्ते हस्की को जबरन खींचते हुए लिफ्ट में प्रवेश कर लिया। इसके बाद हस्की ने रमेश शाह की बांह पर काट लिया। फिर वो अपने बेटे और नौकर के साथ बाहर निकल गए, लेकिन ऋषभ पटेल ने उनका पीछा करते हुए कहा कि उनको जो करना है कर लें। फिर शाह ने अपना इलाज करवाया। बाद में पुलिस में शिकायत दी। इस पूरे मामले में मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने कहा कि सासीटीवी में साफ तौर पर आरोपी को अपने कुत्ते को जबरन लिफ्ट में घसीटते देखा जा सकता है। इससे साफ पता चलता है कि उसे न तो लिफ्ट में मौजूद लोगों की चिंता थी और न ही अपने पालतू जानवर की।

बंगाल दौरे पर गए पीएम मोदी पर टीएमसी का आरोप

कहा- केंद्र सरकार हमारा बकाया 1.7 लाख करोड़ का फंड कब देगी?

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दौरे पर गए पीएम नरेंद्र मोदी पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आरोप लगाया है। टीएमसी ने कहा कि केंद्र ने राज्य की 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि रोके ली है। पीएम मोदी ने अलीपुरद्वार में एक गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखी और रैली को संबोधित किया। राज्यसभा में टीएमसी की उपनेता सागरिका घोष ने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल आए हैं। हम प्रधानमंत्री का स्वागत करते हैं। लेकिन हम प्रधानमंत्री को यह भी याद दिलाना चाहते हैं कि केंद्र सरकार पर अभी भी बंगाल का 1.7 लाख करोड़ रुपये बकाया है। क्या प्रधानमंत्री बंगाल के लोगों को बताएंगे कि यह पैसा बंगाल को कब दिया जाएगा और यह पैसा देने से क्यों इनकार किया जा रहा है? उन्होंने केंद्र पर गैर-एनडीए दलों द्वारा शासित राज्यों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी एक प्रवासी पक्षी की तरह हैं। वह बंगाल तभी आते हैं जब चुनाव होने वाले होते हैं। नरेंद्र मोदी बार-बार भाजपा शासित राज्यों और विपक्ष शासित राज्यों के बीच भेदभाव करते हैं। वे बार-बार बंगाल के लोगों के साथ भेदभाव करते हैं। हम प्रधानमंत्री से इस भेदभाव को रोकने का आग्रह करते हैं क्योंकि बंगाल के लोग बहुत जागरूक हैं। एक्स टीएमसी के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने लिखा कि जब से उनकी पार्टी ने पिछले राज्य चुनावों में भाजपा को हराया है, तब से बंगाल को वंचित किया जा रहा है। प्रवासी पक्षी आज बंगाल की ओर उड़ रहे हैं, क्योंकि अगले साल चुनाव हैं। बंगाल के लोगों को 2021 से मोदी सरकार के हाथों केवल अभाव का सामना करना पड़ा है। जब हमने, एआईटीसी ने उनकी पार्टी भाजपा को हराया था। केंद्र सरकार द्वारा अवैध रूप से हमारा बकाया रोके रखने के बावजूद हमारी मुख्यमंत्री ने राज्य के कोष से बंगाल के लोगों को राहत दी है। सांसद ने कहा कि आप बंगाल के लोगों का लंबित बकाया कब जारी करेंगे? सार्वजनिक धन आपका निजी बैंक खाता नहीं है, जिससे आप अपनी इच्छा से भुगतान रोक सकते हैं। गोखले ने मांग की कि केंद्र एक श्वेत पत्र जारी करे जिसमें यह बताया जाए कि 2021 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं के तहत बंगाल को कितना पैसा दिया गया है?

पुणे पोर्श मामले का आरोपी डॉक्टर अब किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने गुरुवार को पुणे के ससून जनरल अस्पताल के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ। अजय टावरे को एक प्रमुख निजी अस्पताल में कथित किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अजय टावरे को पिछले साल पुणे के कल्याणी नगर में पोर्श कार की ओर से मोटरसाइकिल को टक्कर मारने और दो लोगों की हत्या करने के आरोपी 17 वर्षीय लड़के के खून के नमूनों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि शहर की अपराध शाखा ने अब उसे पुणे की एक प्रमुख निजी अस्पताल रूबी हॉल क्लिनिक में 2022 किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट के सिलसिले में हिरासत में लिया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) निखिल पिंगले ने कहा, 'हमने किडनी रैकेट मामले में डॉ। अजय टावरे को हिरासत में लिया है और उन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा।' 2022 में अजय टावरे क्षेत्रीय प्राधिकरण समिति के प्रमुख थे, जिसने किडनी प्रत्यारोपण को मंजूरी दी थी। पुणे पुलिस ने मई 2022 में रूबी हॉल क्लिनिक के प्रबंध न्यासी और उसके कुछ कर्मचारियों सहित 15 लोगों के खिलाफ मार्च 2022 में किडनी प्रत्यारोपण प्रक्रिया के दौरान कथित भ्रष्टाचार के संबंध में मामला दर्ज किया था। कोल्हापुर की एक महिला को धोखाधड़ी से एक ऐसे व्यक्ति की पत्नी के रूप में पेश किया गया, जिसे प्रत्यारोपण की जरूरत थी। महिला को कथित तौर पर 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था। दावा किया गया कि महिला ने फर्जी पत्नी बनकर 2022 में एक युवा महिला मरीज को अपनी किडनी दान कर दी। हालांकि, बदले में युवती की मां ने उस व्यक्ति को अपनी किडनी दान की थी।

होम गार्ड भर्ती के दौरान बड़ा हादसा, 2 किमी की दौड़ में एक युवक की मौत, 5 अस्पताल में भर्ती

भुनेशवर, 29 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के गजपति जिले में गुरुवार को होम गार्ड भर्ती के दौरान एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां फिजिकल टेस्ट के दौरान एक युवक की मौत हो गई और 5 अन्य युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा भर्ती प्रक्रिया के दौरान 2 किलोमीटर की दौड़ में हुआ। मृत युवक की पहचान सुलंत मिशाल के रूप में हुई है, जो गजपति जिले रामगिरी थाना क्षेत्र के पारिसाल गांव का रहने वाला था। वहीं 5 अन्य अभ्यर्थी की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज अभी पारलाखेमुंडी जिला मुख्यालय चल रहा है। गुरुवार सुबह, भर्ती प्रक्रिया के तहत फिजिकल टेस्ट की शुरुआत की गई थी। इस दौरान उम्मीदवारों को रानीपेंठ से पद्मपुर तक 2 किलोमीटर की दौड़ लगानी थी। यह दौड़ बेत्तागुड़ा क्षेत्र में आयोजित की गई थी। जानकारी के अनुसार, सुलंत मिशाल ने दौड़ पूरी कर ली थी, लेकिन दौड़ खत्म करने के कुछ ही मिनटों बाद वह जमीन पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। तत्काल उसे पारलाखेमुंडी के जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिर्फ सुलंत ही नहीं, बल्कि 5 अन्य अभ्यर्थियों को भी दौड़ के बाद शारीरिक तकलीफ महसूस हुई। इनमें से कुछ के नाम पी। शंकर और अर्पणा पानी हैं। सभी को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जैसे ही बाकियों को मामले का पता चला मौजूद अन्य उम्मीदवारों और अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई।

डीपीएस द्वारका को दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए आदेश, नाम काटे गए बच्चों को वापस लें; पैरेंटस से भी कही ये बात

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। डीपीएस द्वारका और 100 से ज्यादा पैरेंटस के बीच फीस बढ़ोतरी के विवाद में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक नया अंतरिम आदेश दिया है, जिसमें स्कूल को सभी नाम काटे गए बच्चों को वापस लेने का कहा गया। साथ ही बच्चों के माता-पिता को भी यह निर्देश दिया गया कि वे बढ़ी हुई फीस का 50 फीसदी पैसा स्कूल फीस के रूप में जमा करें। हाईकोर्ट के जस्टिस विकास महाजन ने 16 मई को जारी अपने आदेश में साफ किया कि 50 प्रतिशत की छूट फीस के बढ़े हुए हिस्से पर है। जबकि पहले दी जा रही फीस पैरेंट्स को देनी होगी।

क्या कहा था याचिका में?

हाईकोर्ट ने यह अंतरिम आदेश 102 अभिभावकों की याचिका पर पारित किया जिसमें डीपीएस द्वारका में चल रही फीस बढ़ोतरी के मुद्दे के बीच अपने बच्चों की सुरक्षा और दिल्ली सरकार और एलजी से इसका अधिग्रहण करने की भी मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि पिछले कुछ सालों में स्कूल ने अभिभावकों से अस्वीकृत फीस वसूलने के लिए दबाव बनाया है। अभिभावकों ने दावा किया कि स्कूल ने बाउंसरों को रखकर खराब, गंदे और अमानवीय व्यवहार का तरीका अपनाया है।

कोर्ट ने की टिप्पणी

हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए टिप्पणी की कि इस मामले में एकेडमिक ईयर 2025-26 के संबंध में याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई फौरी राहत उसे संतुष्ट नहीं कर पा रही है, क्योंकि ऐसा कुछ भी रिकॉर्ड रखा नहीं गया है जिससे यह पता चल सके कि दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने एकेडमिक ईयर 2024-25 से आगे के लिए स्कूल द्वारा फीस निर्धारण को खारिज किया है। आगे कहा गया, जब तक शिक्षा निदेशालय स्कूल के फाइनेंशियल डिटेल की समीक्षा नहीं करता और अपने फैसलों के आधार पर एकेडमिक सेशन 2024-25 से आगे के लिए फीस बढ़ोतरी के प्रावधान वाले बयान को मुनाफाखोरी और शिक्षा का व्यावसायीकरण की कसौटी में खारिज नहीं करता, तब तक ऊपर उल्लिखित कानून में फीस में ऐसी बढ़ोतरी पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है

देनी होगी पैरेंट्स को बढ़ी फीस

कोर्ट ने आगे कहा कि इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के पैरेंट्स को एकेडमिक ईयर 2024-25 के लिए स्कूल द्वारा लगाई गई फीस का भुगतान करना चाहिए, जबतक कि शिक्षा निदेशालय इस पर कोई फैसला नहीं ले लेता और रिट याचिका के अंतिम रिजल्ट के अधीन है। कोर्ट ने स्कूल के वकील की उस दलील पर गौर किया जिसमें संस्थान याचिकाकर्ताओं द्वारा बढ़ी हुई स्कूल फीस का 50 प्रतिशत भुगतान करने के लिए उत्तरदायी हैं। कोर्ट ने कहा, इसलिए यह निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ताओं के बच्चों को वर्तमान याचिका के लंबित रहने तक अपनी संबंधित कक्षाओं में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि पैरेंटस को एकेडमिक ईयर 2024-25 के लिए बढ़ी हुई फीस का 50 फीसदी जमा करें। यह स्पष्ट किया जाता कि 50 प्रतिशत की छूट फीस के बढ़े हुए हिस्से पर है, आधार शुल्क का पूरा भुगतान किया जाएगा

सरकार और एलजी को भेजा नोटिस

इसके साथ कोर्ट ने मुख्य याचिका पर स्कूल, एलजी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी तकिया और उन्हें 4 सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने की मोहलत दी और मामले की सुनवाई को अगले 28 अगस्त के लिए लिस्टेड कर दिया। बता दें कि पैरेंट्स के वकील ने कोर्ट से बताया था कि स्कूल ने फीस में 7000 रुपये प्रति माह बढ़ोतरी की और अब इसमें 9000 रुपये मासिक की बढ़ोतरी की है।

दिग्विजय सिंह के भाई पर गिर सकती है गाज, कांग्रेस दिखाएगी बाहर का रास्ता

भोपाल, 29 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह एक बार फिर पार्टी की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। हाल ही में दिए गए विवादित बयानों के चलते कांग्रेस ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब अब मिल चुका है, लेकिन कांग्रेस इस उत्तर से संतुष्ट नहीं है। अनुशासन समिति ने लक्ष्मण सिंह के जवाब को असंतोषजनक करार देते हुए उन पर कड़ी कार्रवाई की सिफारिश का मन बना लिया है। लक्ष्मण सिंह ने हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ विवादित बयान दिए थे। विशेष रूप से उमर अब्दुल्ला को लेकर उन्होंने कहा था कि वे "आतंकवादियों से मिलीभगत" कर सकते हैं। इस बयान से कांग्रेस में व्यापक नाराजगी फैल गई। पार्टी के अनुशासन समिति के अध्यक्ष और सांसद तारिक अनवर ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए 9 मई को लक्ष्मण सिंह को नोटिस जारी किया था और उनसे 10 दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया था।

कारण बताओ नोटिस के जवाब से संतुष्ट नहीं कांग्रेस

बताया जा रहा है कि लक्ष्मण सिंह का जवाब पार्टी को रास नहीं आया और इसे अनुशासन समिति ने संतोषजनक नहीं माना है। अब पार्टी उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने जा रही है। कांग्रेस के भीतर यह माना जा रहा है कि लक्ष्मण सिंह के बयानों से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंच रहा है और वह संगठन में बार-बार असहजता का कारण बनते जा रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब उनके बयानों ने पार्टी को कटघरे में खड़ा किया हो। गौरतलब है कि लक्ष्मण सिंह पहले बीजेपी में भी रह चुके हैं और फिर कांग्रेस में वापसी की थी। वर्तमान में वे कांग्रेस के सदस्य हैं लेकिन उनके हालिया तेवरों से ऐसा लगता है कि उनका पार्टी नेतृत्व से मोहभंग बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व अब यह तय करने के मोड़ पर है कि ऐसे असंतुष्ट नेताओं को पार्टी में बनाए रखा जाए या बाहर का रास्ता दिखाया जाए। आने वाले दिनों में लक्ष्मण सिंह के राजनीतिक भविष्य को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है।

मठ को बुलडोजर चलाकर किया गया जमींदोज सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप

बेलगावी, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में रायबग इलाके में आज एक मठ पर बुल्डोजर चला दिया गया। रायबाग के तहसीलदार के आदेश पर गुरुवार को मेखली गांव में लोकेश्वर स्वामी के इस मठ को जमींदोज कर दिया गया। गौरतलब है कि तीन दिन पहले पुलिस ने इस मठ के महंत 30 साल के लोकेश्वर स्वामी को एक नाबालिग लड़की के रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद गुरुवार को मठ पर सरकारी कब्जे के आरोप में मठ पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है। इसी महीने 17 साल की बच्ची के परिवार ने बच्ची की बीमारी ठीक करने के नाम पर बेटी को लोकेश्वर स्वामी के पास भेजा था लेकिन बाद में लड़की ने पुलिस में दी गई शिकायत में बताया कि स्वामी उसे लेकर पास के दो अलग अलग शहरों में गया और होटल में उसके साथ रेप किया। पुलिस ने इस शिकायत के आधार पर लोकेश्वर स्वामी को तीन दिन पहले पॉक्सो एक्ट के तहत अरेस्ट कर लिया था। रेप की इस घटना के सामने आने से पहले ही इस स्वामी पर सरकारी जमीन को कब्जा कर उस पर मठ बनाने का आरोप लगे थे। तहसीलदार ने पिछले 6 महीनों में तीन बार नोटिस भेज कर मठ को खाली करने का निर्देश दिया था। अब तक की जाँच में ये पता चला है कि 7 साल पहले स्वामी ने इस जमीन पर एक शेड लगाकर मठ का काम शुरू किया था। बाद में धीरे-धीरे इसका विस्तार किया और अवैध रूप से बड़ा मठ खड़ा कर दिया। रायबाग तालुक प्रशासन ने 7 दिन पहले मठ को खाली करने का आखिरी नोटिस जारी किया लेकिन मठ प्रबंधन की ओर से मठ को खाली करने की कोई भी पहल नहीं की गई। इसके बाद आज सुबह-सुबह प्रशासन ने मठ पर बुलडोजर चला दिया। स्वामी के अरेस्ट के बाद ग्रामीणों ने भी मठ के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया था। सुबह-सुबह रायबाग तहसीलदार जेसीबी मशीनों के साथ मठ को ध्वस्त करने के लिए पहुंचे। मठ को कड़ी पुलिस सुरक्षा और अधिकारियों की निगरानी में खाली कराया गया और फिर मठ पर बुलडोजर चला दिया गया।

नागपुर पुलिस ने 14 हुक्का पार्लरों समेत 17 जगहों पर मारा छापा

नागपुर, 29 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन एक्स के तहत नागपुर में मादक पदार्थों की विक्रेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। मिशन एक्स की मदद से टेक्सास स्मोक के 14 हुक्का पार्लर सहित 17 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा गया, जबकि 32 स्थान पर सर्च ऑपरेशन रात भर चला। नागपुर में 26 आरोपियों के खिलाफ 16 प्रकरण विविध थानों में दर्ज किए गए हैं। इसकी जानकारी नागपुर के पुलिस कमिश्नर डॉक्टर रविंद्र सिंगल ने दी। नागपुर में तेजी से बढ़ती ई सिगरेट और हुक्का उत्पादों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए नागपुर पुलिस ने बड़ा अभियान चलाया है। ऑपरेशन थंडर के अंतर्गत टेक्सास नमक चर्चित स्मोक शॉप श्रृंखला में एक साथ छापामारी कार्रवाई की गई।

नागपुर पुलिस ने टेक्सास स्मोक शॉप पर की रेड

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस दौरान 43.37 लाख रुपए का प्रतिबंध और खतरनाक सामग्री जब्त की गई है। जिन जगहों पर छापा मारा गया वहां पर खुलेआम ई सिगरेट, हुक्का पॉट, फ्लेवर निकोटिन लिक्विडस, गांजा पेपर, चारकोल, गन टाइप लाइटर जैसे उत्पाद बेचे जा रहे थे। पुलिस को यह सूचना मिली थी कि नागपुर में चल रही टेक्सास स्मोक शॉप चैन में बड़े पैमाने पर प्रतिबंध और हानिकारक सामग्री बेची जा रही है, दुकानदारों द्वारा प्रतिबंधित तंबाकू, तंबाकूजन्य हुक्का पार्लर ,हुक्का पॉट, ई सिगरेट, तंबाकू और इंपोर्टेड सिगरेट बेची जा रही है। नागपुर पुलिस कमिश्नर को जब यह सूचना मिली तब उन्होंने एक साथ सभी शॉप और गोदाम पर छापा मारने का सीक्रेट प्लान बनाया, जिसे ऑपरेशन एक्स एक नाम दिया गया। पहले सभी दुकान और गोदाम सहित 17 स्थान को चिन्हित किया गया। लगभग 150 पुलिस कर्मचारियों को मिलाकर 16 दस्ते तैयार किए गए। सभी दस्ते में क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी, तीन कर्मचारियों को नियुक्त किया गया। किसी भी दल को एक दूसरे के बारे में जानकारी नहीं थी। सभी दलों को एक-एक पुलिस थाने के नाम का लिफाफा दिया गया। लिफाफे में दी गई जानकारी के अनुसार सभी को छापा मारना था। नागपुर के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि नागपुर में ये कैसे पहुंचा रहा था, इसकी जानकारी उन्हें गुप्त सूचना पर मिली थी।

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल

अजित पवार की शिकायत लेकर अमित शाह के पास पहुंचे मंत्री-विधायक

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी बवाल मच गया है। इस बार वजह उप मुख्यमंत्री अजित पवार बने हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के खिलाफ शिकायत लेकर बीजेपी के विधायक और मंत्री केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पास पहुंचे हैं। आरोप लगाया गया है कि अजित पवार बीजेपी नेताओं और अधिकारियों के विरोधियों का समर्थन कर रहे हैं। अब बीजेपी के मंत्रियों और विधायकों का दावा है कि अजित पवार उन उम्मीदवारों को मजबूत कर रहे हैं जिन्होंने 2024 के चुनाव में बीजेपी को हराया था। इससे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की स्थिति कमजोर हो सकती है। इससे एक बार फिर यही संकेत मिलते हैं कि महायुति के अंदर तनाव बढ़ता जा रहा है। पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बीजेपी और अजित पवार की एनसीपी के बीच तनाव विशेष रूप से स्पष्ट है, जहां दोनों दलों की मजबूत उपस्थिति है। साल 2024 के विधानसभा चुनाव में, बीजेपी ने पश्चिम महाराष्ट्र में 70 में से 28 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी ने 15 सीटें जीती थीं। इसी तरह, मराठवाड़ा में बीजेपी ने 46 में से 19 सीटें हासिल कीं और एनसीपी ने 8 सीटें जीतीं। बीजेपी नेताओं को चिंता है कि अजित पवार की एनसीपी पश्चिम महाराष्ट्र में पुणे, सांगली और पिंपरी-चिंचवड जैसे जिलों में और मराठवाड़ा में परभणी, जालना और बीड में भाजपा के कब्जे वाले स्थानीय स्वशासन निकायों को निशाने पर ले रही है।

असिस्टेंट प्रोफेसर ने सुसाइड किया या हुई हत्या? मां की मौत के बाद बोला बेटा, पापा ने मार दिया, करते थे मेंटली टॉर्चर

सतना, 29 मई (एजेंसियां)। मां की मौत फांसी में लटकने से भले हुई हो लेकिन मृतका के मासूम बेटे ने पुलिस के सामने जो बोला वो चौकाने वाला था। बेटा आई विटनेस था या नहीं पर उसने दो टूक कहा कि मेरी मां को पापा ने मारा और उस मेंटली टॉर्चर करते थे। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.स्नेहल सिंह ने आत्महत्या की या फिर हत्या हुई, कोलगवां पुलिस इसकी जांच तो कर रही है। तकरीबन 12 साल पहले जिस रिश्ते को पक्का कर असिस्टेंट प्रोफेसर के माता-पिता खुश थे। आज उसी रिश्ते ने कुछ ऐसा कृत्य किया जिससे उन्हें पछतावा हो रहा है। बेटी को पढ़ाया उसे काबिल बनाया कि वह जिंदगी की कठिन से कठिन परीक्षा पास करती गई। परंतु 12 साल की प्रताड़ना सहने के बाद भी न उसके सपने मरे, न वह टूटकर बिखरी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि उसने आत्महत्या क्यों की? शहर के कोलगवां थाना अंतर्गत शुक्ला बरदाडीह निवासी डॉ। स्नेहल सिंह का शव पिछले दिनों घर में फंदे से लटका मिला था। मृतका स्नेहल के पिता आतुल्य कुमार सिंह, छोटी बहन स्वप्नल सिंह ने कहा कि उसने आत्महत्या नहीं की है। उसकी हत्या की गई है। हत्या कर शव को फंदे पर टांगा गया है। मृतका स्नेहल के 8 वर्षीय बेटे समीर सिंह ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि पापा कुछ नहीं करते थे। सिंगरौली में वे हमेशा गुस्से में रहते थे। नाना-नानी के बारे में अशब्द कहते थे, मम्मी को परेशान करते थे। एक बार मम्मी को बोर्ड फेंककर मारा था। मम्मी को पापा ने ही मार डाला है। बताया गया कि मां की मौत की जानकारी लगने पर 8 वर्षीय समीर शुक्ला बरदाडीह स्थित घर पहुंचा। मृत मां को देखकर समीर का गुस्सा फूट पड़ा और उसने पत्थर उठाकर अपने पिता बरुण सिंह उर्फ अभिषेक सिंह बघेल पर मारा और कहा कि इन्होंने ही मार डाला। असिस्टेंट प्रोफेसर स्नेहल की दादी का पिछले दिनों देहांत हो गया था। वह सिंगरौली से अपने मायके आई हुई थी। पति बरुण गेट से ही छोडक़र अपने घर चला गया। रात 11 बजे बरुण ने स्नेहल को फोन कर कहा कि उसकी मां की तबियत खराब है। उन्हें रीवा ले जाना पड़ेगा। इसके बाद पुनः बरुण ने स्नेहल की मां से बातचीत करते हुए उन्हें अशब्द कहे। इसके बाद स्नेहल को उसका भाई 11.30 बजे के करीब शुक्ला बरदाडीह स्थित घर छोडक़र आया। अगले दिन स्नेहल के मायके में फोन कर बताया गया कि वह कमरा नहीं खोल रही है। तब यहां से स्नेहल का भाई और छोटी बहन शुक्ला बरदाडीह पहुंचे, सामान्य धक्का देते ही दरवाजा खुल गया। अंदर स्नेहल फंदे पर झूल रही थी उसी नीचे उतारा गया। उसके नाक से खून बह रहा था। स्नेहल की छोटी बहन स्वपनल ने बताया कि बहनोई बरुण कुछ नहीं करता था। बड़ी बहन स्नेहल हर माह अपने वेतन से 15 हजार रुपए बरुण को दिया करती थी। अन्य खर्चे भी बड़ी बहन उठाया करती थी। स्नेहल सिंगरौली में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदस्थ थी। स्वपनल ने बताया कि बरुण उसकी बहन पर शक करता था। दीदी के ड्यूटी में रहने के दौरान वह दिन भर में 20 से 25 बार वीडियो कॉल कर लोकेशन लेता रहता था। स्नेहल के पिता अतुल्य कुमार सिंह ने बताया कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष से डिमांड की जाने लगी थी। ससुराल में सास और पति के द्वारा स्नेहल को परेशान किया जाता था।

सड़क नहीं थी तो गर्भवती को खाट पर 2.5 किमी तक ढोया, महिला ने रास्ते में मृत बच्चे को दिया जन्म

भुनेशवर, 29 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के नवरंगपुर जिले से दिल को झकझोर देने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां सड़क न होने के कारण एक गर्भवती महिला को खाट पर ढोकर ढाई किलोमीटर दूर एम्बुलेंस तक पहुंचाया गया। इस दौरान गर्भवती महिला ने रास्ते में ही एक मृत बच्चे को जन्म दे दिया। यह घटना नवरंगपुर जिले के झरिगांव ब्लॉक के इच्छापुर पंचायत के डुमुनिगुड़ा गांव की है। डुमुनिगुड़ा गांव के निवासी चक्रधर जानी की पत्नी विमला जानी को बुधवार को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिवारवालों ने तुरंत एम्बुलेंस सेवा को कॉल किया। हालांकि एम्बुलेंस समय पर गांव के पास पहुंच तो गई, लेकिन गांव में सड़क न होने के कारण गांव के अंदर तक नहीं पहुंच पाई और ढाई किलोमीटर पहले ही रुक गई। मजबूरी में महिला के परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर एक खाट की व्यवस्था की और गर्भवती महिला को खाट पर लिटाकर पैदल ही ढाई किलोमीटर तक ले गए। काफी मशक्कत के बाद वे लोग एम्बुलेंस तक पहुंचे। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जब एम्बुलेंस डुमुनिगुड़ा से झरिगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर रवाना हुई, तभी रास्ते में ही महिला ने एम्बुलेंस में एक मृत शिशुपुत्र को जन्म दे दिया। डॉक्टरों ने झरिगांव अस्पताल पहुंचने के बाद पुष्टि की कि बच्चा मृत अवस्था में पैदा हुआ है। हालांकि, मां की स्थिति फिलहाल स्थिर है और उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। डुमुनिगुड़ा गांव में घटी इस घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की बदहाली को उजागर कर दिया है। डुमुनिगुड़ा जैसे गांवों में आज भी सड़कें नहीं हैं, जिसके चलते एम्बुलेंस जैसी जरूरी सेवाएं भी समय पर नहीं पहुंच पातीं। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय लोग वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 30 मई - 2025

भारत बना चौथा वैश्विक आर्थिक सिरमौर

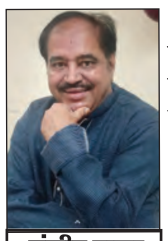

संजीव ठाकुर

यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था। 2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है।

यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पर्दाफास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 141 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है।

इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं। भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है। भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को काफी हद तक विस्तृत कर पूरी दुनिया में यह साबित कर दिया है कि डिजिटाइजेशन में भारत बहुत आगे बढ़ गया है और भारत की विशाल जनसंख्या को हमने बोझ बनने ना देकर उसे अपनी शक्ति के तौर पर इस्तेमाल किया है और यही कारण है कि हम अपने निरंतर आर्थिक सुधारो तथा ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व परिवर्तन कर देश को एक नया सकारात्मक आकार दिया है। वैश्विक स्तर पर भारत के चौथी महाशक्ति बनने के साथ-साथ एक स्वर्णिम अध्याय भी शुरू हुआ है। भारत की नीति आयोग की आवश्यक मीटिंग में इस बात को उजागर किया गया है एवं इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के उपलब्ध कराये हुए डेटाबेस के आधार पर भारत चौथी आर्थिक महाशक्ति के पद पर काबिज हो गया है उल्लेखनीय है कि भारत के पहले बाहुबली अमेरिका भारत का परंपरागत विरोधी चीन और जर्मनी मौजूद हैं। 2014 के पहले यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व की 11वीं आर्थिक शक्ति बना था इसके पश्चात नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत को गुलाम रखने वाले देश ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवी आर्थिक शक्ति का पद हासिल किया था। भारत में स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक सामाजिक वैज्ञानिक तथा स्वास्थ्य सेवाओं में भारी वृद्धि कर एक सकारात्मक विचारों वाली सरकार को आगे बढ़ाया था। भारत में 1947 के बाद धीरे-धीरे वृद्धि की और अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को सदैव शांति के पक्ष में रखकर आक्रमण न करने की नीति को अपनाया था। 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने आर्थिक नीतियों पर ज्यादा जोर देते हुए नई-नई नीतियों तथा विदेशी शक्तियों से हाथ मिलाकर आयात निर्यात को बहुत ज्यादा बढ़ावा दिया और अपनी जनसंख्या को ताकत बनते हुए घरेलू सकल उत्पाद पर ज्यादा ध्यान देते हुए 2025 तक तीसरे कार्यकाल में यह स्वर्णिम उपलब्धि प्राप्त की है।

गौरतलाप है कि 1947 में भारत के साथ पाकिस्तान भी स्वतंत्र हुआ था किंतु पाकिस्तान अपनी आतंकवादी काली करतूत के कारण भुखमरी का कगार पर खड़ा है एवं उसके अस्तित्व के संकट के बादल सर पर मंडरा रहे हैं वह भीख का कटोरा लेकर दर-दर घूम रहा है परंतु उसे कोई उधार देने को भी तैयार नहीं है। इन परिस्थितियों में जब ट्रंप की नई सरकार ने सभी देशों पर भारी टैरीफ लगाने नीति अपनाई है जिसके परिणाम स्वरूप यूरोपीय देश भी उससे अलग होने की जुगत में लगे हुए हैं। परिस्थितियों को देखते हुए कोई शक नहीं जब भारत बहुत जल्द तीसरी महाशक्ति बनेगा एवं अपनी सामरिक शक्ति के साथ पूरे विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है।

अमेरिका-चीन के भी होश ठिकाने

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तरह चार दिनों में ही पाकिस्तान का कचूमर निकाल दिया। भारत की इस सैन्य ताकत को देख अमेरिका व चीन जैसे देश भी सन्न रह गए हैं। पाकिस्तानी सेना ने सबसे बडी गलती यह कह कर दी कि उसने भारत की सीमित कार्रवाई के बाद भी जवाबी हमला करके अपनी मौत को निमंत्रण दे दिया। तीन ही दिन में भारतीय सेना ने शहबाज शरीफ और असीम मुनीर की फौज का वह हाल कर दिया, जिसका अंदाजा अमेरिका और चीन भी नहीं लगा पाए थे। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका और चीन की जो कूटनीति रही है;उससे साफ है कि सीधे या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करके इन दोनों ने भी अपने हाथ जला लिए हैं। फर्स्ट पोस्ट में 'ऑपरेशन सिंदूरः ट्रंप्स अमेरिका इज द बिगेस्ट लूजर' के टाइटल से छपे लेख का विश्लेषण करने पर जाहिर होता है कि पांच ऐसे पहलू हैं, जिसमें अमेरिकी ट्रंप प्रशासन और चीन की शी जिनपिंग सरकार इतने भौंचक्के रह गए कि वे इसकी रणनीति को समझ ही नहीं पाए। अब उक्त तीनों देशों की समझ में आ गया है कि भारत, अमेरिका और चीन के लिए भविष्य की चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति की जो कमियां हैं, उसे ऑपरेशन सिंदूर ने उजागर कर दिया है। ट्रंप ने भारत को अपना अच्छा दोस्त बताया था, लेकिन उनका एक दावा ही उनकी चालबाजियों पर भारी पड़ गया। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 'सीजफायर' करवाया है। भारत को यह बहुत ही नागवार गुजरा। भारत को लगा कि ट्रंप उसे पाकिस्तान के बराबर समझने की भूल कर रहे हैं। इस घटना से भारत का अमेरिका पर पिछले कुछ वर्षों में पैदा हुआ भरोसा उठ गया। अब भारत को लगता है कि अमेरिका भरोसे लायक नहीं है। इसकी शुरुआत जो बाइडेन प्रशासन के दौरान ही होने लगी थी, लेकिन ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में यह दिखा दिया कि अमेरिका बदला नहीं है। देखा जाए तो अमेरिका के पास एशिया में एक मजबूत रणनीतिक दोस्त बनाने का मौका था। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका पाकिस्तान की भाषा बोलने लगा। अब भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले संगठनों जैसे क्वाड पर भी कम भरोसा है। क्योंकि, अमेरिका के दोस्तों ने भी भारत का उस तरह से साथ नहीं दिया, जिसका हकदार भारत था। इसलिए, भारत अपनी विदेश नीति में सावधानी बरतने लगा है। वह अमेरिका की बजाय अपनी स्वतंत्र नीति के साथ आगे बढ़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि भारत तेजी से और सटीक तरीके से सैन्य कार्रवाई में माहिर है। इससे दुनिया को पता चल गया है कि भारत कमजोर नहीं, बल्कि ताकतवर देश है। भारत की अर्थव्यवस्था भी बढ़ रही है। इससे दुनिया में भारत की छवि बदली है और यह आत्मनिर्भर बन रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका अपने पुराने दकियानूसी विचारों में फंसा हुआ है। वह अभी भी पाकिस्तान और चीन को लेकर पुरानी सोच रखता है। इससे सुपर पावर वाली उसकी छवि भी काफी कमजोर हुई है। भारत ने जिस तरह से ट्रंक के दावे खारिज किए, उससे उसकी कूटनीतिक स्तर पर काफी मिट्टी पलीद हुई है। वाशिंगटन की चिंता बढ़ गई है। उसे लगता है कि भारत, चीन को रोकने में क्या मदद करेगा, भविष्य में उसे ही रोकने की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अमेरिका दुनिया में सबसे ऊपर बना रहे। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य ताकत और उसे इस्तेमाल करने के हौसले को दिखाया है। इससे अमेरिका और भी चिंतित हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर ने चीन और पाकिस्तान के रिश्ते में भी कहीं न कहीं एक कमजोर कड़ी पैदा कर दी है। पाकिस्तान में यह आशंका पैदा हुई है कि चीन के हथियार दोयम दर्जे वाले हैं। भविष्य में चीन के साथ हथियारों का सौदा करते समय पाकिस्तान में संदेह का एक बीज जरूर पैदा होगा। इस तरह से भारत की ताकत और कूटनीति ने पाकिस्तान-चीन और अमेरिका के त्रिकोण को कमजोर कर दिया है।

सुखद है 199 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

योगेश कुमार गोयल

पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है।

बदलते मौसम की मार क्या हम तैयार हैं?

प्रो. आरके जैन

बदलते मौसम की दस्तक हमारे जीवन में केवल हवा, तापमान, या बारिश के रूप में नहीं आती, बल्कि यह अपने साथ ऐसी चुनौतियाँ भी लाती है, जो हमारी सेहत को चुपके से प्रभावित कर सकती हैं। गर्मी की तपिश, बरसात की उमस, या सर्दी की ठिठुरन— हर मौसम अपने साथ बीमारियों का एक नया काफिला लाता है। डेंगू, मलेरिया, फ्लू, निमोनिया, और त्वचा संबंधी रोग मौसम के बदलते मिजाज के साथ हमारे जीवन में दबे पांव प्रवेश करते हैं। ये बीमारियाँ न उम्र देखती हैं, न अमीर-गरीब का भेद। सवाल यह नहीं कि मौसम बदल रहे हैं; सवाल यह है कि क्या हम इनके साथ आने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं? या फिर हम बीमारी के दरवाजा खटखटाने का इंतजार करते हैं, ताकि बाद में इलाज के लिए भागदौड़ करें?

गर्मी का मौसम आते ही लू, डिहाइड्रेशन, फूड पॉइजनिंग, और त्वचा के संक्रमण आम हो जाते हैं। तेज धूप और पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे थकान, चक्कर, और गंभीर मामलों में किडनी संबंधी समस्याएँ तक हो सकती हैं। गर्मियों में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे पेट की बीमारियाँ बढ़ती हैं। बरसात का मौसम मच्छरों के लिए स्वर्ग बन जाता है, जिससे डेंगू, मलेरिया, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियाँ चरम पर होती हैं। उमस भरे माहौल और गीले कपड़ों के कारण फंगल इन्फेक्शन और त्वचा की एलर्जी तेजी से फैलती हैं। सर्दियों में ठंडी हवाएँ जुकाम, खांसी, वायरल बुखार, और निमोनिया को न्योता देती हैं। अस्थमा और हृदय रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह मौसम खासा जोखिम भरा होता है। बदलता तापमान और हवा में नमी का स्तर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है, जिससे हम वायरस और बैक्टीरिया के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं।

दुखद है कि हम में से अधिकांश लोग इन मौसमी बीमारियों को गंभीरता से नहीं लेते। मौसम बदलते ही हम कपड़ों में हल्का बदलाव या खानपान में थोड़ा परहेज कर लेते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति दीर्घकालिक सजगता की कमी साफ दिखती है। एक साधारण जुकाम को हम "मौसम का असर" कहकर टाल देते हैं, लेकिन यही लापरवाही कई बार गंभीर बीमारियों का रूप ले लेती है। कोविड-19 महामारी ने हमें सिखाया कि छोटी सी लापरवाही भी बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है। फिर भी, हमारी आदतें नहीं बदलतीं। कितने लोग मौसम बदलने से पहले मच्छरों से बचाव की व्यवस्था करते हैं? कितने लोग गर्मी में पर्याप्त पानी या सर्दी में गर्म कपड़ों जैसे बुनियादी कदम उठाते हैं? यह लापरवाही न केवल हमें, बल्कि हमारे परिवार और समुदाय को भी खतरे में डालती है।

अब समय है कि हम मौसमी बीमारियों के प्रति अपनी सोच बदलें। यह प्रतिक्रियात्मक रवैये का नहीं, बल्कि पूर्व-तैयारी का समय है। हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने होंगे जो हमें हर मौसम के लिए तैयार रखें। संतुलित आहार, जिसमें मौसमी फल, सब्जियाँ, और प्रोटीन शामिल हों, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, और तनाव से दूरी— ये हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता के आधारस्तंभ हैं। गर्मियों में नारियल पानी, नींबू पानी, और मौसमी फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं। सर्दियों में गर्म सूप, अदरक, और तुलसी शरीर को गर्मी और ताकत देते हैं। बरसात में साफ-सफाई, उबला पानी, और मच्छरों से बचाव के उपाय जरूरी हैं। ये छोटे कदम हमें बीमारियों से बचाने में बड़ा काम करते हैं।

जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण है। लोगों को यह जानना जरूरी है कि किस मौसम में कौन सी बीमारियाँ फैलती हैं और उनसे बचने के उपाय क्या हैं। बरसात में पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग, और कीटनाशकों का छिड़काव डेंगू और मलेरिया से बचाव में कारगर है। गर्मियों में धूप से बचने के लिए छाता, टोपी, और हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए। सर्दियों में बच्चों और बुजुर्गों को फ्लू वैक्सीन देना जरूरी है। स्कूलों, कॉलेजों, और कार्यस्थलों पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हैं, ऐसी जानकारी जीवन रक्षक हो सकती है।

सरकार और स्वास्थ्य संस्थानों की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए सुसज्जित करना होगा। आवश्यक दवाइयाँ, जांच सुविधाएँ, और प्रशिक्षित डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। जागरूकता अभियान गाँव-गाँव और शहर-शहर तक पहुँचने चाहिए। रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया, और पोस्टरों के जरिए सही जानकारी दी जा सकती है। कोविड-19 के दौरान दिखाई गई तत्परता मौसमी बीमारियों के लिए भी दिखानी होगी। शुरुआती पहचान और इलाज से न केवल मरीज की जान बच सकती है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। मौसम का बदलना प्राकृतिक है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के पैटर्न अनिश्चित हो गए हैं। बेमौसम बारिश और असामान्य गर्मी नई बीमारियों को जन्म दे रही हैं। ऐसे में हमारी तैयारी दीर्घकालिक होनी चाहिए। स्वच्छ पानी, साफ-सफाई, और नियमित स्वास्थ्य जांच जैसी आदतें हमें हर मौसम में सुरक्षित रखेंगी। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम खुद को, अपने परिवार, और समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें।

ओबीसी जातियों पर होगा क्रीमी लेयर और जाति गणना का प्रभाव

संदीप सृजन

भारत में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। 1931 के बाद, भारत में व्यापक जाति जनगणना नहीं हुई है। 2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति सर्वेक्षण (एसईसीसी) किया गया था लेकिन इसके आंकड़े पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किए गए। हाल ही में, केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और नीतिगत योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है। जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जाति की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक स्तर का सटीक डेटा एकत्र करना है। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी जातियां वास्तव में पिछड़ी हैं और किन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्रीमी लेयर और जाति जनगणना का संयुक्त प्रभाव भारत में ओबीसी आरक्षण नीति को नया आकार दे सकता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों के लिए चुनौतियां ला सकती है जिन्हें ओबीसी सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का दबाव बढ़ सकता है।

दूसरी ओर, यह उन अति पिछड़ी जातियों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है जो अभी तक आरक्षण के लाभ से वंचित रही हैं हालांकि इस प्रक्रिया में कई चुनौतियां हैं जिनमें आंकड़ों की विश्वसनीयता, राजनीतिक दुरुपयोग, और सामाजिक तनाव शामिल हैं। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पारदर्शी और समावेशी नीतियां अपनानी होंगी।

भारत में सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आरक्षण नीति एक महत्वपूर्ण उपकरण रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को समर्थन प्रदान करता है, 1991 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर लागू किया गया था हालांकि हाल के वर्षों में क्रीमी लेयर की अवधारणा और जाति आधारित जनगणना जैसे मुद्दों ने ओबीसी आरक्षण नीति पर गहरा प्रभाव डाला है। क्रीमी लेयर और प्रस्तावित जाति जनगणना कई ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकती है जिसमें कुछ जातियों को ओबीसी सूची से बाहर करने की संभावना है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) भारत सरकार द्वारा सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सामूहिक शब्द है। मंडल आयोग (1980) ने अनुमान लगाया था कि भारत की कुल आबादी का लगभग 52% हिस्सा ओबीसी समुदायों का है।

ओबीसी को सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में 27% आरक्षण प्रदान किया जाता है। इस वर्ग के भीतर असमानता को दूर करने के लिए 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा शुरू की गई।

प्लास्टिक के फूल

डॉ. सुरेश मिश्रा

शहर की इस बार की पर्यावरण रैली कुछ ज़्यादा ही हरी-भरी थी। हर गली, हर नुक्कड़, हर चौराहा हरा नहीं, हरा-पीला-नीला-बैंगनी दिखाई दे रहा था। वजह साफ़ थी – 'पर्यावरण दिवस' आने वाला था और तैयारियाँ प्लास्टिक के फूलों से इतनी सज-धजकर की गई थीं कि खुद गुलाब की झेंप खुल जाए और मोगरा आत्महत्या कर ले। मुहल्ले की गुप्ता आंटी, जो पूरे साल नल खुला छोड़कर पौधे धोती हैं, इस दिन सुबह से प्लास्टिक की माला लेकर तुलसी के गले में ऐसे झूल पड़ीं जैसे कोई बहू सास की सेवा में झूलती है – दिखावे भर के लिए। तुलसी ने खाँसते हुए शायद कहा भी हो – कृपया मुझे जीवित रहने दीजिए, पर उस आवाज़ को आंटी ने साउंड बॉक्स में बज रहे 'ए पर्यावरण माई, रक्खिहो हमार लाज' में गुम कर दिया। लब्बोलुआब यही था – "पौधों को ऑक्सीजन चाहिए, हमने उन्हें सेलोफेन ओढ़ा दिया।"

मुहल्ले के निगम पार्षद, श्री टाइगर प्रसाद 'हरियाले', अपने दो चमचों के साथ, हरे रंग की प्लास्टिक टी-शर्ट पहनकर निकले। एक हाथ में माइक और दूसरे में प्लास्टिक का गमला था, जिसमें नकली बोनसाई रखी थी। उन्होंने माइक से ललकारा – "हम पेड़ नहीं काटते, बस उनकी जगह पर सेल्फी पॉइंट बनाते हैं।" पूरा मुहल्ला ताली बजा-बजाकर धरती की छाती पीटने लगा। बच्चे तो प्लास्टिक के फूल चबाकर खुश थे। एक छोटा बच्चा बोला – "मम्मी! ये जैविक लगता है।" मम्मी मुस्कराईं – "हाँ बेटा, ये बायोडिग्रेडेबल टाइप फील देता है।" पंचलाइन उड़ती हुई आई – "जहाँ भावनाएँ प्लास्टिक की हों, वहाँ फूल असली क्यों हों?"

तैयारियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड हो रही थीं। कैप्शन में लिखा था – "गो ग्रीन विथ प्लास्टिक ड्रीम!" एक लड़की ने पौधे की फोटो के नीचे लिखा – "हैप्पी नेचर डे ऑल माय डियर ट्रीस "। उस पेड़ को काट कर उस पर वही फोटो चिपकाई गई थी। जड़ें हवा में थीं, और कैप्शन जन्नत में। एक बुढ़ा पीपल पेड़ देखकर सुबक पड़ा – "पहले मुझे पूजते थे, अब मेरे फोटो से लाईक्स कमाते हैं।" उसी पेड़ के नीचे एक बोर्ड लटक रहा था – "दिज इज ए सेल्फी जोन – सेव ट्रीस." – "जंगल बचे या ना बचे, जंगल की यादें इंस्टा में ज़रूर बचें।"

स्कूलों में बच्चों ने भाषण दिए। एक छोटा बच्चा चिल्लाया – "प्लास्टिक नहीं चाहिए!" उसके ठीक पीछे पूरे मंच को प्लास्टिक के पर्दों, सजावटों और फूलों से ढाँप दिया गया था। शिक्षक मुस्कराए – "बिलकुल सही बेटा, लेकिन इन सजावटों को हाथ मत लगाना, किराए पर आए हैं।" बच्चे को थोड़ी उलझन हुई, मगर उसने फिर कहा – "पेड़ों को काटना पाप है।" तभी पीछे से माली आता है और कहता है – "सर! वो नीम के पेड़ की डाली मंच में घुस रही थी, काट दी।" – "संदेश पर्यावरण बचाओ, व्यवस्था पेड़ हटाओ।"

शहर के सबसे बड़े होटल में पर्यावरण दिवस समारोह रखा गया था। चीनी मिट्टी की थालियों की जगह डिस्पोज़ल प्लेट, ग्लास और चम्मच रखे गए। हर कुर्सी के पीछे लिखा था – "रिसाइकल, रियूज, रिपीट" मंच पर बैठे अधिकारी बोले – "पृथ्वी को बचाना हमारा कर्तव्य है।" वहीं एक ओर एसी की फुल स्पीड में चाय परोसी जा रही थी। बाहर पौधे मुरझाए खड़े थे, भीतर बर्फ़ के गोले पर चर्चा हो रही थी – "ग्रीनहाउस इफेक्ट बहुत घातक है।" पंचलाइन जैसे स्वयं पृथ्वी ने चिल्लाकर कही – "जो जितना बोले, वो उतना ही काटे।"

मैंने मोहल्ले के एक पुराने माली से पूछा – "क्या सच में लोग पर्यावरण से प्रेम करते हैं?" वो चुप रहा। फिर झोले से एक सूखी बेल निकाली, जिसकी जड़ें प्लास्टिक की थीं। वो बोला – "बाबूजी, अब पेड़ उगते नहीं, लगाए जाते हैं... वो भी फोटोज़ के लिए।" उसकी आँखों में कुछ पुराने वनों की परछाइयाँ थीं, जो आजकल सिर्फ बच्चों की किताबों में मिलती हैं। उसने अंतिम पंच मारा – "पहले पेड़ लगते थे जीवन के लिए, अब लगते हैं प्रमाण पत्र के लिए।"अंत में जब समारोह समाप्त हुआ, तो देखा गया कि पूरे मैदान में प्लास्टिक की पन्नियाँ उड़ रही थीं, बच्चों के हाथ में खाली बोतलें थीं, और पेड़ों के नीचे चिप्स के पैकेट पड़े थे। तुलसी के गले से माला उतर चुकी थी, और माली जी की आँखें झर चुके थे। वो धीरे से बोले – "इस बार भी बचा न सका किसी पेड़ को... इस बार भी हार गया मैं, हर बार की तरह।" और यही वो दर्द था जो शब्दों से नहीं, साँसों से निकलता है। पंचलाइन लहूलुहान थी – "जिस धरती को माँ कहा, उसी की छाती छील दी।"

सुहागन महिलाएं करें शुक्रवार व्रत

मिलेगा अखंड सौभाग्य, धन, वैभव, जानें पूजा विधि

शुक्रवार का दिन भौतिक सुख और सुविधाओं के कारक ग्रह शुक्र से जुड़ा है।इस दिन माता लक्ष्मी और संतोषी माता की पूजा करते हैं।शुक्रवार के दिन सुहागन महिलाएं व्रत और पूजन से अखंड सौभाग्य, धन, वैभव आदि की प्राप्ति कर सकती हैं। माता लक्ष्मी की कृपा से धन का संकट दूर होता है, वहीं संतोष माता के आशीर्वाद से परिवार में सुख, शांति और संतोष आता है।आइए जानते हैं कि विवाहित महिलाओं को शुक्रवार का व्रत कैसे करना चाहिए?

शुक्रवार व्रत का महत्व

सुहागन महिलाएं शुक्रवार व्रत पति की लंबी उम्र, पारिवारिक सुख और आर्थिक समृद्धि के लिए करती हैं।साथ ही संतोषी माता की पूजा कर मन की शांति और संतान सुख की कामना करती हैं।जीवन में संतोष, प्रेम और स्थिरता आती है.

सुहागन महिलाएं शुक्रवार व्रत कैसे करें?

शुक्रवार को प्रातःकाल में स्नान करके साफ कपड़े पहनें।उसमें भी सफेद या गुलाबी रंग के वस्त्र को महत्व देना चाहिए.

उसके बाद घर और पूजा स्थान को साफ-सुथरा कर लें।उसके बाद एक चौकी पर सफेद या गुलाबी कपड़ा बिछाएं।मां लक्ष्मी और संतोषी माता की मूर्ति या चित्र स्थापित करें.

शुक्रवार व्रत की पूजा सामग्री में चावल, दही, हल्दी, रोली, चंदन, लाल फूल, गंगाजल, दीपक, धूप, कपूर, नारियल, जल से भरा हुआ कलश आदि शामिल करें.

संतोषी माता के लिए गुड़ और चने का भोग लगाते हैं।मां लक्ष्मी को सफेद मिठाई या खीर का भोग लगाना चाहिए.

शुक्रवार व्रत की पूजा विधि

सबसे पहले माता लक्ष्मी और संतोषा माता का गंगाजल से अभिषेक करें। उसके बाद फूल, अक्षत, हल्दी, धूप, दीप आदि अर्पित करके पूजन करें।

एक घी का दीपक जलाएं।मां लक्ष्मी या संतोषी माता का ध्यान करें।माता लक्ष्मी के मंत्र ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः का 108 बार जप करें.

इसके बाद माता लक्ष्मी और संतोषी माता को उनके प्रिय भोग अर्पित करें.

पूजा का समापन संतोषी माता की आरती से करें।माता लक्ष्मी की आरती न करें।अंत में प्रसाद बांटें. रात्रि के समय में जागरण करें.

शुक्रवार व्रत का पारण

आपको शुक्रवार व्रत का पारण शनिवार को सूर्योदय के बाद करना चाहिए। व्रत का पारण पंचामृत, फल, अन्न आदि ग्रहण करके कर सकती हैं।इस व्रत के पारण से पूर्व दान करें.

शुक्रवार व्रत में क्या करें

व्रती महिलाएं दिनभर उपवास रख सकती हैं। इसमें आप फलाहार कर सकती हैं।

पानी, जूस, लस्सी, नारियल पानी पी सकती हैं, लेकिन ध्यान रहे कि वो खट्टी न हो।

3।कुछ स्थानों पर एक समय का भोजन भी किया जाता है।यदि आपके यहां ऐसा होता है तो आप कर सकती हैं.

व्रत के दिन माता लक्ष्मी और संतोषी माता के भक्ति-भजन में अधिक समय दें।

व्रती को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

शुक्रवार व्रत में क्या न करें

व्रती को शुक्रवार के व्रत में खट्टी चीजें नहीं खानी चाहिए।इसके अलावा नमक से परहेज करना चाहिए।इसमें आप मीठा भोजन कर सकती हैं।दूसरों से झूठ न बोलें, क्रोध न करें और संतोषपूर्वक रहें।

घर और ऑफिस में लगाएं स्वास्तिक

वास्तु लाभ और दिशा से जुड़ी सावधानियां

हम सभी ने अपने घरों या कार्यस्थलों पर स्वास्तिक का चिन्ह देखा होगा। यह प्रतीक केवल धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व का नहीं है, बल्कि इसे सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी माना जाता है। अक्सर लोग स्वास्तिक को अपने दरवाजे, पूजा स्थल, या शुभ अवसरों पर लगाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि स्वास्तिक का वास्तु से भी सीधा संबंध है? और क्या यह वास्तु दोषों को दूर करने में मदद करता है?

स्वास्तिक एक ऐसा आकृति है, जो चार कोनों में समान रूप से फैलता है।इसे टेट्रा हाइड्रोजन या प्रिज्म जैसी ज्यामितीय आकृतियों से जोड़ा जा सकता है।इसे ओंकार के समान माना जाता है, जो हमारी भारतीय संस्कृति में ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है।स्वास्तिक का मूल रूप एक त्रिकोण या तिकोना आकृति से जुड़ा हुआ माना जाता है, जिसे चारों ओर विस्तार दिया गया है।

स्वास्तिक को शुभ कामों की शुरुआत में लगाया जाता है।लोग इसे दरवाजे, दीवारों, और किचन के बाहर बनाते हैं ताकि वहां शुभता बनी रहे और सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित हो।यह मान्यता है कि स्वास्तिक की उपस्थिति से आपके घर या कार्यस्थल पर अच्छा वातावरण बनता है, जिससे परिवार और व्यवसाय में तरक्की होती है।

हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि स्वास्तिक केवल एक शुभ संकेत है।यह वास्तु दोषों को सीधे दूर करने वाला उपाय नहीं है।वास्तु दोषों का समाधान तब ही संभव है जब उचित दिशा-निर्देशों और उपायों का पालन किया जाए।उदाहरण के लिए, घर के मुख्य दरवाजे की दिशा, कमरे की स्थिति, और भवन का निर्माण जैसे कारकों का वास्तु के हिसाब से सही होना जरूरी है।स्वास्तिक इस पूरे प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है, लेकिन अकेले इसका प्रयोग वास्तु दोषों को खत्म नहीं करता।

स्वास्तिक लगाने का प्रभाव मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिक और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा है।जब हम किसी स्थान पर स्वास्तिक लगाते हैं, तो वह स्थान शुभ और पवित्र माना जाता है, जिससे लोगों का मनोबल बढ़ता है।यह सकारात्मक सोच को जन्म देता है, जो जीवन में अच्छे परिणाम लेकर आता है. आपने देखा होगा कि कई शुभ अवसरों जैसे विवाह, घर प्रवेश, या किसी नए कार्य की शुरुआत पर स्वास्तिक का इस्तेमाल किया जाता है।इसका उद्देश्य नकारात्मकता को दूर रखना और नई शुरुआत के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना होता है.

स्वास्तिक का आकार इतना सरल और प्रभावशाली है कि इसे आसानी से विभिन्न सामग्रियों पर बनाया जा सकता है चाहे वह लकड़ी हो, धातु, या रंगों से बनाया गया चित्र।इसे हर जगह लगाने से सकारात्मकता का संचार होता है और जीवन में खुशहाली आती है।

संक्षेप में, स्वास्तिक एक शक्तिशाली प्रतीक है जो शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है।इसे घरों और कार्यस्थलों पर लगाने से वातावरण में सकारात्मक बदलाव आता है।परन्तु, इसे वास्तु दोषों का समाधान नहीं समझना चाहिए।वास्तु दोषों के लिए वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेना आवश्यक है, जो पूरी जांच-पड़ताल के बाद सही दिशा-निर्देश और सुधार बताएंगे।

काम में तेजी और मन में शांति चाहिए तो घर की दिशा को कर लें बैलेंस

घर या दफ्तर में दिशा का बड़ा असर होता है।जिस दिशा में आप बैठते हैं, काम करते हैं या खाना बनाते हैं, वह आपके दिन-प्रतिदिन के अनुभवों को बदल सकती है।इनमें साउथ ईस्ट दिशा यानी आग की दिशा को खास माना गया है। यह दिशा ऊर्जा, काम की गति और गुस्से से जुड़ी मानी जाती है, अगर इसका संतुलन बिगड़ जाए, तो इसका असर बहुत साफ नजर आने लगता है

साउथ ईस्ट को आम भाषा में 'अग्नि कोण' भी कहते हैं।जैसे ही दिन की शुरुआत होती है, सूरज इस दिशा में रौशनी भेजता है।यही वजह है कि यह दिशा हमारे काम की शुरुआत, जोश और मेहनत से जुड़ी हुई होती है।

अगर इस दिशा में कोई गड़बड़ हो जाए, जैसे कि कोई भारी चीज रखी हो या कोई गंदगी हो, तो इसका सीधा असर आपके मूड और रिश्तों पर पड़ सकता है।कई बार देखा गया है कि ऐसे घरों में लड़ाई-झगड़े, गुस्सा और जल्दबाजी बढ़ जाती है।वहीं दूसरी ओर, अगर यह दिशा बहुत हल्की या खाली हो, तो यह इंसान को सुस्त बना सकती है।ऐसे में लोग काम को टालते रहते हैं या समय पर फैसले नहीं ले पाते।

इस दिशा को संतुलित रखने का एक अच्छा तरीका है कि यहां रसोई घर या किचन बनाया जाए।किचन में अग्नि होती है, और अग्नि की सही जगह यही है।अगर आपका किचन इस दिशा में है, तो यह आपके घर की ऊर्जा को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखता है।साथ ही, यहां बैठकर अगर कोई रचनात्मक या गिनती से जुड़ा काम किया जाए, जैसे कि अकाउंट्स या कोई प्लानिंग, तो उसमें अच्छा नतीजा मिल सकता है।

साउथ ईस्ट दिशा ग्रहों के अनुसार शुक्र (वीनस) से जुड़ी होती है।शुक्र सुंदरता, आराम और रिश्तों का प्रतीक है।अगर यह दिशा साफ-सुथरी और व्यवस्थित हो, तो आपके रिश्तों में मिठास बनी रहती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

अगर किसी को काम में बहुत गुस्सा आता है या हर बात पर जल्दबाजी करता है, तो उसे इस दिशा को जांचना चाहिए।वहीं, अगर कोई बहुत सुस्त महसूस करता है, तो भी यह दिशा जिम्मेदार हो सकती है।सही सजावट और सही चीजें रखने से यह दिशा आपकी ताकत बन सकती है।

सही दिशा में किया गया प्रयास ही बनाता है नाम को यश और सफलता का प्रतीक

किसी भी व्यक्ति या संगठन की सफलता में नाम और प्रतिष्ठा का बड़ा महत्व होता है। जब हम "नाम" की बात करते हैं, तो हमारा तात्पर्य सिर्फ पहचान से नहीं है, बल्कि वह सम्मान और विश्वसनीयता भी है जो समय के साथ अर्जित होती है।अगर सही दिशा और प्रयास के बिना केवल प्रसिद्धि की लालसा हो, तो वह हमारी वास्तविक सफलता की राह में बाधा बन सकती है।

कई बार लोग यह सोचने लगते हैं कि सिर्फ नाम हो जाने से उनकी मेहनत खत्म हो गई, लेकिन यह भ्रम है।सफलता केवल बाहरी दिखावे से नहीं मापी जाती, बल्कि हमारे कर्मों और उनके परिणामों से तय होती है।यदि हम सही दिशा में लगातार मेहनत करते हैं, तो नाम और सम्मान स्वतः ही मिलेंगे।परंतु यदि दिशा गलत हो, तो चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, वह सफलता हमें प्राप्त नहीं होगी।

यहां यह समझना जरूरी है कि "नाम" और "यश" दो अलग-अलग चीजें हैं।नाम हो सकता है अस्थायी या सतही, जबकि यश स्थायी होता है जो हमारे कार्य और योगदान से जुड़ा होता है।केवल नाम कमाना, बिना सच्चे प्रयास के, मान सम्मान को घटा सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने कार्यों में निष्ठा रखें और सही दिशा में प्रयास करें।

अगर हम अपनी ऊर्जा सही स्थान पर लगाएं, तो सफलता निश्चित रूप से हमारी होगी। सही दिशा का चुनाव करना, लक्ष्य स्पष्ट करना और अपने कर्मों का मूल्यांकन करना आवश्यक है।गलत दिशा में बढ़ना हमें भ्रम में डाल सकता है कि हम सफल हो रहे हैं, जबकि असल में हम अपने प्रयासों का सही फल नहीं पा रहे होते।

मार्स, ग्रहों में से एक, ऊर्जा और साहस का प्रतीक माना जाता है।यह हमें सक्रियता, जोश और निर्णायकता का संदेश देता है, यदि हम अपने जीवन या कार्य क्षेत्र में मार्स की ऊर्जा को समझकर उसे सही दिशा में लगाएं, तो हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।यह ग्रह हमें बताता है कि केवल सोचने और योजना बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि कर्मशीलता और निरंतरता भी जरूरी है।

हमारे जीवन की दिशा तय करने में यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी काम में स्थिरता और अनुशासन कितना जरूरी है।केवल अस्थायी प्रयास से कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिलती।निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से ही हम अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं।

यह बात डिजिटल मीडिया जैसे क्षेत्र में भी समान रूप से लागू होती है।आज की दुनिया में जहां सूचना और सामग्री का भंडार असीमित है, वहां केवल नाम कमाना आसान हो गया है, लेकिन यश अर्जित करना कठिन।यदि हम गुणवत्ता, नवीनता और नैतिकता को अपनाएं, तभी हम इस क्षेत्र में स्थायी पहचान बना पाएंगे।

शुकदेव जी की कथा से सीखें शांति का सूत्र

कलियुग में मन अशांत क्यों? राजा परीक्षित के प्रश्न पर शुकदेव जी ने बताए शांति पाने के चार सूत्र

जीवन में अधूरापन लगता है तो मन अशांत रहता है। हमें शांति कैसे मिल सकती है, इस प्रश्न का उत्तर श्रीमद् भागवत कथा में शुकदेव जी और राजा परीक्षित के प्रसंग से मिल सकता है।

शुकदेव जी राजा परीक्षित को भागवत कथा सुना रहे थे। राजा परीक्षित के जीवन के कुछ ही दिन शेष बचे थे। कथा सुनते समय राजा ने शुकदेव जी से पूछा था कि कलियुग में लोग इतने बेचैन क्यों रहते हैं? मन शांत क्यों नहीं रहता?

शुकदेव जी ने उत्तर दिया कि यही प्रश्न एक बार पृथ्वी ने भगवान से पूछा था।

पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि हे प्रभु! ये राजा जो खुद मौत के खिलौने हैं, ये सब मुझे जीतना चाहते हैं, लेकिन अभी तक कोई भी मुझे अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। ये सब वैभव, धन-दौलत, सत्ता के लिए लड़ते हैं, लेकिन अंत में सब यहीं छूट जाता है।

शुकदेव जी ने आगे बताया कि धरती की सारी लड़ाई संपत्ति के लिए है।

सभी चाहते हैं कि मेरे पास सबसे ज्यादा संपत्ति हो, लेकिन जब जाना होगा तो सब कुछ छोड़कर ही जाना होगा।

उदाहरण देते हुए शुकदेव जी ने कहा कि राजा नहुष, राजा भरत, शांतनु, रावण, हिरण्याक्ष, तारकासुर, ये सभी शक्तिशाली थे, लेकिन सब खाली हाथ गए।

परीक्षित ने अगला प्रश्न पूछा - जब दुनिया इतनी अशांत है, गलतियां बढ़ रही हैं, रिश्तों की अहमियत बदल रही है तो शांति कैसे पाएं?

शुकदेव जी बोले कि जो लोग भगवान का नाम जपते हैं, पूजा-पाठ, ध्यान करते हैं, उन्हें शांति जरूर मिलती है। यही योग है। यही शांति पाने का सूत्र है।

धरती के उस संवाद में ये बात सामने आती है कि जितना हम भौतिक वस्तुओं को पाने की दौड़ में लगते हैं, उतनी ही हमारी मानसिक शांति कम होती जाती है। संपत्ति का स्वामी नहीं, सेवक बनने का भाव रखना चाहिए। चीजों से मोह न रखें, विवेक रखना चाहिए।

इतिहास हमें सिखाता है कोई कुछ लेकर नहीं गया

राजा हों या आम व्यक्ति, जब मृत्यु सामने खड़ी होती है तो न सिंहासन साथ जाता है और न खजाना। सच्चा निवेश वही है, जो आत्मा को समृद्ध करता है, ध्यान, दया, भक्ति, सेवा में समय का निवेश करें।

रिश्ते टूट रहे हैं, समय की कमी है, नैतिकता कमजोर हो रही है। इन सबका समाधान बाहर नहीं, भीतर है। रोज थोड़ा समय अपने मन में झांकने में लगाएं, जप, प्रार्थना और ध्यान करें।

शुकदेव जी ने जिस योग की बात की, वह केवल शरीर की कसरत नहीं, बल्कि मन और आत्मा का संतुलन है। योग और भक्ति से ही भीड़ में भी एकांत, और शोर में भी शांति मिलती है।

शुकदेव जी और राजा परीक्षित की ये बातचीत, आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। भले ही समय बदल गया हो, तकनीक आ गई हो, लेकिन मनुष्य की बेचैनी वही है और उसका समाधान भी वही है — भीतर की यात्रा, इसलिए रोज कुछ देर ध्यान जरूर करें।

अयोध्या में रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा 5 जून को

7 मंदिरों में होगी पूजा, 101 आचार्य कराएंगे अनुष्ठान, योगी होंगे शामिल

अयोध्या राम मंदिर में 5 जून को राम दरबार सहित 7 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। गंगा दशहरा पर सुबह 11 बजे के बाद स्थिर लग्न और अभिजीत मुहूर्त में पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या और काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि CM योगी को ट्रस्ट की ओर से आमंत्रित किया गया है। योगी ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान कार्यक्रम 3 जून से शुरू होगा। इससे पहले 2 जून को महिलाओं द्वारा सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। तीन जून की सुबह 6.30 बजे से सभी मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ शुरू होगा, जो रात 9 बजे तक चलेगा। दोपहर में 1 घंटे का विश्राम होगा। इसी तरह 4 जून को भी विशेष पूजा-पाठ होगा। फिर 5 जून को सुबह 5.30 बजे पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा 11 बजे के बाद की जाएगी।

मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना हुई है, जबकि परकोटे में 6 मंदिरों में भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित की गई है। इन्हीं मंदिरों में 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा होगी।

इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बने हैं। इनमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित की जा चुकी है।

7 मंदिर भक्तों के लिए कब खोला जाएगा, अभी तय नहीं चंपत राय ने बताया- प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार और परकोटे में 6 भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा का मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए किस दिन खोला जाएगा, इस पर अभी विचार किया जा रहा है। मंदिर के पश्चिम हिस्से में लिफ्ट लगाई जा रही है।

अनुष्ठान में CM योगी और काशी-अयोध्या के 101 आचार्यों के अलावा 20 संत-धर्माचार्य, 15 गृहस्थ और ट्रस्ट के पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दौरान ग्राउंड फ्लोर पर रामलला का दर्शन जारी रहेगा।

राम दरबार की मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान जी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं। मूर्ति जयपुर में बनकर तैयार हुई है। सत्य नारायण पांडे, गोविंद, केशव, समेत 5 मूर्तिकारों ने बनाई है।

29 अप्रैल को राम मंदिर के मुख्य शिखर पर 42 फीट ऊंचा ध्वज दंड स्थापित किया गया। इससे मंदिर की कुल ऊंचाई अब 203 फीट हो गई है। महासचिव चंपत राय ने बताया कि ध्वज दंड को एल एंड टी और टीसीएस की इंजीनियरिंग टीम ने ट्रॉली और दो टावर क्रेन की मदद से 161 फीट ऊंचे शिखर तक पहुंचाकर स्थापित किया।

करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर संग रोमांस करेंगे टाइगर, पहली बार बनी जोड़ी

जान्हवी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'धड़क' से की थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर थे। हाल ही में वह करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर भी चर्चा में रही हैं, इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी करण जौहर हैं। जान्हवी अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म 'लग जा गले' में नजर आएंगी, इसे भी करण जौहर ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में जान्हवी का हीरो कौन होगा? इसकी जानकारी भी मिली है।

इस एक्टर संग रोमांस करेंगी जान्हवी

एक्टर टाइगर श्रॉफ फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर के अपोजिट नजर आएंगे। यह दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ एक्टिंग कर रहे हैं। फिल्म को राज मेहता निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह एक बदला लेने वाली लव स्टोरी होगी। इस फिल्म में एक्शन भी खूब होगा।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इन दिनों टाइगर श्रॉफ फिल्म 'बागी 4' में व्यस्त हैं और जान्हवी कपूर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में व्यस्त हैं। दोनों जब इन फिल्मों से फ्री हो जाएंगे तो ही फिल्म 'लग जा लगे' की शूटिंग शुरू करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है।

टाइटल को कैसे चुना गया

जान्हवी कपूर की फिल्म 'लग जा गले' का टाइटल लंबे डिस्कशन के बाद तय किया गया। आखिर में 'लग जा गले' टाइटल फाइनल हुआ क्योंकि यह फिल्म की कहानी पर फिट बैठता है। यह फिल्म अगले साल यानी 2026 में रिलीज हो सकती है।

इन फिल्मों में भी जान्हवी आएंगी नजर

जान्हवी कपूर की अगली फिल्म 'परम सुंदरी' है। इस फिल्म में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' नाम की फिल्म भी जान्हवी कर रही हैं। इसके अलावा अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म 'पेड्डी' में भी जाहन्वी अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ नजर आएंगी।

क्रिकेटर युजवेंद्र से डेटिंग की अफवाहों के बीच महवश के हाथ में दिखा गुलाब, यूजर ने दिए रिएक्शन

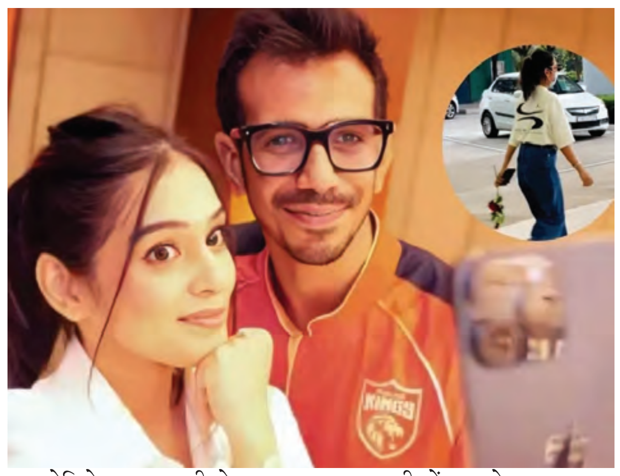

कोरियोग्राफर धनश्री से तलाक के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को अक्सर आरजे महवश के साथ देखा गया। दोनों के बीच की केमिस्ट्री देखकर अटकलें लगने लगीं कि ये डेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी युजवेंद्र और आरजे महवश एक-दूसरे को लेकर पोस्ट करते हैं, एक-दूसरे को सराहते हैं। हाल ही में जब आरजे महवश के हाथ में गुलाब दिखा तो यूजर्स ने कई तरह के रिएक्शन दिए।

यूजर ने दिए ये रिएक्शन

हाल ही में आरजे महवश का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, इसमें वह हाथ में लाल गुलाब पकड़े नजर आ रही हैं। महवश आराम से वॉक कर रही हैं। इस वीडियो को देखकर यूजर ने कहा कि ये गुलाब युजवेंद्र ने दिया है या महवश उन्हें देने जा रही हैं। वहीं कुछ यूजर बोले, 'युजवेंद्र ने कितनी जल्दी मूवऑन कर लिया है।' बताते चलें कि हाल ही में युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री का तलाक हुआ है।

एक-दूसरे की करते हैं तारीफ

आरजे महवश और युजवेंद्र चहल अक्सर ही एक-दूसरे की तारीफ करते भी नजर आते हैं। पिछले दिनों आरजे महवश ने इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में कहा कि वह युजवेंद्र चहल की अच्छाई को अपनाना चाहती हैं। महवश कहती है, 'युजवेंद्र बहुत केयरिंग हैं, लोगों की मदद करते हैं। मैं उनका यही नेचर अपनाना चाहती हूं।' वहीं जब आरजे महवश की वेब सीरीज 'प्यार पैसा प्रॉफिट' का प्रीमियर हुआ तो युजवेंद्र ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाकर उन्हें सपोर्ट किया। इन सभी बातों ने इनकी डेटिंग की अफवाहों को और हवा दी।

अफवाहों को लेकर भी चुप्पी तोड़ी

हाल ही में महवश ने युजवेंद्र चहल का नाम लिए बगैर मौजूदा अफवाहों को गलत बताया। वह कहती हैं, ' मैं एक नॉर्मल लड़की हूं, अपनी जिंदगी जीना चाहती हूं। कुछ लोगों ने बिना सच्चाई जाने मेरे बारे में गलत बातें फैलानी शुरू कर दी हैं, इससे मेरी मेंटल हेल्थ पर असर पड़ा है।'

जिया खान की मौत पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी:कहा- वो दौर बहुत ज्यादा कठिन था, परिवार से नजरें नहीं मिला पाता था

सूरज पंचोली ने चार साल बाद फिल्म केसरी वीर से बॉलीवुड में कमबैक किया है। हाल ही में उन्होंने जिया खान आत्महत्या मामले पर बात की है। एक्टर ने बताया कि उन पर कई आरोप लगे, जिसका असर उनकी जिंदगी पर पड़ा। यह मानसिक रूप से उनके लिए बेहद कठिन समय रहा।

सूरज पंचोली ने बताया कि कैसे इस कानूनी मामले ने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने कहा, 'अब मेरा अपने परिवार के साथ रिश्ता पहले से कहीं बेहतर है, क्योंकि हमारे जीवन में ऐसा वक्त था जब हम एक-दूसरे की आंखों में देखकर बात तक नहीं कर पाते थे। हर एक के दिल में बहुत दर्द था।

अब हम एक-दूसरे को देखकर उस दर्द भरे समय पर मुस्कुरा सकते हैं। जब परिवार के साथ ऐसा कुछ होता है, तो हम और भी करीब आ जाते हैं। उस घटना से पहले हम इतने करीब नहीं थे, लेकिन उसके बाद हम बहुत करीब आ गए।'

सूरज ने कहा, 'उस मुश्किल दौर में भी मेरे आसपास कई ऐसे लोग थे, जिन्होंने मुझे सहारा दिया। ऐसे में मैंने हमेशा पॉजिटिव रहने की कोशिश की। उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। हर दिन खुशहाल नहीं हो सकता। ट्रोलिंग, खबरें, आलोचना, निशाना बनाए जाना, काम न मिलना, किनारे कर दिया जाना, दूसरों को मुझसे बहुत आगे जाते देखना। ये सब असर करता है। लेकिन अपने लिए मजबूत रहना पड़ता है, क्योंकि कोई दूसरा रास्ता नहीं होता।

रिजेक्शन से परेशान थीं जिया- जरीना

हाल ही में सूरज पंचोली की मां जरीना वहाब ने इस मामले में अपना रिएक्शन दिया था। उन्होंने कहा था कि जिया की मौत से एक महीने पहले ही सूरज उनसे ब्रेकअप कर चुके थे। जिस दिन उन्होंने आत्महत्या की उसी दिन उन्हें एक साउथ फिल्म से रिजेक्ट किया गया था, जिससे वो परेशान थीं।

2013 में जिया खान ने आत्महत्या कर ली थी

बता दें, 3 जून 2013 में जिया खान ने आत्महत्या कर ली थी। उस समय सूरज पंचोली उनके साथ रिलेशनशिप में थे। जिया के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया था, जिसमें उन्होंने सूरज पर कई आरोप लगाए थे। सूरज पंचोली पर जिया को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए थे। ये मामला 10 सालों तक कोर्ट में रहा था, हालांकि अब सूरज को क्लीनचिट मिल गई है।

'मां' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर काजोल के सपोर्ट में पहुंचे अजय देवगन, बेटा युग भी आया नजर

काजोल की हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'मां' का ट्रेलर आज जारी हो रहा है। पिछले साल आई अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' की दुनिया से ये अगली फिल्म में। फिल्म में काजोल एक मां के किरदार में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का इवेंट मुंबई में किया गया। जिसमें अभिनेत्री काजोल ने दमदार अंदाज में एंट्री की। काजोल इवेंट में ब्लैक कलर की साड़ी में पहुंचीं।

एथनिक लुक में ग्लैमरस लगीं काजोल

इवेंट में काजोल का लुक बहुत एथनिक और ग्लैमरस है। उन्होंने

काले रंग की साड़ी पहनी है, जिसे उन्होंने स्टाइलिश तरीके से कैरी किया है। उनका ब्लाउज गोल्डन वर्क वाला है, जो उनके लुक को और भी रॉयल बना रहा है। माथे पर छोटी सी बिंदी, हाथों में चूड़ियां और खुले बाल उनके ट्रेडिशनल लुक को कंप्लीट कर रहे हैं।

बेटे युग के साथ पहुंचे अजय देवगन

काजोल को सपोर्ट करने के लिए उनके पति और अभिनेता अजय देवगन भी इवेंट में पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनके बेटे युग भी नजर आए।

रश्मिका मंदाना ने साड़ी में शेयर किया अपना दिलकश अंदाज, बताई अपनी पसंदीदा चीज

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कुबेर' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म से रश्मिका का लुक सामने आ चुका है, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं आज रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी कई पसंदीदा चीजों के बारे में भी खुलासा किया है।

रश्मिका का लुक

रश्मिका मंदाना ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन लेटेस्ट तस्वीरों में रश्मिका ने पीले और ऑरेंज शेड की साड़ी पहनी हुई है। इस नए लुक में रश्मिका हमेशा की तरह सिंपल और क्यूट दिख रही हैं। रश्मिका के खुले बाल और चेहरे पर मनमोहक मुस्कान किसी का भी दिल जीत लेगी। इस लुक में रश्मिका ने सोफे पर बैठकर कई शानदार पोज दिए। उनके माथे पर लाल बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

इन शानदार तस्वीरों के साथ रश्मिका ने अपनी कई पसंदीदा चीजों के बारे में भी बताया। रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, 'इन तस्वीरों में मेरी सभी पसंदीदा चीजें हैं.. रंग, वाइब, जगह, खूबसूरत महिला जिसने मुझे साड़ी गिफ्ट की, फोटोग्राफर और इस फोटो में मौजूद हर चीज मेरे लिए अपूरणीय है।'

फैंस के कमेंट्स

रश्मिका के इस लेटेस्ट लुक पर फैंस ने जमकर कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, 'वाह सुपर', एक और फैन ने लिखा, 'क्रश्मिका', एक और फैन ने लिखा, 'आप बहुत सुन्दर हो', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत सुन्दर', एक और फैन ने लिखा, 'तुम मेरी पसंदीदा हो', एक और फैन ने लिखा, 'साड़ी में अप्सरा जैसी लग रही हो।'

कई फिल्मों में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना कई आगामी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका 'कुबेर', 'थामा', 'पुष्पा 3' और 'एनिमल पार्क' जैसी कई शानदार फिल्में शामिल हैं। फिल्म कुबेर में रश्मिका के साथ साउथ एक्टर धनुष और नागार्जुन नजर आएंगे। वहीं फिल्म 'थामा' में रश्मिका के साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे।

हुमा कुरैशी ने राज कुमार थापा के परिवार से की मुलाकात, जम्मू के पर्यटन स्थल को दिया बढ़ावा

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बुधवार को जम्मू में एक वरिष्ठ अधिकारी राज कुमार थापा के परिवार से मुलाकात की, जिनकी पाकिस्तानी गोलाबारी में मृत्यु हो गई थी। इस दौरान हुमा ने जम्मू के पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने की पहल भी की है।

राज कुमार थापा के परिवारसे मिली हुमा

पीटीआई के अनुसार, जम्मू में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की गई है, जिसमें मशहूर हस्तियों के दौरे शामिल हैं। इसकी शुरुआत हुमा कुरैशी की यात्रा से हुई। वे शांति और आशा का संदेश देने जम्मू पहुंचीं। हुमा ने राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के परिवार से उनके घर पर मुलाकात की। थापा की 10 मई को राजौरी में पाकिस्तानी गोलीबारी में मृत्यु हुई थी। इस दौरान हुमा ने जम्मू और कटरा के होटल व रेस्तरां एसोसिएशन के लोगों से भी बात की।

हुमा ने की पहल

अभिनेत्री ने जम्मू की सुंदरता, आतिथ्य और संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की। उनका कहना था कि मशहूर हस्तियों का समर्थन पर्यटकों का भरोसा बढ़ा सकता है। शाम को भारत-पाक सीमा पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जो एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक था। हुमा कुरैशी ने वहां जम्मू-कश्मीर के लोगों की हिम्मत और भावना की प्रशंसा की। उन्होंने और हस्तियों से इस खूबसूरत क्षेत्र की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव करने की अपील की। अधिकारी ने कहा कि कुरैशी की यात्रा जम्मू-कश्मीर को एक सुरक्षित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने का एक मजबूत संदेश है।

विराट के बाद तमन्ना ने लगाया इंस्टाग्राम पर इल्जाम, पूछा- अपने आप कैसे लाइक होते हैं पेज?

हाल ही में क्रिकेटर विराट कोहली ने दावा किया था कि इंस्टाग्राम पर अपने आप पोस्ट लाइक हो गई। अब अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'खुद से' पेजों को 'लाइक' करता है। तमन्ना ने बुधवार को अपनी एक सेल्फी के साथ एक स्टोरी पोस्ट करते हुए कहा 'क्या इंस्टाग्राम हमें ये बता

सकता है कि वह खुद से पेजों को कैसे लाइक करता है, क्योंकि कई लोग इसे खबर बना रहे हैं और मुझे आपना काम करना है।'

तमन्ना ने दीपिका की रील को लाइक किया था

आपको बता दें कि कथित तौर पर तमन्ना भाटिया ने दीपिका पादुकोण की एक इंस्टाग्राम रील को लाइक किया। इस रील में वेतन में अंतर, काम के माहौल और महिलाओं के प्रति द्वेष जैसे मुद्दों को उजागर किया गया। तमन्ना की यह पोस्ट दीपिका पादुकोण और फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा के बीच फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई है।

संदीप रेड्डी ने किया था पोस्ट

हाल ही में फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा ने एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन लोगों ने इसे दीपिका पादुकोण से जोड़ा। उन्होंने पोस्ट काफी गुस्से में की और दीपिका के व्यवहार को अनप्रोफेशनल बताया। दीपिका पादुकोण पहले वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' का हिस्सा थीं लेकिन बाद में वह इससे अलग हो गईं। दीपिका ने फिल्म में शूटिंग के घटों को कम करने और दूसरी मांगें रखी थीं। इससे वांगा नाराज हो गए।

दीपिका पर फिल्म के कुछ हिस्से लीक करने का दावा

आपको बता दें मार्च 2025 में ऑनलाइन अफवाहें उड़ीं कि 'स्पिरिट' का कथानक लीक हो गया है, कुछ लोगों ने तमिल फिल्म 'थेरी' से समानता का दावा किया। हालांकि फिल्म लीक होने की बात की तस्दीक नहीं हो पाई है। फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका के जाने के कुछ समय बाद, फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि इसमें तृप्ति डिमरी को लिया गया है।

'कन्नड़ तमिल से पैदा हुई' बयान पर फजीहत के बाद कमल हासन ने दी सफाई, बोले- 'मैंने प्यार से कहा'

अभिनेता और एमएनएम अध्यक्ष कमल हासन ने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी की है। इस पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। इसके बाद कमल हासन ने सफाई दी है।

कलम हासन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले वे कन्नड़ भाषा पर अपनी एक विवादित टिप्पणी को लेकर चर्चा में आ गए हैं।

कमल हासन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा कि 'आपकी भाषा (कन्नड़) तमिल से पैदा हुई है'। इस बयान के बाद अभिनेता की आलोचना हो रही है, जिसके बाद उन्होंने सफाई दी है।

सफाई पेश कर बोले- 'मेरा कोई मतलब नहीं था'

कमल हासन ने अपनी विवादित टिप्पणी पर

प्रतिक्रिया दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कमल हासन ने हाल ही में दिए अपने बयान पर कहा कि 'कन्नड़ तमिल से पैदा हुई', मैंने जो कहा वह प्यार से कहा था'। एक्टर ने आगे कहा कि 'बहुत से इतिहासकारों ने मुझे भाषा का इतिहास पढ़ाया है। मेरा कोई मतलब नहीं था'।

कमल हासन बोले- 'इस चर्चा को भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें'

कमल हासन ने आगे कहा, 'तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहां मेनन हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं, जहां रेड्डी हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं। तमिल हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं और कन्नड़ अयंगर हमारे मुख्यमंत्री रहे हैं। पॉलिटीशियन भाषा के बारे में बात करने के लिए योग्य नहीं हैं। उनमें इस बारे में बात करने की योग्यता नहीं है, जिसमें मैं भी शामिल हूं। आइए हम इन सभी गहन चर्चाओं को इतिहासकारों, पुरातत्वविदों और भाषा विशेषज्ञों पर छोड़ दें'।

राजनीतिक हस्तियों ने की आलोचना

कर्नाटक में कमल हासन की इस टिप्पणी की तीखी आलोचना शुरू हो गई। कई राजनीतिक हस्तियों ने भी अभिनेता पर निशाना साधा। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, 'कन्नड़ का इतिहास बहुत पुराना है। बेचारे कमल हासन को इसकी जानकारी ही नहीं है। वहीं, राज्य भाजपा के प्रमुख विजयेंद्र येदियुरप्पा ने अभिनेता के व्यवहार को अशिष्ट करार दिया और उन पर कन्नड़ का अपमान करने का आरोप लगाया। कर्नाटक के भाजपा प्रमुख ने कहा, हर किसी अपनी मातृभाषा से प्यार करना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर किसी और भाषा के प्रति अनादर दिखाना अशिष्ट व्यवहार है। विशेष रूप से कलाकारों के बीच हर भाषा का सम्मान करने की संस्कृति होनी चाहिए। यह अहंकार और अहंकार की पराकाष्ठा है'।

हेरा फेरी 3 विवाद पर पलक जायसवाल का बड़ा बयान

सीरीज 'क्रैकडाउन' में साकिब सलीम के साथ काम करने के बाद अभिनेत्री पलक जायसवाल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में दमदार किरदार में नजर आईं। इस सीरीज के बाद से उन्हें काफी एप्रिशिएट किया जा रहा है। अभिनेत्री आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में अमर उजाला डिजिटल ने उनसे खास बातचीत की जिसमें एक्ट्रेस ने अपने करियर समेत कई मुद्दों पर बात की।

भोपाल से मुंबई तक का सफर

भोपाल की रहने वालीं पलक मायानगरी में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनका एक्टिंग का सफर कैसे शुरू हुआ तो उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से एक्टर नहीं बनना चाहती थी। छोटी उम्र में ही मैं मुंबई आ गई थी में मुंबई आ गई थी और मैंने स्कूलिंग यहीं से की। बचपन से डांस अच्छा करती थी तो मम्मी-पापा को यकीन था कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अच्छा करूंगी। पापा ने पृथ्वीराज थिएटर में ज्वाइन करा दिया और वही से एक्टिंग में दिलचस्पी आ गई।'

कैसे शुरू हुआ एक्टिंग का सफर?

पलक ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए बताया, 'पृथ्वीराज थिएटर ज्वाइन करने के बाद मैंने कुछ प्ले किए। इसके बाद मुझे कुछ ऐड करने का भी मौका मिला। इसके बाद कोविड आ गया जिसके बाद कुछ सीरीज और गाने आए मेरे लेकिन 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' मेरे करियर का अब तक का सबसे बड़ा मौका है।'

पलक ने स्ट्रगल पर की बात

इस दौरान पलक ने अपने संघर्ष पर भी बात की। उन्होंने ऑडिशन के दौरान होने वाले रिजेक्शन पर बात करते हुए कहा, 'शुरू में मैंने बहुत रिजेक्शन फेस किए लेकिन एक कास्टिंग कंपनी में काम करने के बाद मुझे इस बात का आभास हुआ कि रिजेक्शन कभी भी पर्सनल नहीं होते। अब रिजेक्शन से बस इतना समझ आता है कि मैं हर रोल के लिए नहीं बनी हूं और शायद मेरी पर्सनालिटी उस रोल में फिट नहीं हो रही हैं। इसलिए मुझे वो रोल नहीं मिला।'

नेपोटिज्म पर पलक ने क्या कहा?

इंटरव्यू में पलक से जब नेपोटिज्म को लेकर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि एक आउटसाइडर होने के नाते वैसा कुछ फेस करना पड़ता है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नेपोटिज्म हर चीज में हैं। ये स्टार किड्स की ब्लेसिंग है, उनकी फैमिली से उन्हें वो मिला है। लेकिन हमेशा हर किसी के लिए ये काम नहीं करता है। सभी लोग आलिया भट्ट के जैसे ही वो नाम नहीं कर पाते जो उनके पेरेंट्स कर पाए हैं। तो सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है।'

आलिया जैसे दमदार रोल करना चाहती हैं पलक

जब पलक से पूछा गया कि वो एक एक्टर के तौर पर किसे अपना आइडियल मानती हैं तो उन्होंने बताया कि हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कहा, 'जब वो किसी भी किरदार में होती हैं तो उसमें ढल जाती हैं, इसलिए मैं बिल्कुल उनकी तरह ही बनना चाहती हूं। और मैं उम्मीद करती हूं कि आलिया भट्ट के दमदार किरदारों के जैसे ही मैं भी काम करूं।'

परेश रावल ने की सीरीज की तारीफ

पलक की सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' की तारीफ करते हुए हाल ही में दिग्गज एक्टर परेश रावल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ऐसे कॉन्टेंट को सिनेमा में बढ़ावा मिलना चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, उनके बाबूराव के किरदार को देखकर लगता है कि काश मैं भी ऐसी ही एक्टिंग कर पाऊं। तो उनके रिएक्शन से एक हिम्मत मिली कि ऐसे ही बस अच्छा काम करती जाऊं।'

हेरा फेरी से परेश रावल के अलग होने पर दिया रिएक्शन

इसके अलावा फिल्म 'हेरा फेरी 3' से परेश रावल के खुद को अलग करने पर भी एक्ट्रेस ने अपनी निराशा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जितने भी हेरा फेरी फ्रेंचाइजी के फैंस हैं उनका भी मेरी ही तरह दिल टूट जाएगा इस खबर से। ये सर का फैसला है कि उन्हें काम करना है या नहीं लेकिन मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि एक बार फिर से हमें थिएटर्स में राजू, श्याम और बाबूराव को एक साथ देखने को मौका मिले और हम हंस हंस कर लोट-पोट हो जाएं।'

जन्मदिन कैसे मनाती हैं एक्ट्रेस?

पलक जायसवाल 29 मई को अपना जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में उनसे जब पूछा गया कि वो अपना जन्मदिन कैसे मनाएंगी तो उन्होंने कहा, 'मैं शुरू से ही अपने जन्मदिन को लेकर कभी ज्यादा एक्साइटेड नहीं रहती। इस बार मेरी फैमिली भी भोपाल में होगी। तो मैं अपने बर्थडे को अपने खास दोस्तों के साथ ही सेलिब्रेट करूंगी।'

वर्कफ्रंट पर एक्ट्रेस पलक जायसवाल

फिल्म 'क्रैकडाउन' से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं एक्ट्रेस पलक जायसवाल हाल ही में क्राइम सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में नजर आई हैं। उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है। इसके अलावा उनकी झोली में कुछ और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स भी हैं जिनके बारे में अभिनेत्री फिलहाल कुछ बता नहीं सकतीं। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि वो इसी तरह से अपने काम के जरिए कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती रहें।

कौन है वो एक्ट्रेस जिसे अमिताभ बच्चन पर तरस आता है? बोलीं- 'वो ज्यादातर समय एक्टिंग करते हैं'

अमिताभ बच्चन अपनी इमेज का शिकार हो चुके हैं। वो हमेशा सिर्फ अपनी इमेज को बचाने में लगे रहते हैं। वो हर वक्त एक्टिंग करते रहते हैं। मुझे अक्सर उन पर तरस आता है। ये कहना है महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम कर चुकीं वेटरन एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी का।

मौसमी चटर्जी अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी बेबाकी के लिए भी काफी मशहूर हैं। 77 साल की उम्र में भी मौसमी किसी भी मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। वो अक्सर अपने को-स्टार्स और अपने जमाने के कलाकारों को लेकर भी खुलकर बयान दे चुकी हैं। अब एक बार फिर मौसमी चटर्जी ने सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को लेकर बात की।

'अमिताभ अपनी इमेज का शिकार हैं'

फिल्मफेयर के साथ अपनी हालिया बातचीत में मौसमी चटर्जी ने अपने जमाने के कलाकारों और बॉलीवुड के दो सबसे बड़े सुपरस्टार्स राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन को लेकर बात की।

इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, अमिताभ एक बहुत बड़ी शख्सियत हैं। उनकी इमेज इतनी बड़ी है कि वो हर वक्त अपनी उस छवि को बचाए रखने के लिए एक्टिंग करते रहते हैं। वो अपनी इस छवि का शिकार हो चुके हैं। इसलिए वो हमेशा अपने शब्दों का ध्यान रखते हैं। काफी सोच-समझकर बोलते हैं और हमेशा एक दिखावा सा करते रहते हैं। इसके अलावा न तो उन्हें कुछ आता है और न ही वो कुछ कर सकते हैं। मुझे तो कई बार उन पर तरस भी आता है कि वो बेचारे हर वक्त सिर्फ एक्टिंग ही करते हैं।

मौसमी चटर्जी ने बताया कैसे राजेश खन्ना से अलग हैं अमिताभ बच्चन

इस दौरान जब उनसे बॉलीवुड के दो बड़े सुपरस्टार्स राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के बारे में पूछा गया और दोनों में क्या अंतर है, इसको लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि दोनों में काफी अंतर है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां अमिताभ बच्चन इतनी ज्यादा सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े हैं और खुद को लोगों से कनेक्ट रखते हैं। वहीं दूसरी ओर राजेश खन्ना ऐसे थे कि सफलता उनके सिर पर चढ़ गई थी। कहीं न कहीं उनमें घमंड आ गया था। वो दिखावा करते थे।

राजेश खन्ना को सिर्फ अपनी तारीफ सुननी होती थी, इसलिए वो चाटुकारों से भी घिरे रहते थे। जबकि अमिताभ बच्चन के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। राजेश खन्ना अपनी सफलता के दौरान जमीन से नहीं जुड़े रह सके। यही कारण था कि कभी टॉप पर रहे राजेश खन्ना का स्टारडम एक समय लुढ़क गया था। जिससे वो काफी परेशान भी हो गए थे। अभिनेत्री ने एक कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि एक अनपढ़ गुंडा और एक पढ़े लिखे गुंडे में बहुत फर्क होता है।

इन फिल्मों में राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के साथ नजर आईं मौसमी चटर्जी

मौसमी चटर्जी ने अपने करियर में राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन दोनों के ही साथ काम किया है। राजेश खन्ना के साथ उन्होंने 'हमशक्ल', 'अनुराग' और 'प्रेम बंधन' जैसी फिल्मों में काम किया है। वहीं अमिताभ बच्चन के साथ मौसमी चटर्जी ने 'बेनाम', 'मंजिल', 'रोटी कपड़ा और मकान' और 'पीकू' समेत कई फिल्मों में काम किया है। दोनों आखिरी बार फिल्म 'पीकू' में एकसाथ नजर आए हैं।

'वो गाड़ी में मेरे साथ अश्लील हरकतें करने लगा' कास्टिंग काउच पर बोलीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा

टीवी जगत में कई सितारे हैं, जिन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। 'गुम है किसी के प्यार में' सीरियल में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने भी इस मुद्दे पर एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक समय उन्हें काम दिलवाने के बहाने गलत व्यवहार का सामना करना पड़ा था। आज भी जब वे उस पल को याद करती हैं, तो डर जाती हैं।

एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने कहा, एक्टिंग में अपना करियर बनाना मेरे लिए कभी भी आसान नहीं रहा। जब मुंबई में मैं अपनी मौसी के घर रही थी। काम के लिए कई ऑडिशन दिए, लेकिन मुझे काम नहीं मिल रहा था। कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। कुछ समय बाद मुझे काम मिलने लगा, लेकिन किरदार कुछ खास नहीं थे। इसी दौरान मुझे कास्टिंग काउच का दर्द भी जूझना पड़ा।

ऐश्वर्या शर्मा ने बताया, 'एक बार एक प्रोड्यूसर ने मुझे लोखंडवाला बैक रोड पर मिलने के लिए बुलाया। मैं वहां पहुंची और उसकी गाड़ी में बैठ गई। पहले तो उसने सामान्य बातचीत की, लेकिन फिर अचानक वह मेरे पास आकर बैठ गया और मेरे बालों में हाथ फेरने लगा। मैंने तुरंत उसे रोका और पूछा कि वह क्या कर रहा है। इस पर उसने कहा कि बिना समझौते के इस इंडस्ट्री में काम नहीं मिलता।

यह सुनकर मैं बुरी तरह डर गई। मैं तुरंत गाड़ी से उतरकर वहां से भागी और रास्ते में लगातार रोती रही। मैंने पापा को फोन कर सारी बात बताई। उन्होंने मुझे समझाते हुए हिम्मत दी और कहा कि ऐसे लोगों से दूर रहो और डरने की जरूरत नहीं है।'

बता दें कि ऐश्वर्या शर्मा रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 17 और खतरों के खिलाड़ी 13 में नजर आ चुकी हैं। टीवी शो गुम है किसी के प्यार में के दौरान उन्हें लीड एक्टर नील भट्ट से प्यार हो गया था, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, हाल ही में दोनों के रिश्ते में अनबन की खबरें सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि ऐश्वर्या शर्मा अब अपने पति नील भट्ट से अलग रहने लगी हैं।

जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा ने ईशान खट्टर को किया इग्नोर, भड़के यूजर्स; बोले- 'असभ्य लोग हैं'

कुछ दिनों पहले समाप्त हुए कान फिल्म फेस्टिवल में 'होमबाउंड' फिल्म की स्क्रीनिंग की गई थी, जिसमें जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर समेत फिल्म से जुड़े कई कलाकार पहुंचे थे। उसी दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता ईशान खट्टर इंटरव्यू देते दिख रहे हैं। वहीं अभिनेत्री जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा ईशान को नजरअंदाज करते हुए बातें कर रहे हैं। इस पर नेटिजंस एक्ट्रेस को ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है वीडियो।

क्या है वायरल वीडियो?

वायरल वीडियो में अभिनेता ईशान खट्टर एक इंटरव्यू में बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। उनके बगल में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा भी बैठे दिख रहे हैं और आपस में बात करते नजर आ रहे हैं। जान्हवी, विशाल के कान में कुछ फुसफुसाती दिख रही हैं, जिस पर विशाल उनका जवाब देते हुए ईशान के इंटरव्यू को इग्नोर करते नजर आ रहे हैं। इसे देख यूजर्स दोनों को असभ्य कह रहे हैं।

नेटिजंस ने किया ट्रोल

एक्स अकाउंट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें नेटिजंस जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा को खूब ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि ये बुहत ही असभ्य हैं। दूसरे यूजर ने कहा कि यह बहुत अपमानजनक है, जाओ ईशान। वहीं एक और यूजर ने लिखा कि ईशान क्यों हमेशा अजीब लोगों के साथ रहते हैं, उन्हें अच्छे लोगों की जरूरत है। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने कहा कि बेचारे को अच्छी महिला सह-कलाकार की जरूरत है।

होमबाउंड के बारे में

नीरज घेवन के निर्देशन में 'होमबाउंड' फिल्म बनाई गई थी। इस फिल्म में जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म की 78वें कान फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग की गई थी, जिसे खूब सराहना मिली थी। इस कार्यक्रम में फिल्म के निर्माता करण जौहर, जान्हवी के पिता बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर सहित फिल्म के अन्य लोग भी मौजूद थे।

रेचल गुप्ता ने वापस किया 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024' का ताज, ऑर्गनाइजेशन पर लगाए गंभीर आरोप

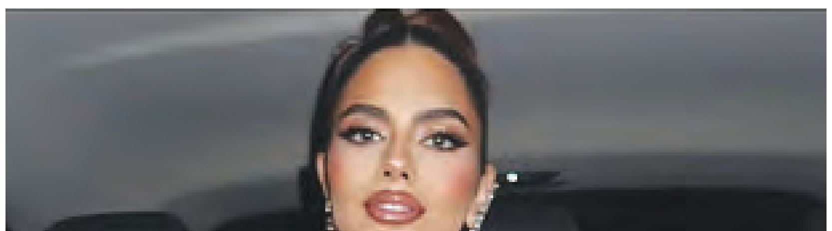

फैशन और मॉडलिंग की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रेचल गुप्ता ने मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का खिताब वापस करने का फैसला किया है। रेचल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का अपना ताज वापस कर रही हैं। रेचल ने इसके बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वो रोती हुई दिख रही हैं। रेचल ने इस दौरान कई गंभीर खुलासे भी किए।

टाइटल जीतते ही नर्क हो गई जिंदगी

रेचल ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक लंबा वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में रेचल ने रोते हुए अपने इस बड़े फैसले के पीछे का कारण बताया है। साथ ही उन्होंने इससे जुड़े कई खुलासे भी किए हैं। वीडियो में रेचल ने बताया कि पिछले कुछ महीने उनकी जिंदगी के सबसे बुरे दिन थे। आखिरी बार वो तब खुश हुई थीं, जब उन्होंने ये टाइटल जीता था और उसके बाद से चीजें नर्क की तरह हो गईं। पिछले कुछ महीने से वो डिप्रेस्ड और अकेली हैं। उन्होंने कहा कि वो इतना बुरा अपने दुश्मन के लिए भी नहीं चाहतीं। इतना हार्ड वर्क करने के बाद क्राउन वापस करना उन्हें काफी दर्द पहुंचा रहा है।

कड़ी मेहनत के बदले मिला उत्पीड़न

खिताब छोड़ने के अपने कारण के बारे में बताते हुए रेचल ने कहा कि आप लोग जानते हैं कि मैंने खिताब को जीतने के लिए कितनी मेहनत की थी। लेकिन बदले में मुझे सिर्फ उत्पीड़न और दुर्व्यवहार मिला। मुझे नहीं लगता ये लोग कभी बदलेंगे। मैं बताना चाहती हूं कि स्माइल के पीछे मैं दिल ही दिल में कितना स्ट्रगल कर रही थी। मैंने जब कम्पटीशन में हिस्सा लिया, तो मुझे कोई आइडिया नहीं था कि देश वोट्स के लिए पैसे दे रहा है। और मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन इसे वोट्स और डोनेशन के रूप में खुशी-खुशी एक्सेप्ट कर रहा है। मुझे पता लगा कि हम वोट के लिए पैसे नहीं दे सकते। इसलिए वोट के मामले में मुकाबला करना इतना मुश्किल था। आप लोग जानते हैं कि जब मैं पर्सनल इंटरव्यू में थी, तो मुझसे पूछा गया कि आपके पास वोट क्यों नहीं हैं? ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं हर दूसरे इंसान की तरह वोट खरीदने के लिए पैसे नहीं दे रही थी और ये उनकी गलती नहीं थी। हर कोई जीतना चाहता है।

मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन पर लगाए आरोप

आगे ऑर्गनाइजेशन की पोल खोलते हुए रेचल ने कहा, "ऐसे स्टैंडर्ड सेट करना ये ऑर्गनाइजेशन की गलती है। क्योंकि उन लड़कियों का क्या जो इसे अफोर्ड नहीं कर सकतीं? इन सब के बावजूद, मेरे जीतने का एक ही कारण था कि मुझे जनता का सपोर्ट मिला। मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के साथ काम करना सच में असंभव है। वो जिस तरह के लोग हैं, जिस तरह से लोगों के साथ बर्ताव करते हैं, उन्हें सिर्फ पैसे की पड़ी है। मुझे वो इंसान बनना है, जो सच के लिए बोलता है और जो ईमानदारी और अखंडता को अपनी इमेज से ऊपर रखता है और मैं यही कोशिश कर रही हूं।"

रेचल को नहीं मिलीं बेसिक सुविधाएं

रेचल ने कहा कि मैंने अक्टूबर में जीत हासिल की और फिर मैं नवंबर का पूरा महीना और दिसंबर के दो हफ्ते वहां रही और फिर मैं मार्च के पूरे महीने में वहां रही। उस दौरान उन्होंने मेरे साथ जो व्यवहार किया, वो जानकर यकीन नहीं होगा। वो मुझे बेसिक सुविधाएं भी नहीं दे पाए। जीतने के तुरंत बाद उन्होंने मुझे एक होटल के छोटे कमरे में भेज दिया। एक छोटा सा कमरा जहां मेरे सभी सूटकेस भी ठीक से नहीं खुल पाते थे। उस होटल के कमरे में मैं 1 महीने से ज्यादा रही। उन्होंने मुझे खाना नहीं दिया।

कल सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी थी जानकारी

इससे पहले रेचल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी थी कि वो मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का अपना खिताब वापस कर रही हैं। पोस्ट में उन्होंने लिखा था, ताज पहनाया जाना मेरे जीवन के सबसे प्यारे सपनों में से एक था और मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करने और इतिहास बनाने की उम्मीद से भरी हुई थी। हालांकि, मेरे ताज पहनाए जाने के बाद के महीनों में टूटे हुए वादे, गलत व्यवहार और गलत माहौल को अब मैं बर्दाश्त नहीं कर सकती।

तमन्ना भाटिया ने राशा थडानी के साथ शेयर कीं तस्वीर

तमन्ना भाटिया ने आज सोशल मीडिया पर राशा थडानी के साथ अपनी कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। इसके साथ ही तमन्ना ने एक दिलचस्प नोट भी लिखा है।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपनी खास जगह बना चुकीं तमन्ना भाटिया ने आज सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस को खुश कर दिया है। उन्होंने आज अपनी कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं, जिसमें उनके साथ रवीना टंडन की बेटी और फिल्म 'आजाद' की एक्ट्रेस राशा थडानी भी नजर आईं।

तमन्ना ने शेयर की तस्वीरें

आज तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें और कुछ शानदार वीडियोज शेयर किए हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में तमन्ना एक्ट्रेस राशा थडानी के साथ भी दिलकश पोज देती नजर आईं। यह एक अवॉर्ड शो के दौरान की तस्वीरें और वीडियोज हैं। इनमें से कई तस्वीरों में तमन्ना डांस की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं, तो किसी में राशा के साथ चिल करती नजर आ रही हैं।

तमन्ना का नोट

तमन्ना ने इन खूबसूरत तस्वीरों और वीडियोज के साथ कैप्शन में लिखा, 'एक रात जिसे मैं लंबे समय तक अपने पास रखूंगी। भारतीय सिनेमा की आत्मा को आकार देने वाली महिलाओं को श्रद्धांजलि देना एक अविश्वसनीय सम्मान था। उनकी कहानियां, उनकी शक्ति, उनकी कृपा... उन्होंने कई पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। 23वें जी सिने अवार्ड्स में उनके प्रतिष्ठित गीतों पर प्रदर्शन करना उनके द्वारा दी गई हर चीज का सम्मान करने का मेरा छोटा सा तरीका था और अभी भी इंडस्ट्री को देना जारी है। बेहतरीन टीमों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला और बहुत-बहुत धन्यवाद मनीष मल्होचत्रा। मुझे यह बहुत पसंद है कि कैसे वह हर अवसर पर कलाकार के व्यक्तित्व को निखारते हैं और सामने लाते हैं, निश्चित रूप से यह लंबे समय में मेरे पसंदीदा रेड कार्पेट में से एक है।'

तमन्ना का वर्कफ्रंट

आखिरी बार तमन्ना भाटिया 'ओडेला 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म 2022 की तेलुगु फिल्म ओडेला रेलवे स्टेशन का सीक्वल है। तमन्ना हॉरर थ्रिलर फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

जो आने वाला है उसे कोई नहीं रोक सकता

ट्रंप ने टैरिफ पर कही दो टूक बात

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस ट्रेड कोर्ट द्वारा उनके नए 'लिबरेशन डे' टैरिफ को रोक दिए जाने के तुरंत बाद ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया. उन्होंने अपनी एक फोटो शेयर की, जिस पर लिखा था: "वो ईश्वर के मिशन पर हैं और जो होने वाला है, उसे कोई नहीं रोक सकता. मैनहट्टन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने बुधवार को फैसला सुनाया कि ट्रंप के पास इन नए टैरिफ को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है. न्यायाधीशों ने कहा कि केवल अमेरिकी कांग्रेस ही अन्य देशों के साथ व्यापार को कंट्रोल कर सकती है और राष्ट्रपति इस उद्देश्य के लिए आपातकालीन पावर का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं."न्यायालय ने कहा कि वो ये नहीं तय कर सकते कि टैरिफ एक अच्छा विचार था या नहीं, कानून राष्ट्रपति को इस तरह से उनका इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देता है. इसलिए दो मुकदमे दायर किए गए. एक मुकदमा लिबर्टी जस्टिस सेंटर

की ओर से आयात पर निर्भर पांच छोटे अमेरिकी व्यवसायों की ओर से आया था. दूसरा मुकदमा ओरेगन अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड के नेतृत्व में 13 अमेरिकी राज्यों की ओर से आया था. न्यूयॉर्क वाइन आयातक और शैक्षिक किट बनाने वाली कंपनी सहित व्यवसायों ने कहा कि टैरिफ उनके काम को नुकसान पहुंचाएंगे. रेफील्ड ने टैरिफ को "गैरकानूनी, लापरवाह और आर्थिक रूप से विनाशकारी कहा.ट्रम्प ने अप्रैल में टैरिफ पेश किया जिसमें अमेरिकी व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल कहा गया. उन्होंने सभी आयातों पर 10% टैक्स लगाने की योजना बनाई और चीन जैसे देशों के लिए और भी अधिक दरें लगाने की योजना बनाई, जो अमेरिका को खरीदने से ज्यादा बेचते हैं. इनमें से कई टैरिफ एक सप्ताह बाद रोक दिए गए थे. 12 मई को व्हाइट हाउस ने कहा कि वह एक नए व्यापार सौदे पर काम करते हुए चीन पर सबसे अधिक टैरिफ कम करेगा. अमेरिका और चीन कम से कम 90 दिनों के लिए एक-दूसरे पर टैरिफ कम करने पर सहमत हुए, फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है और यहां तक कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में भी जा सकती है.ट्रम्प टैरिफ लगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) का उपयोग करने वाले पहले राष्ट्रपति हैं. कानून का इस्तेमाल आमतौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों के दौरान किया जाता है, उदाहरण के लिए, दुश्मन देशों से जुड़े धन को फ्रीज करने के लिए. न्याय विभाग ने कहा कि मुकदमों को वापस ले लिया जाना चाहिए, क्योंकि व्यवसायों ने अभी तक टैरिफ का भुगतान नहीं किया है और केवल कांग्रेस ही आईईईपीए के तहत राष्ट्रीय आपातकाल को चुनौती दे सकती है.

पाकिस्तान के दोस्त चीन ने कर दी गंदी हरकत

रुक जाएगा भारत की ऑटो इंडस्ट्री का चक्का!

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत के ऑटो इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगा दी। इससे भारत में कारों का उत्पादन रुकने का खतरा मंडरा रहा है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में ऑटो इंडस्ट्री के अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। रेयर अर्थ मैग्नेट्स का यूज इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ सामान्य कारों के पावर विंडो और ऑडियो सिस्टम में किया जाता है। हालांकि, ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चीन से कारों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों में इस्तेमाल होने वाले परमानेंट मैग्नेट्स का आयात फिर से शुरू हो गया है। भारत सरकार ने चीन को यह भरोसा दिलाया है कि इन मैग्नेट्स का यूज रक्षा क्षेत्र में नहीं होगा और न ही इन्हें अमेरिका को फिर से निर्यात किया जाएगा। इसके बाद चीन ने निर्यात शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने लगभग 30 प्रमाणपत्र जारी किए हैं। हर खेप के लिए एक प्रमाणपत्र दिया गया है। इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों ने पहले चेतावनी दी थी कि चीन की पाबंदियों से उत्पादन रुक सकता है। रॉयटर्स ने कंपनी के अधिकारियों और उद्योग समूहों के दस्तावेजों के हवाले से बताया था कि ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों के पास रेयर अर्थ मैग्नेट्स का स्टॉक मई के अंत तक खत्म हो जाएगा। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) ने सरकार से इस मामले में दखल देने और बीजिंग पर दबाव बनाने का आग्रह किया था। एसआईएएम ने चेतावनी दी थी कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार में एक बड़ा संकट आ सकता है।चीन का इन मैग्नेट्स के उत्पादन पर 90% से ज्यादा नियंत्रण है। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ-साथ पावर विंडो और ऑडियो स्पीकर जैसे सामान्य कार के हिस्सों के लिए भी जरूरी हैं। चीन ने अप्रैल में निर्यात पर पाबंदी लगाई थी। यह पाबंदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैक्स के जवाब में थी। चीन ने कंपनियों से कहा था कि उन्हें चीनी अधिकारियों से आयात परमिट लेना होगा। हालांकि, यह पाबंदी ज्यादातर हाई-परफॉर्मेंस मैग्नेट्स पर है, लेकिन कम कीमत वाले मैग्नेट्स की शिपमेंट भी रोक दी गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि नए नियमों को कैसे लागू किया जाए, इस बारे में भ्रम था। 19 मई को वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक में एसआईएएम ने एक आंतरिक दस्तावेज पेश किया। इसमें कहा गया था कि मई के अंत या जून की शुरुआत से ऑटो उद्योग का उत्पादन पूरी तरह से रुकने की आशंका है। इस बैठक में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स के अधिकारी शामिल थे। कुछ चीनी मैग्नेट उत्पादकों को निर्यात की अनुमति मिल गई है। लेकिन तीन ऑटो उद्योग के अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि उन्हें डर है कि भारत और चीन के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण मंजूरी में देरी हो सकती है। इससे आपूर्ति की समस्या और बढ़ सकती है। इन अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि यह मामला संवेदनशील है।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली

सेंसेक्स 321 अंक चढ़ा, निफ्टी 24800 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को हरियाली लौट आई। उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स 320.70 अंक चढ़कर 81,633.02 पर जबकि निफ्टी 81.15 अंक बढ़कर 24,833.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 85.50 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन की गिरावट के बाद गुरुवार को तेजी आई। ऐसा अमेरिकी अदालत की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ को रोकने के फैसले के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक महौल के कारण संभव हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,633.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 504.57 अंक या 0.62 प्रतिशत चढ़कर 81,816.89 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 81.15 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 24,833.60 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक में 2.41 प्रतिशत की तेजी आई। बाजार नियामक सेबी ने बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया और चार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बैंक के शेयरों में कथित अंदरूनी व्यापार के संबंध में प्रतिभूति बाजार में प्रवेश से रोक दिया था।सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक भी लाभ में रहे। बजाज फाइनेंस, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और एशियन पेंट्स पिछड़ने वालों में शामिल थे। निवेशकों ने अमेरिकी संघीय न्यायालय की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आयात पर व्यापक पारस्परिक टैरिफ को रोकने के निर्णय सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। अमेरिकी न्यायालय की ओर से ट्रम्प की पारस्परिक कर नीति को रद्द करने के बाद वैश्विक बाजार की धारणा में सुधार हुआ। हालांकि, तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़ने के कारण घरेलू बाजार दिन के दौरान ज्यादातर सीमित दायरे में रहा। सत्र के अंत में कुछ सुधार देखा गया, जो एफएंडओ एक्सपायरी को देखते हुए कवरिंग के कारण हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, व्यापारिक तनाव कम होने की उम्मीद से आईटी और फार्मा जैसे निर्यात-केंद्रित क्षेत्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त -18-42
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष---	04-48 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मिथुन..	06-48 बजे
मंगल	कर्क में	कर्क--	09-01 बजे
बुध-	वृष में	सिंह---	11-12 बजे
गुरु-	मिथुन में	कन्या...	13-19 बजे
शुक्र-	मीन में	तुला....	15-26 बजे
शनि-	मीन में	वृश्चिक..	17-34 बजे
राहु-	कुंभ में	धनु.....	19-48 बजे
केतु-	सिंह में	मकर...	21-54 बजे
		कुंभ...	23-45 बजे
		मीन....	01-23 बजे
		मेष.....	02-59 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 21-23 तक उपरान्त पंचमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , शुक्रवार 30 May
नक्षत्र - पुनर्वसु 21-29 तक उपरान्त पुष्य
योग - गण्ड 12-56 तक उप वृद्धि
करण- वणिज 10-15 तक उप विष्टी(भद्रा)
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल 10-15 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:36 से 12:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:45 - 07:20	शुभ	रोग।	18:42 - 20:07	अशुभ
लाभ	07:20 - 08:58	शुभ	काल।	20:07 - 21:29	अशुभ
अमृत	08:58 - 10:36	शुभ	लाभ	21:29 - 22:52	शुभ
काल.	10:36 - 12:14	अशुभ	उत्पात	22:52 - 00:14	अशुभ
शुभ.	12:14 - 13:52	शुभ	शुभ	00:14 - 01:36	शुभ
रोग	13:52 - 15:29	अशुभ	अमृत	01:36 - 02:58	शुभ
उत्पात	15:29 - 17:07	अशुभ	चंचल	02:58 - 04:20	शुभ
चंचल.	17:07 - 18:42	शुभ	रोग	04:20 - 05:45	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अगर आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी है , तो आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है । आपको कड़ी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा । आप आज वित्तीय योजना के बारे मैं जानेंगे । निवेश करने से पहले , सही योजना पर अपने मित्रों और सहयोगियों से सलाह ले । प्रस्ताव आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संभंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप व्यवसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है । इस तरह की कृपणता की प्रवृत्ति से आपको बचना होगा क्यों की आपका धन प्रवाह सुचारू रहेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 175 घटकर 95,525 पर आया

चांदी 654 बढ़कर 98,100 किलो बिक रही

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 29 मई को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 175 रुपए घटकर 95,525 रुपए पर आ गया है। कल यह 95,700 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी की कीमत आज 654 रुपए बढ़कर 98,100 रुपए हो गई है। कल चांदी 97,446 रुपए किलो थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,190 रुपए है। **मुंबई** : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,040 रुपए है। **कोलकाता** : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 88,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,040 रुपए है। **चेन्नई** : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 88,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,040 रुपए है। **भोपाल** : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,090 रुपए है। **हैदराबाद** : 10 ग्राम22 कैरेट सोना 89,340 रुपये तो वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 97,470 रुपए है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए अडानी ग्रुप ने कर दी सरकार से बड़ी मांग

16,700 करोड़ किया है निवेश

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अगले कुछ दिनों में शुरू हो सकता है। अडानी ग्रुप ने इस एयरपोर्ट के विकास पर 16,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस एयरपोर्ट को सफल बनाने के लिए अडानी ग्रुप ने सरकार से एक खास अनुरोध किया है। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए एक जैसी फीस लगाने की मांग की है। उसका कहना है कि यात्रियों और एयरलाइंस के लिए टैरिफ की गणना करते समय इन दोनों एयरपोर्ट को एक ही माना जाना चाहिए। अगर सरकार एएएचएल के इस प्रस्ताव को मान लेती है, तो दोनों एयरपोर्ट पर लगने वाले शुल्क बराबर हो जाएंगे। इससे नवी मुंबई एयरपोर्ट पर ज्यादा ट्रैफिक आने की संभावना है। एट

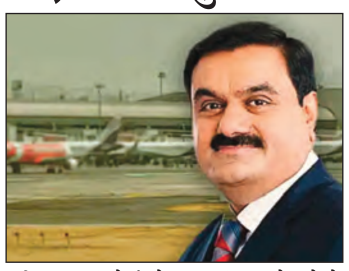

की एक रिपोर्ट के मुताबिक ये दोनों एयरपोर्ट एएएचएल के ही हैं लेकिन नवी मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों से लिए जाने वाले शुल्क, लैंडिंग और पार्किंग चार्ज मुंबई एयरपोर्ट से काफी ज्यादा होंगे। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि शायद एयरलाइन कंपनियां नए एयरपोर्ट पर शिफ्ट होने से परहेज कर सकती हैं। नवी मुंबई एयरपोर्ट से जुलाई में कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने की उम्मीद है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली पहली एयरलाइन होगी। कंपनी ने एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (एईआरए) एक्ट में 2021 में हुए संशोधन का हवाला दिया है। इस संशोधन में एयरपोर्ट को ग्रुप में रखने और उन्हें एक यूनिट के रूप में नामित करने की अनुमति दी गई है। ऐसा छोटे और घाटे में चल रहे एयरपोर्ट के निजीकरण के लिए किया गया था। उन्हें उसी क्षेत्र के बड़े एयरपोर्ट के साथ मिलाकर निवेशकों के लिए आकर्षक बनाया गया था। एक सूत्र ने कहा कि नवी मुंबई में एक नया एयरपोर्ट बनाने में बहुत ज्यादा पैसा लगाया गया है। इसलिए, स्वाभाविक रूप से नवी मुंबई में टैरिफ मुंबई से काफी ज्यादा होगा। मुंबई एक स्थापित एयरपोर्ट है, जहां पूंजीगत व्यय कम है और संपत्तियां पुरानी हो रही हैं। अगर दोनों एयरपोर्ट के टैरिफ की गणना एक यूनिट के रूप में की जाती है, तो दोनों एयरपोर्ट पर लगने वाले चार्ज दोनों का औसत होगा। इससे समानता आएगी।

आरबीआई के पास है अब 'सोने की खान'

1 नहीं 2 बार खरीद सकता है पाकिस्तान की सेना का पूरा सामान

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई के पास एक ऐसी 'सोने की खान' है, जो ना सिर्फ देश की आर्थिक ताकत को दिखाती है। बल्कि अगर जरुरत पड़ी तो ये देश की सामरिक ताकत बन सकती है। इस 'सोने की खान' की वैल्यू इस साल 57 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इसकी वैल्यू अब पाकिस्तान की सेना के सालाना बजट से लगभग दोगुनी है। यहां बात जिस 'सोने की खान' की हो रही है, वो असल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का गोल्ड रिजर्व है। केंद्रीय बैंक ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया है कि उसके पास आखिर सोने का कितना भंडार है।

880 टन सोने का भंडार

आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2025 तक उसका टोटल गोल्ड रिजर्व 879.58 टन तक पहुंच गया है। 31 मार्च 2024 के मुकाबले उसके टोटल गोल्ड रिजर्व में 57.58 टन की बढ़ोतरी हुई है।

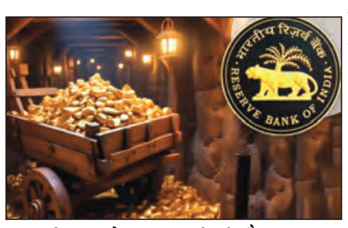

वहीं इस गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 57 प्रतिशत तक बढ़ी है। आरबीआई का कहना है कि सोने की ऊंची कीमतों, रुपये की वैल्यू में गिरावट और केंद्रीय बैंक द्वारा हाल में खरीदे गए नए सोने की वजह से उसके गोल्ड रिजर्व की वैल्यू बढ़ी है। ये अब 4.31 लाख करोड़ रुपये के बराबर है।आरबीआई के पास मौजूद टोटल गोल्ड रिजर्व में से 311.38 टन सोना नोट और बॉड जारी करने वाले डिपार्टमेंट के एसेट की तरह रखा गया है। जबकि बाकी 568.20 टन सोना बैंकिंग डिपार्टमेंट के एसेट की तरह काउंट होगा। पिछले साल इनकी मात्रा क्रमशः 308.03 टन और 514.07 टन थी।आरबीआई के गोल्ड रिजर्व की वैल्यू इतनी है कि इसमें पाकिस्तानी सेना का बजट लगभग 2 बार समा सकता है। हाल में पाकिस्तानी सेना के बजट का जो आंकड़ा आया है, वह करीब 2.3 लाख करोड़ रुपये के बराबर है। ऐसे में अगर भारत चाहे तो आरबीआई के सिर्फ गोल्ड बजट के दम पर पूरी पाकिस्तानी सेना और उसके सामान को खरीद सकता है। वैसे हाल में केंद्रीय बैंक आरबीआई ने सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया है। अगर इतनी रकम सरकार को नहीं दी जाती तो इसमें भी पाकिस्तान की सेना का एक साल का पूरा बजट समा जाता।भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में रिश्ते काफी तल्ख हुए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' छेड़ा था। इस ऑपरेशन ने भारत की सैन्य ताकत को पूरी दुनिया के सामने रखने का काम किया।

क्या बंद होगा 500 रुपए का नोट?

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने की अपील

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने एक बार फिर 500 रुपए के बड़े मूल्यवर्ग के नोटों को बंद करने की मांग उठाई है। वाईएसआर कडप्पा जिले में टीडीपी के महानाडु कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटल करेंसी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी से की अपील

नायडू ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी पर रिपोर्ट सौंपते हुए यही सुझाव दिया था कि बड़े नोटों की छपाई बंद कर दी जाए। उन्होंने कहा, जब तक बड़े नोट चलन में हैं, नकद लेनदेन में भ्रष्टाचार की गुंजाइश बनी रहेगी। डिजिटल भुगतान से हर ट्रांजैक्शन ट्रेस किया जा सकता है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर में अब डिजिटल करेंसी का चलन बढ़ रहा है और भारत को भी इसी दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। चंद्रबाबू नायडू ने डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने

के लिए पार्टी फंडिंग का उदाहरण दिया, जहां अब कार्यकर्ता क्यूआर कोड के जरिए चंदा जमा कर सकते हैं। इससे नकदी के इस्तेमाल की जरूरत खत्म हो जाती है।

500 रुपए का नोट बंद करने की क्यों जरूरत?

नायडू ने कहा, अब समय आ गया है कि हम 500 रुपए जैसे बड़े नोटों को समाप्त करें और पूरी तरह डिजिटल भुगतान की ओर बढ़ें। इससे न केवल राजनीतिक प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी साफ और सुरक्षित होगी। सभा के अंत में उन्होंने उपस्थित लोगों से इस विचार का समर्थन करने की अपील की और बड़े नोटों को हटाने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने को कहा।इस प्रस्ताव को जहां तकनीक समर्थक और पारदर्शिता के पक्षधर लोग सराह रहे हैं, वहीं कई विशेषज्ञ ग्रामीण इलाकों में डिजिटल साक्षरता और आधारभूत ढांचे की चुनौतियों की ओर भी इशारा कर रहे हैं।

इस फाइटर के लिए अमेरिका ने फूंक दिए पाकिस्तान की जीडीपी से छह गुना ज्यादा पैसे, मस्क ने बताया 'कूड़ा'

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने के प्रोग्राम को मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि इसकी कुल लागत 7.2 अरब डॉलर यानी करीब 60,000 करोड़ रुपये हो सकती है। अमेरिका, रूस और चीन पहले ही पांचवीं पीढ़ी के फाइटर बना चुके हैं। इनमें अमेरिका का एफ-22 रैप्टर और एफ-35, चीन का जे-20 और रूस का एफ-57 शामिल है। जानिए इन्हें विकसित करने में कितना खर्च आया था।एफ-22 रैप्टर को दुनिया का सबसे महंगा फाइटर जेट माना जाता है। इसकी कीमत करीब 143 मिलियन डॉलर है। इसे अमेरिका की कंपनी लॉकहीड मार्टिन और बोइंग ने विकसित किया है। इसे विकसित करने की शुरुआत 1991 में हुई थी और 2005 में इसे पहली बार अमेरिका की एयरफोर्स में कमीशन किया गया। इस प्रोग्राम की अनुमानित लागत 74 अरब डॉलर है।एफ-35 को दुनिया के इतिहास का सबसे महंगा वेपन सिस्टम माना जाता है। इसके कई वेरिएंट हैं। एफ-35 लाइटनिंग II की कीमत करीब 109 मिलियन डॉलर है।

रेलवे स्टेशन और ट्रेन में पानी की बोतल बेचकर आईआरसीटीसी ने कर ली जबरदस्त कमाई, मुनाफे के बावजूद शेयर को क्या हुआ?

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम ने रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में रेल नीर नामक पानी की बोतल बेचकर जबरदस्त कमाई की है। दरअसल, आईआरसीटीसी ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में कंपनी को काफी मुनाफा हुआ है। हालांकि आज गुरुवार को कंपनी के शेयर में वो तेजी नहीं आई। आईआरसीटीसी का इस साल का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले 26% बढ़ा है। इस तिमाही में आईआरसीटीसी को 358 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 284 करोड़ रुपये था। कंपनी की कमाई भी बढ़ी है। इस तिमाही में कंपनी ने 1,269 करोड़ रुपये कमाए हैं। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,152 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी की कमाई में 10% की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने का भी फैसला किया है। 1. कैटरिंगः इस तिमाही में खानपान से कंपनी को 529 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 555 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में यह 531 करोड़ रुपये था। 2. रेल नीरः इस तिमाही में रेल नीर से कंपनी को 96 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पिछली तिमाही में भी यह आंकड़ा 96 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में यह 83 करोड़ रुपये था। 3. इंटरनेट टिकटिंगः इस तिमाही में इंटरनेट टिकटिंग से कंपनी को 372 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 354 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में यह 342 करोड़ रुपये था। 4. पर्यटनः इस तिमाही में पर्यटन से कंपनी को 274 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 224 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में यह 199 करोड़ रुपये था।

कोयला घोटाला केस, रानू-सौम्या-विश्नोई-सूर्यकांत को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

गवाहों को प्रभावित न करें, इसलिए छत्तीसगढ़ में रहने पर पाबंदी, ईओडब्ल्यू मामले में जेल में ही रहेंगे

रायपुर, 29 मई (एजेंसियां)। कोयला लेवी घोटाले में आरोपी रानू साहू, सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई और सूर्यकांत तिवारी को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने जमानत कड़ी शर्तों के साथ दी है। बताया जा रहा है कि, गवाहों को प्रभावित करने की आशंका के चलते कोर्ट ने जमानत के बाद छत्तीसगढ़ में रहने पर पाबंदी लगाई है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकार दत्ता की डबल बेंच ने इस जमानत याचिका पर सुनवाई की है। हालांकि आरोपी जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। उन्हें ईओडब्ल्यू में दर्ज दूसरे मामलों की वजह से जेल में ही रहना होगा।

सूर्यकांत तिवारी, रानू साहू, समीर विश्नोई और सौम्या चौरसिया के मामले में, यह निर्देश कि वे अगले आदेश तक छत्तीसगढ़ राज्य में नहीं रहेंगे, वे आवश्यकतानुसार जांच एजेंसी या ट्रायल कोर्ट के समक्ष उपस्थित रहेंगे।

ये भी निर्देश है कि वे अपनी रिहाई के 1 सप्ताह के भीतर राज्य के बाहर अपने रहने के पते पेश करें। उन्हें अपने रहने के स्थान की जानकारी भी अधिकार क्षेत्र के थाने में देना होगा।

कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निर्देशित किया है कि वे अंतरिम जमानत पर रिहा होने के तुरंत बाद अपने पासपोर्ट विशेष अदालतों में जमा करें, वे जांच में शामिल होंगे और पूरा सहयोग करेंगे।

ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयले में घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई है। छत्तीसगढ़ में अवैध कोल लेवी वसूली का मामला ईडी की रेड में सामने आया था। दावा है कि, कोल परिवहन में कोल व्यापारियों से वसूली करने के लिए ऑनलाइन मिलने वाले परमिट को ऑफलाइन कर दिया गया था। खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर विश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को इसके लिए आदेश जारी किया था।

सूर्यकांत तिवारी है मास्टरमाइंड

इसके लिए सिंडिकेट बनाकर वसूली की जाती थी। पूरे मामले का मास्टरमाइंड किंगपिन कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी को माना गया। जो व्यापारी 25 रुपए प्रति टन के हिसाब से अवैध रकम सूर्यकांत के कर्मचारियों के पास जमा करता था। उसे ही खनिज विभाग पीट पास और परिवहन पास जारी करता था।

इस तरह से स्कैम कर कुल 570 करोड़ रुपए की वसूली की गई। ईडी की रेड में पहले आईएएस समीर बिश्नोई फिर कोल कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को गिरफ्तार किया गया।

निलंबित आईएएस रानू साहू और समीर बिश्नोई, पूर्व मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, संदीप नायक लक्ष्मीकांत, शिव शंकर नाग, मोइनुद्दीन कुरैशी, रोशन सिंह, निखिल चंद्राकर, परेश कुर्रे, राहुल कुमार, वीरेंद्र जायसवाल, हेमंत जायसवाल और चंद्र प्रकाश जायसवाल जेल में बंद हैं।

छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले मामले में ईडी की रिपोर्ट पर एसीबी/ईओडब्ल्यू ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 36 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। जिस पर अब एसीबी की टीम जांच तेज कर दी है।

बारातियों से भरी गाड़ी बेकाबू होकर पलटी, 2 की मौत

17 लोग घायल, 9 की हालत गंभीर, महुआडांड़ के ओरसापाट घाटी में हुआ हादसा

लातेहार, 29 मई (एजेंसियां)। लातेहार जिले में बुधवार की देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ओरसापाट घाटी में बारात से लौट रही सवारी गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई।

हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार बेलवार गांव से बारात ओरसा गई थी। शादी समारोह के बाद सभी बाराती एक सवारी गाड़ी से वापस लौट रहे थे। रास्ते में ओरसापाट घाटी में गाड़ी पलट गई। इस हादसे में बेलवार गांव के हेलारूस बेग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल सुनील नगेसिया ने महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कुल 17 लोग घायल हुए हैं।

अब नहीं बचेंगे नक्सली और उनके मददगार

बसवराजू का लैपटॉप-मोबाइल और टैबलेट उगलेगा राज, डिकोड करने में जुटी एजेंसियां

रायपुर, 29 मई (एजेंसियां)। अबूझमाड़ में 21 मई को हुई मुठभेड़ में देश का सबसे बड़ा नक्सली और नक्सलियों का सुप्रीम लीडर बासवराजू मारा गया था। मुठभेड़ के बाद डीआरजी के जवानों को उसके पास से लैपटॉप, टैबलेट और कुछ डायरी बरामद हुई हैं, जिनसे नक्सलियों के बस्तर से लेकर देश-दुनिया में छिपे मददगारों के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है।

अंतर्राष्ट्रीय मददगारों के नाम आ सकते हैं सामने

पुलिस इस बरामदगी से उत्साहित है और नक्सलियों के अंतरराष्ट्रीय मददगारों के नाम सामने आने की उम्मीद कर रही है। बासवराजू के लैपटॉप और टैबलेट से कई गहरे राज सामने आने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि इन उपकरणों में नक्सलियों के बस्तर से लेकर देश-दुनिया में फैले मददगारों के बारे में जानकारी मिल सकती है।

इससे पहले भी कई मुठभेड़ों के बाद नक्सल लीडर्स के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कई अहम खुलासे और उसके बाद गिरफ्तारियां हुई हैं। पहले भी नक्सलियों के नेपाल से लेकर फिलिपिंन्स तक के रिश्ते सामने आ चुके हैं। इस बार पुलिस को देश में नक्सलवाद को पालने वालों की पूरी कुंडली मिलने के आसार हैं। पुलिस का अनुमान है कि इस बार नेपाल के पशुपतिनाथ से तिरुपति तक के रेड कॉरिडोर में बैठे लोगों के बारे में भी जानकारी मिल सकती है।

बसवराजू देश में नक्सलियों का सुप्रीम लीडर था और पूरे संगठन को चला रहा था। बासवराजू के माध्यम से ही लेवी वसूली, हथियार खरीदी और अन्य काम किए जाते थे। यह काम शहरी नेटवर्क के बिना संभव नहीं था। लैपटॉप और टैबलेट में इससे जुड़ी जानकारियां होने की प्रबल संभावना है।

जुलाई 2019 में बस्तर के तिरिया में हुई मुठभेड़ में नक्सल लीडर आरके मारा गया था। उसके पास से एक तेलुगु में लिखित डायरी बरामद हुई थी। एनआईए ने इसे डिकोड करते हुए कई खुलासे किए थे। नक्सलियों के आंध्र और तेलंगाना में काम कर रहे शहरी नेटवर्क को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे लोगों की गिरफ्तारियां हुईं थी जो नक्सलियों के लिए सप्लाई में अहम किरदार थे।

पत्नी की क्रूरता साबित नहीं, तलाक की अर्जी खारिज

पति बोला- घरजमाई बनकर साथ नहीं रहना, पत्नी का जवाब-शादी के बाद से करता था दुर्व्यवहार

बिलासपुर, 29 मई (एजेंसियां)। तलाक के एक मामले में पति ने अपनी पत्नी पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता का आरोप लगाया। जिसे फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया। जिस पर रेलकर्मी पति ने हाईकोर्ट में अपील की है। हाईकोर्ट ने भी आरोप साबित नहीं होने पर फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए पति की अपील को खारिज कर दी है।

दरअसल, इस केस में पति ने कहा था कि उसकी पत्नी उसे घरजमाई बनाकर रखना चाहती है, जो उसे मंजूर नहीं है। वहीं, पत्नी ने जवाब में कहा कि उसका पति शादी के बाद से ही उसके साथ दुर्व्यवहार कर रहा था। पूरा मामला राजनांदगांव जिले का है।

दरअसल, राजनांदगांव निवासी युवक रेलवे में ट्रैकमेन है। उसकी शादी 14 जुलाई 2017 को राजनांदगांव जिले की युवती से हुई थी। रेलकर्मी पति का आरोप है कि, उसकी पत्नी उसे मायके में घरजमाई बनकर रहने को कहती थी। मना करने पर वो झगड़ा करती थी। वह बार-बार आत्महत्या करने की धमकी देती थी। वो मिट्टी तेल डालकर आग लगाने, जहर खाने और फांसी लगाने की कोशिश भी कर चुकी है। इसके साथ ही झूठे सुसाइड नोट लिखती थी और दहेज मांगने के नाम पर झूठे केस में फंसाने परेशान करती थी। घरेलू हिंसा के झूठा केस दर्ज कराने की धमकी देती थी। जिस पर उसने 17 नवंबर 2020 को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आई-डी) के तहत तलाक की मांग करते हुए फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया था।

वहीं, पत्नी ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया। जवाब में उसने कहा कि, शादी के एक हफ्ते बाद से पति और उसके परिवार वाले ताने मारते थे। गरीब कहकर अपमान करते थे। दहेज की मांग करते थे। मारपीट करते थे। पति शराब पीता था और अप्राकृतिक संबंध बनाने को मजबूर करता था। इसी कारण पहले बच्चे की मौत हुई।

पति ने उसे बच्चा पैदा करने लायक नहीं बताया और मायके भेज दिया। माता-पिता की पहल पर सामाजिक बैठक हुई। पति ने गलती मानी और उसे वापस घर ले गया। लेकिन व्यवहार नहीं बदला। गर्भावस्था में भी अमानवीय व्यवहार किया, जिससे बच्चा 10 दिन में मर गया। फिर उसे घर से निकाल दिया गया।

चलती बस से निकला धुआं, यात्रियों में मची अफरातफरी

ड्राइवर की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित, धनबाद से बस जा रही थी दुमका

जामताड़ा, 29 मई (एजेंसियां)। जामताड़ा में गुरुवार दोपहर धनबाद से दुमका जा रही चांदनी बस में अचानक धुआं निकलने लगा। पालबागान के पास हुई इस घटना से बस में सवार यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई। वहीं, ड्राइवर रंजीत मल्लिक की सतर्कता से सभी यात्री सुरक्षित बच गए। रंजीत ने बताया कि बस की गति अचानक कम हो गई और पीछे के हिस्से से तेज धुआं निकलने लगा। एक्सेलेटर ने काम करना बंद कर दिया। बस स्टाफ ने फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही बाल्टी से पानी डालकर धुएं को काबू किया। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या इंजन में खराबी को धुएं का कारण माना जा रहा है।

अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा, मुंगेर के 4 कारीगर समेत 5 गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान हथियार बना रहे थे लोग

धनबाद, 29 मई (एजेंसियां)। झारखंड व पश्चिम बंगाल एटीएस ने महुदा थाना क्षेत्र की सिंगड़ा बस्ती में बुधवार को अवैध मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। फैक्ट्री के संचालक मुशीर अंसारी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। एटीएस ने मौके से हथियार बनाने में जुटे चार कारीगरों को भी गिरफ्तार किया गया है। बुधवार की शाम करीब 4 बजे से शुरू हुई छापेमारी देर रात चक चली। इस छापेमारी में भारी मात्रा में हथियार बनाने के सामान बरामद हुए हैं। कई अर्धनिर्मित हथियार और पाट्र्स भी मिले हैं।

बताया जाता है कि अवैध हथियार के धंधे में लगे कुछ लोगों को पश्चिम बंगाल एटीएस ने पिछले दिनों गिरफ्तार किया था, जिसमें मुशीर का एक साथी भी शामिल था। उससे पूछताछ में महुदा में फैक्ट्री चलने की सटीक

जानकारी मिलने पर बंगाल एटीएस ने झारखंड एटीएस से संपर्क साधा। इसके बाद दोनों टीमों में स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की।

आरोपी ने अपने घर के पीछे एक बड़ा हॉल बना रखा था। इसी हॉल में अवैध हथियार बनाने का काम किया जाता था। पाट्र्स और हथियारों को रात के अंधेरे में वाहन से लाया और ले जाया जाता था। महुदा थाना क्षेत्र की सिंगड़ा बस्ती में जब एटीएस ने छापेमारी की तब कारीगर पिस्तौल बनाने में मशगूल थे। अभी वे लोग कुछ समझ पाते कि तब तक सबो को पुलिस ने दबोच लिया। किसी को हिलने तक का मौका नहीं मिला। सभी कारीगर काम मे पूरी तरह से मगन थे। पुलिस के समक्ष ही चारों ने एक घंटे में चार पिस्तौल बनाकर तैयार किया। यह देख पुलिस दंग रह गई। इस इलाके में यह धंधा पिछले कई महीनों से चल रहा था। जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को नहींथी यह ताज्जुब वाली बात है। कार्रवाई से पहले पुलिस ने ग्रामीणों को घर के अंदर भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि भारी संख्या में पुलिस गांव में पहुंची। गाड़ी से उतरते ही पुलिस ने बाहर खड़े ग्रामीणों को अपने अपने घर जाने के लिए कहा। अनहोनी के मद्देनजर ग्रामीण अपने अपने घरों में चले गए। पुलिस ने मुशीर के घर के आसपास के लोगों के घरों की कुंडियां बाहर से लगा दी।

इससे ग्रामीण और खौफजदा हो गए। कुछ देर बाद जब मुशीर और उसकी पत्नी को पुलिस ने पकड़ लिया उसके बाद घरों की कुंडियां खोल दिया।

शादी में आए यूपी के इंजीनियर की मिली लाश

गढ़वा, 29 मई (एजेंसियां)। गढ़वा में गुरुवार की सुबह बारात में आए यूपी के एक इंजीनियर की लाश कुएं से मिली है। वह अपने दोस्तों के साथ ओबरा (यूपी) से सीधे गढ़वा आए थे। घटना बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर स्थित मर्चवार गांव की है।

मृतक की पहचान सोनभद्र जिले के ओबरा में बिजली विभाग में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत विकास विश्वकर्मा (32) के रूप में की गई। वो अंबिकापुर, गांधीनगर निवासी रामाशीष विश्वकर्मा के बेटे थे।

विकास अपने भाई के दोस्त की बारात आए थे। वो डंडई प्रखंड के महूडंड गांव के कैलाश ठाकुर के पुत्र राकेश कुमार ठाकुर के सिंहपुर मर्चवार गांव में प्रमोद ठाकुर के यहां हो रही शादी में गए थे। ग्रामीणों के अनुसार, विकास विश्वकर्मा अपने दोस्तों के साथ बारात में डांस कर रहे थे। इसी क्रम में वह मध्य रात्रि में अचानक गायब हो गए। इसके बारे में विकास के परिजनों को सूचना दी गई। इस घटना के बारे में बंशीधर नगर पुलिस को भी जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह विकास का शव नाथ भोग आटा मिल के बगल के कुआं में उपलाता देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

घटना की सूचना पाकर प्रशासन मौके स्थल पर पहुंच कर विकास का शव कुएं से बाहर निकलवाया और मामले की जानकारी ली। मौके पर बंशीधर नगर डीएसपी सत्येंद्र कुमार घटनास्थल पहुंच कर मामले की जानकारी लिया।

अनियंत्रित होकर पलटी तेज रफ्तार बस

40 से ज्यादा यात्री थे सवार, बड़ा हादसा टला

बालोद, 29 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक बड़ी सड़क दुर्घटना होते-होते टल गई। दल्लीराजहरा-डौंडीलोहारा मुख्य मार्ग पर शिकारीटोला गांव के पास यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर अचानक पलट गई। यह बस बस्तर ट्रैवल्स की थी, जो नारायणपुर से रायपुर जा रही थी और राजनांदगांव होते हुए दल्लीराजहरा मार्ग से गुजर रही थी। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे, जिससे घटना के समय अफरा-तफरी मच गई।

गनीमत रही कि इस हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। पांच यात्रियों को सामान्य चोटें आई हैं, जिन्हें पास के स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

अनुमान लगाया जा रहा है कि तेज गति और सड़क की स्थिति के चलते चालक बस से नियंत्रण खो बैठा जिस कारण से यह हादसा हुआ।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि बस हादसे की जानकारी के बाद रेस्क्यू को भेजा गया है। हालांकि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

बता दें कि बालोद से सड़क दुर्घटना की खबर अक्सर सामने आती रहती है। मार्च के महीने में बालोद से एक मोटरसाइकिल और ट्रक के टकराने की घटना सामने आई थी, जिसमें एक नाबालिग समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया था कि यह दुर्घटना 16 मार्च की रात को पीड़ितों के पैतृक गांव मनकी के पास अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई, जब वे सैर के बाद घर लौट रहे थे।

झारखंड में तीन दिन बारिश और वज्रपात का अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर, यलो अलर्ट जारी

रांची, 29 मई (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर झारखंड में दिखने लगा है। बुधवार की दोपहर राज्य के कई हिस्सों में अचानक बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत तो मिली लेकिन जनजीवन थोड़ा प्रभावित भी हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार यह सिस्टम अब साइक्लोनिक सर्कुलेशन में बदल चुका है और धीरे-धीरे झारखंड की ओर आगे बढ़ रहा है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि गुरुवार से इस सिस्टम का असर और तेज हो सकता है। अगले तीन दिनों तक पूरे राज्य में तेज हवा, गरज-चमक और वज्रपात के साथ बारिश होने की संभावना है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए पूरे राज्य में यलो अलर्ट जारी किया गया है। खासकर उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी है कि यह स्थिति 31 मई तक बनी रह सकती है। वहीं 1 जून को उत्तर-पश्चिम झारखंड को छोड़कर शेष भागों में फिर से गरज के साथ बारिश की संभावना है। बाकी क्षेत्रों में बादल छाए रहेंगे। बुधवार को चाईबासा में सबसे ज्यादा 15 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि राजधानी रांची में 5 से 7 मिमी बारिश हुई। बारिश के कारण कई इलाकों में जलजमाव भी हो गया।

बुधवार की रात राज्य के संथाल परगना, गुमला, रामगढ़, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों में मध्यम से भारी बारिश हुई। इन इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। कई ग्रामीण इलाकों में बिजली के खंभे गिरने और ट्रांसफॉर्मर जलने की भी खबरें हैं।

राज्य में बुधवार को सबसे ज्यादा तापमान गोड्डा में दर्ज किया गया, जहां पारा 36.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5 डिग्री कम है। लगातार बादल छाए रहने और बारिश की वजह से राज्य भर में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा है कि अगले तीन दिनों तक कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश और वज्रपात की स्थिति बन सकती है।

पत्नी की डिग्री से पति बना फार्मा कंपनी में एरिया मैनेजर

तलाक और दूसरे शादी करके बुरा फंसा, खुली पोल

बिलासपुर, 29 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक आदमी ने फर्जी डिग्री बनाकर फार्मा कंपनी में अच्छी खासी नौकरी हासिल कर ली। उसने अपनी पत्नी की मार्कशीट का इस्तेमाल करके ये कारनामा किया। इस डिग्री के दम पर कई पदों पर काम भी किया और फिर वह कंपनी में एरिया मैनेजर बन गया। इतना सब होने के बाद न तो कंपनियों को पता चला और न किसी और को। राज भी तब खुला जब उसने पत्नी के साथ ही दगा कर दी।

तो हुआ यूं कि निजी कारणों के चलते पति-पत्नी का तलाक हो गया। पति ने बिना रुके दूसरी शादी भी कर ली। तब पहली पत्नी ने मन बनाया कि उसका राज सबको पता चले। इसलिए उसने फर्जीवाड़े का खुलासा किया। फिर क्या था महिला बिना देर किए सीधा पुलिस

के पास पहुंच गई। युवक की पत्नी ने पुलिस को सब कुछ बताना शुरू कर दिया। उसने कहा कि मेरे पति ने मेरी मार्कशीट को स्कैन किया और नौकरी पाई है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। सरकंडा के राजकिशोर नगर की रहने वाली शालिनी कलशा ने बी फार्मा किया है। उसकी शादी संकल्प तिवारी से हुई थी। शादी के कुछ सालों बाद ही उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद संकल्प तिवारी ने उसे तलाक दे दिया। संकल्प तिवारी ने दूसरी शादी भी कर ली है। वह एस्ट्रा जेनेका फार्मा कंपनी में नौकरी कर रहा है। शालिनी ने सिविल लाइन थाने में पुलिस को सब कुछ बता दिया। संकल्प ने उसकी डिग्री को स्कैन करके अपने नाम पर बना लिया है। इसी डिग्री के सहारे वह फार्मा कंपनी में एरिया मैनेजर बन गया है। महिला की शिकायत सुनकर पुलिस प्रशासन भी हैरान है।

रेलवे के डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने नर्स से रेप किया

बिलासपुर, 29 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में स्टेशन के मेडिकल यूनिट में पोस्टेड प्राइवेट हॉस्पिटल की नर्स के साथ डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट ने रेप किया है। आरोप है कि, उसने अपने घर में पार्टी के बहाने बुलाया, फिर अकेली पाकर दुष्कर्म किया। नर्स 10 दिनों तक डरी-सहमी रही। परिजन के साथ पुलिस में शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, 26 साल की युवती प्राइवेट हॉस्पिटल में नर्स है। उसने पुलिस को बताया कि, संबंधित अस्पताल और रेलवे संयुक्त रूप से स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल यूनिट चलाते हैं। इसकी पूरी मॉनिटरिंग डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट फिरतू राम पटेल करता था।

नशीली दवाओं का भंडार पकड़ा

328 बोतल कफ सिरप, 2159 कैप्सूल और 160 टैबलेट बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

गुमला, 29 मई (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली दवाओं के भंडार का पर्दाफाश किया है। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम अटरिया में दो अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गईं।

एसपी को मिली सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने सबसे पहले मुबारक खान के घर पर छापेमारी की। यहां से 120 बोतल ओनरेक्स कफ सिरप, 864 विनस्पास्मो फोर्टे कैप्सूल और 60 नाइट्रोसन-10 टैबलेट बरामद किए गए। मुबारक के पास इन दवाओं से संबंधित कोई वैध कागजात नहीं मिले।

इसके बाद टीम ने दूसरे आरोपी इम्तियाज खान के घर छापेमारी की। उसके घर के शौचालय के ऊपर से 208 बोतल ओनरेक्स कफ सिरप, 1295 विनस्पास्मो फोर्टे कैप्सूल और 100 नाइट्रोसन-10 टैबलेट बरामद हुए। छापेमारी के दौरान इम्तियाज घर पर मौजूद नहीं था।

पुलिस ने मुबारक खान को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि मुबारक का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है।

दोनों आरोपी अपने घरों में नशीली दवाओं का भंडारण कर इनकी खरीद-बिक्री कर रहे थे।

नक्सली हिड़मा एके-47 के साथ पकड़ा गया

जगदलपुर, 29 मई (एजेंसियां)। ओडिशा में कोरापुट पुलिस ने एके-47 हथियार के साथ नक्सली कुंजाम हिड़मा को गिरफ्तार किया है। यह एसीएम कैडर का नक्सली है। जिस पर करीब 5 लाख रुपए का इनाम घोषित है। ओडिशा पुलिस ने हिड़मा के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामान भी बरामद किया है।

दरअसल, ओडिशा पुलिस ने छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के ट्राई जंक्शन में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन लॉन्च किया था। पुलिस जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान एक युवक ने पुलिस को देख भागने की कोशिश की।

वो जंगल में जाकर छिप गया था। जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। उसके पास से एके-47 समेत अन्य विस्फोटक सामान मिला। पुलिस ने उसकी पहचान कुंजाम माड़वी हिड़मा उर्फ मोहन के रूप में की है। जो कि सीजी के बीजापुर जिले का रहने वाला है। कई सालों से नक्सल संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहा था। ओडिशा और छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर हुई कई वारदातों में शामिल था। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। जिसमें कई खुलासे होने की संभावना है। इधर, सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ी की नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी मेंबर और खूंखार माओवादी माड़वी हिड़मा पकड़ा गया है।

हिड़मा पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित है। हालांकि, बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इस अफवाह को गलत बताया।

इजरायल ने एयर डिफेंस में रचा इतिहास

आयरन बीम लेजर वेपन से रोके हवाई हमले, हमास-हूतियों की बढ़ेगी मुश्किल

तेल अवीव, 29 मई (एजेंसियां)। इजरायल की अक्टूबर, 2023 के बाद से हमास से लड़ाई जारी है। हमास ने गाजा से इजरायल पर हवाई हमले किए हैं। लेबनानी गुट हिजबुल्लाह से भी इजरायल का टकराव रहा है। हिजबुल्लाह ने बीते साल के आखिर में इजरायल पर हमले किए थे। वहीं यमन के हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा इजरायल पर बना रहता है। ईरान और इजरायल के एक-दूसरे पर मिसाइल हमले भी दुनिया देख चुकी है। साफ है कि इजरायल का कई मोर्चों पर लगातार संघर्ष रहा है लेकिन कई दुश्मनों से घिरे होने के बावजूद वह अपनी रक्षा करता रहा है। इसकी वजह उसका मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम है। अपने शानदार एयर डिफेंस के लिए पहचान रखने वाले इजरायल ने एक और शानदार रक्षा प्रणाली का खुलासा किया है। इसकी जानकारी खुद इजरायल डिफेंस फोर्स यानी आईडीएफ ने किया है।

आईडीएफ बताया है कि उसे आयरन बीम जैसा एक और लेजर डिफेंस सिस्टम मिला है। इस लेजर सिस्टम से हवाई युद्ध के दौरान इजरायल ने दर्जनों हवाई खतरों को रोकने में कामयाबी हासिल की है। आईडीएफ का कहना है कि लेजर रक्षा तकनीक के क्षेत्र में इजरायल के लिए ये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बुधवार को इजराली सेन को मिली ये सफलता भविष्य में इजरायल के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। खासतौर से हूती और हमास जैसे गुटों से निपटने में इजरायल को इससे मदद मिलेगी।

यरुश्लम पोस्ट की रिपोर्ट कहती है कि लेजर सिस्टम की कुछ क्षमताएं इसे बाकी एयर डिफेंस से अलग करती हैं। ये सिस्टम खराब मौसम में विश्वसनीयता के साथ काम करते हुए अलग-अलग तरह के हवाई खतरों का सामना कर सकता है। खराब मौसम में हवाई खतरे का सामना करने की खासियत इसे भविष्य में हवाई रक्षा के महत्वपूर्ण हथियार के तौर पर पेश करती है। इजरायली रक्षा मंत्रालय का कहना है कि राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने आयरन बीम और लेजर रक्षा प्रणाली दुनिया का ये उन्नत लेजर सिस्टम बनाया है।

इजरायल का ये सिस्टम अमेरिका और दूसरे विकसित देशों के उन्नत लेजर सिस्टम को टक्कर देता है। आयरन बीम को जो चीज खास बनाती है, उसमें हर मौसम में काम करने के अलावा इसकी रेंज को बदलने की क्षमता है। इजरायली मीडिया ने कहा है कि आयरन बीम की सिस्टर-लेजर प्रणाली के नाम का खुलासा आईडीएफ ने नहीं किया है। बीते साल अक्टूबर में ही राफेल ने एयूएसए रक्षा प्रदर्शनी में अपनी लेट स्ट रक्षा क्षमताओं पर काम करने का खुलासा किया था। कंपनी ने तब ट्रॉफी मल्टीटास्किंग रक्षा प्लेटफॉर्म में इंटीग्रेट एक नई लाइट बीम लेजर-आधारित इंटरसेप्शन प्रणाली की जानकारी दी थी।

इजरायल ने लाइट बीम के क्षेत्र में अहम सफलता पाई है। ये आयरन बीम इजरायल के एयर डिफेंस की क्षमता को कई गुना बेहतर करने में मददगार हो सकता है। खासतौर से कम से कम कम दूरी की हवाई रक्षा के लिए ये एक शानदार हथियार है। रक्षा सूत्रों ने यरुशलम पोस्ट को बताया कि लाइट लेजर बीम की ऑपरेशनल क्षमता साबित हो चुकी है। हालांकि इजरायली सेना यह खुलासा नहीं किया उसने गाजा या लेबनान में, कहां इसकी क्षमताओं को टेस्ट किया है।

रक्षा एक्सपर्ट मान रहे हैं कि लाइट बीम ड्रोन मोर्टार के खिलाफ प्रभावी होगा लेकिन रॉकेट या लंबी दूरी की मिसाइलों को नहीं रोक सकेगा।

इलॉन मस्क ने छोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प का साथ

डीओजीई से दिया इस्तीफा, लिखा- मेरा टाइम पूरा हुआ, राष्ट्रपति के पसंदीदा बिल से हैं नाराज

वॉशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया X पर यह जानकारी दी।

मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एम्पलॉयी के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था।

जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद डीओजीई प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था।

ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' के खिलाफ थे मस्क

मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्रम्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है।

'बिग ब्यूटीफुल बिल' के 5 पॉइंट्स, जिससे मस्क नाराज

इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में 2017 में की गई कटौती को स्थायी बनाना, टैक्स कटौती को बढ़ाने का भी प्रस्ताव।

ओवरटाइम, और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर टैक्स कटौती का प्रस्ताव। व्हाइट हाउस का कहना है कि सालाना 30 से 80 हजार डॉलर की कमाई वालों को अगले साल 15% कम टैक्स देना होगा। अवैध इमिग्रेशन रोकने के लिए बॉर्डर सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च करना।

डेब्ट सीलिंग यानी सरकार कितना कर्ज ले सकती है, उसकी सीमा बढ़ाना। ये सीमा समय-समय पर बढ़ानी पड़ती है ताकि सरकार अपने बिल और खर्चे चुका सके।

मस्क ने डीओजीई छोड़ने से एक दिन पहले अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस को दिए इंटरव्यू में कहा - राजनीति में जितना करना था कर लिया। अब चंदा नहीं दूंगा। वॉशिंगटन पोस्ट को दिए इंटरव्यू में मस्क ने कहा था- फेडरल ब्यूरोक्रेसी की हालत जितनी सोची थी, उससे कहीं ज्यादा खराब है।

ये दोनों बयान संकेत है कि मस्क राजनीति से दूरी बनाएंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क अब सरकारी भूमिका से हटकर फिर से टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी अपनी कंपनियों पर ध्यान देने जा रहे हैं।

अब डीओजीई का क्या होगा, 4 पाइंट

असर कम होगा: मस्क के जाने से डीओजीई का असर और काम करने की स्पीड कम हो सकती है। हालांकि इसकी अलग-अलग विभागों में डीओजीई टीमें काम करती रहेंगी।

कानूनी चुनौतियां: डीओजीई पहले से ही पारदर्शिता और डेटा गोपनीयता को लेकर मुकदमों का सामना कर रहा है, मस्क के जाने से मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

नया लीडर खोजना: मस्क की जगह मजबूत नेता नहीं आया, तो 1 ट्रिलियन डॉलर की बचत का टारगेट मुश्किल हो सकता है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पद कैबिनेट सचिव के पास जा सकता है।

कनाडा के मैनिटोबा के जंगल में भीषण आग

17 हजार से ज्यादा लोगों को शहर से निकाला जा रहा

ओटावा, 29 मई (एजेंसियां)। कनाडा के वेस्टर्न मैनिटोबा के जंगलों में भीषण आग लगने के कारण 17,000 से अधिक लोगों को शहर से निकाला जा रहा है।

मैनिटोबा के प्रीमियर वाब किन्यू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "मैनिटोबा सरकार ने जंगल की आग की स्थिति के कारण पूरे इलाके में इमरजेंसी घोषित किया है। यह कनाडा की अब तक की सबसे बड़ी निकासी है।

किन्यू ने बताया कि आग की लपटें 121 फीट से अधिक ऊंची है, सुरक्षाकर्मियों के लिए आग के पास जाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से कनाडाई सेना को निकासी और आग बुझाने में मदद के लिए भेजने का अनुरोध किया है।

सैन्य हवाई जहाज जल्द ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएंगे। ज्यादातर निकाले गए लोगों को मैनिटोबा की राजधानी विनिपेग ले जाया जाएगा। वर्तमान में कनाडा में 134 एक्टिव आग हैं, जिनमें ब्रिटिश कोलंबिया, अल्बर्टा, सास्काचेवान, मैनिटोबा और ओंटारियो शामिल हैं। इनमें से आधे नियंत्रण से बाहर हैं। मई की शुरुआत में, विनिपेग में एक बड़ी जंगल की आग में फंसने के बाद दो निवासियों की मौत हो गई थी।

अमेरिका बड़े पैमाने पर चीनी छात्रों का वीजा रद्द करेगा

कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े होने का शक, विदेश मंत्री बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

वॉशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने चीनी छात्रों के वीजा को बड़े पैमाने पर रद्द करने की घोषणा की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करेगा।

रुबियो ने बताया कि ऐसे चीनी छात्रों का वीजा रद्द किया जाएगा, जिनका चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से संबंध है या जो टेक्निकल फिल्ड में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम भविष्य में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त करेंगे।

अमेरिका का दावा है कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। सीसीपी छात्रों के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकता है। यह कदम अमेरिका में चीनी छात्रों की संख्या को कम करेगा।

चीन ने इसपर कड़ा विरोध जताया है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा- अमेरिका ने विचारधारा और राष्ट्रीय अधिकारों के नाम पर चीनी छात्रों के वीजा को गलत तरीके से रद्द किया है। इससे अमेरिका की छवि और विश्वसनीयता को और नुकसान पहुंचेगा।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी चीन की एकमात्र सत्तारूढ़ पार्टी है और यह देश में शिक्षा, संस्कृति और समाज पर गहरा प्रभाव रखती है। अमेरिकी सरकार के मुताबिक कई चीनी छात्र, विशेष रूप से जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं, सीसीपी से जुड़े हो सकते हैं।

चीनी विश्वविद्यालयों में सीसीपी की विचारधारा को बढ़ावा देने वाले कई कोर्स पढ़ाए जाते हैं। कुछ मामलों में, सीसीपी विदेश में पढ़ने वाले छात्रों पर नजर रखने के लिए चीनी छात्र संगठनों का उपयोग करती है।

ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि कुछ चीनी छात्र सीसीपी के लिए जासूसी या तकनीकी जानकारी चुराने का काम कर सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संवेदनशील हैं, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कम्प्यूटिंग, और अन्य उन्नत तकनीकें।

देश छोड़ना पड़ेगा: चीनी छात्रों को डर है कि उनके वीजा रद्द हो सकते हैं, जिसके कारण उन्हें दूसरी यूनिवर्सिटी में ट्रांसफर करना पड़ सकता है या देश छोड़ना पड़ सकता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में 1,203 चीनी छात्र पढ़ रहे हैं, और इनमें से कई पर असर पड़ सकता है।

अमेरिका की छवि पर प्रभाव: चीन ने चेतावनी दी है कि ये कदम अमेरsकिा की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाएंगे। कुछ चीनी छात्र अब ब्रिटेन या अन्य देशों में पढ़ाई के लिए विकल्प तलाश रहे हैं।

आर्थिक नुकसान: चीनी छात्र अमेरिकी विश्वविद्यालयों के लिए महत्वपूर्ण आय स्रोत हैं। 2023-24 में, लगभग 2,78,000 चीनी छात्रों ने अमेरिकी शिक्षा पर 14.3 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। इन नीतियों से विश्वविद्यालयों को वित्तीय नुकसान हो सकता है।

45 दिन नासा की निगरानी में रहीं सुनीता विलियम्स

अंतरिक्ष से वापसी के बाद कैसी है सेहत

वॉशिंगटन, 29 मई (एजेंसियां)। 286 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद पृथ्वी पर वापस लौटीं अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का स्वास्थ्य तेजी से सुधर रहा है। सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर 45 दिन तक नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में डॉक्टरों की निगरानी में रहे। यहां उन्होंने अपने शरीर को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के ढाला होगा। डॉक्टरों ने बताया कि कई सप्ताह की फिजियोथैरेपी के बाद वे स्वस्थ हैं। इसके साथ ही वे बोइंग और नासा के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए काम कर रही हैं।

पिछले साल पांच जून को बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में खराबी आने के बाद सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर अंतरिक्ष में फंस गए थे। 18 मार्च को 286 दिन बाद उनकी पृथ्वी पर वापसी हुई। पृथ्वी पर वापसी के बाद दोनों को 45 दिन तक नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में रखा गया। यहां उनकी सेहत में बदलावों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी मांसपेशियों, संतुलन और अन्य स्थितियों को पृथ्वी पर रहने के अनुरूप ढाला गया।

सुनीता विलियम्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि यह समय थोड़ा बहुत उथल-पुथल भरा रहा है। क्योंकि हमारे पास उन सभी लोगों के प्रति दायित्व भी हैं जिनके साथ हमने काम किया है। अंतरिक्ष उड़ान के बाद उनके कुछ दुष्प्रभाव धीरे-धीरे ठीक हुए और रिकवरी के अंतिम चरण में उन्हें थकान महसूस हुई, क्योंकि दर्जनों विभिन्न मांसपेशियां फिर से सक्रिय हो गईं। इससे उनके लिए सुबह जल्दी उठना मुश्किल हो गया।

पाक पीएम ने फिर भारत से बातचीत की इच्छा जताई

कहा- दोनों देश मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद का मुद्दा हल करें

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि वह भारत के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद जैसे मुद्दों को हल करना चाहिए। शरीफ ने यह बात अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्की-अजरबैजान त्रिपक्षीय समिट में कही।

यह एक हफ्ते में दूसरी बार है जब पाकिस्तानी पीएम ने भारत से बातचीत की इच्छा जताई है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को ईरान दौरे पर भी भारत से बातचीत की इच्छा जताई थी।

शरीफ 25 से 30 मई तक चार देशों के दौरे पर हैं। इससे पहले वो तुर्किये और ईरान जा चुके हैं। आज वो ताजिकिस्तान पहुंचेंगे।

यहां वो राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

शरीफ ने अजरबैजान के लाचिन में कहा- हमें शांति के लिए एक साथ बैठकर बात करनी चाहिए। कुछ मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है और इन्हें बातचीत से हल करना होगा।

उन्होंने कश्मीर का जिक्र करते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के मुताबिक हल होना चाहिए। हालांकि भारत पहले ही साफ कर चुका है कि वह पाकिस्तान से सिर्फ पीओके की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

शरीफ ने आगे कहा- अगर भारत आतंकवाद के खिलाफ ईमानदारी से बात करना चाहता है, तो पाकिस्तान भी इसके लिए तैयार है। उन्होंने भारत के साथ फिर से व्यापार शुरू करने की इच्छा भी जताई।

उन्होंने पाकिस्तान को दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा शिकार बताया। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान में पिछले कई दशकों में आतंकवाद से 90,000 लोगों की जान गई है और 150 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

शरीफ ने भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले की आलोचना की और कहा भारत ने सिंधु जल संधि को हथियार बनाने की कोशिश की, जो पाकिस्तान के 24 करोड़ लोगों के लिए लाइफ लाइन है।

बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बन रहा

गुरिल्ला वॉरफेयर के लिए एक हजार उग्रवादियों को ट्रेनिंग दी, 30 हजार वर्दियां बरामद हुईं

ढाका, 29 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश कुकी उग्रवादियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। बीते कुछ माह से प्रतिबंधित आतंकी संगठन कुकी चिन नेशनल फ्रंट (केएनएफ) की गतिविधियों में यहां तेजी देखी गई है। इस बीच चटगांव में केएनएफ की बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने चटगांव की एक फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 30 हजार सैन्य वर्दियां जब्त कीं, जिनकी कीमत 20 करोड़ टका आंकी गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि 10 हजार वर्दियां पहले ही उग्रवादियों तक पहुंच भी चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, ये वर्दियां एक गुरिल्ला युद्ध के लिए तैयार की गई थीं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस साजिश के तहत भारत के मणिपुर

और मिजोरम, म्यांमार के चिन और रखाइन राज्य, तथा बांग्लादेश के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स को एक साथ दहला देने की तैयारी थी। खुफिया रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि केएनएफ के पास तीन हजार प्रशिक्षित उग्रवादी हैं, जिनमें से लगभग एक हजार को हाल ही में गुरिल्ला वॉरफेयर की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार केएनएफ ने बांग्लादेश में अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन अंसार अल इस्लाम से गठजोड़ किया है।

सूत्रों के मुताबिक, केएनएफ के कई उग्रवादियों को अंसार के आतंकी शिविरों में गुरिल्ला वॉरफेयर और आत्मघाती हमलों की ट्रेनिंग दी गई है। बदले में, केएनएफ ने अंसार को पहाड़ी इलाकों में छिपने के लिए सुरक्षित पनाहगाह और रसद समर्थन देने की पेशकश की है।

यह गठजोड़ बांग्लादेश, भारत व म्यांमार के लिए चिंता का कारण बन सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि केएनएफ उग्र इस्लामी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है, जिसका उद्देश्य अस्थिरता फैलाना है।

अगस्त 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता का तख्तापलट व फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट हुआ। इन घटनाओं के बाद से बांग्लादेश-भारत-म्यांमार में कड़वाहट आई है।

अग्नि मिसाइल, परमाणु बम

भारत ने दुनिया को मनवाया लोहा फिर फाइटर जेट का इंजन बनाने में चीन से 15 साल क्यों पिछड़ा?

नई दिल्ली/बीजिंग, 29 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने जब अपनी सटीक हमला करने की ताकत दिखाई तो पूरी दुनिया दंग रह गई। आलम यह है कि रूसी वायुसेना अब इंडियन एयरफोर्स के सटीक हमले की स्टडी कर रही है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में एटम बम, ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर स्मार्ट गाइडेड बम, सैटलाइट किलर हथियारों से लेकर अग्नि मिसाइल से लेकर परमाणु मिसाइल सिस्टम तक बनाकर टेक्नोलॉजी की दुनिया में कमाल कर दिया है। लेकिन जब बात लड़ाकू विमानों के इंजन की आती है तो भारत अभी भी चीन से 10 से 15 साल पीछे है। भारत को अभी भी लड़ाकू विमानों के इंजन के लिए फ्रांस, अमेरिका या फिर रूस पर निर्भर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। दूसरी तरफ चीन है, जो कभी रूसी इंजन से अपने विमानों को उड़ा रहा था वह अब डब्ल्यूएस-10 और डब्ल्यूएस-15 जैसे अपने इंजन से जे-20 जैसे स्टील्थ फाइटर उड़ा रहा है। लिहाजा सवाल उठ रहे हैं कि चीन ने जो कर दिखाया वह आखिर भारत क्यों नहीं कर पाया। खासकर तब, जब भारत एक वक्त टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन से काफी आगे था।

फ्रांसीसी डॉक्टर 299 बच्चों के शोषण-रेप का दोषी

भतीजी को भी नहीं छोड़ा, 2 पीड़ितों ने खुदकुशी की, कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई

पेरिस, 29 मई (एजेंसियां)। फ्रांस में एक डॉक्टर को 299 बच्चों का यौन शोषण और रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। क्रिमिनल कोर्ट ने दोषी डॉक्टर को बुधवार को 20 साल की सजा सुनाई। यह फ्रांस के इतिहास में बच्चों के यौन शोषण का सबसे बड़ा मामला है। इस केस की सुनवाई फरवरी 2025 से चल रही थी।

दोषी डॉक्टर जोएल ले स्कॉरनेक (74) पहले एक गैसट्रिक सर्जन था। उसने 1989 से 2014 तक फ्रांस के 9 क्लिनिक और हॉस्पिटल में काम करते हुए यौन शोषण की घटनाओं को अंजाम दिया। इस खबर के सामने आने के बाद 2 पीड़ितों ने तनाव में आत्महत्या कर ली। जिस वक्त इन घटनाओं को अंजाम दिया गया, कई पीड़ित बेहोश थे या दवा के असर में ऑपरेशन से उबर रहे थे। इसलिए उन्हें कुछ याद नहीं था। आरोपी ने सबसे पहले 1985 में अपनी 5 साल की भतीजी का यौन शोषण किया था।

आरोपी डॉक्टर अपनी दो भतीजी समेत 4 बच्चों के साथ बलात्कार के मामले में पहले से 15 साल की सजा काट रहा है। उसे इस केस में 2020 में सजा सुनाई गई थी। इस पूरे मामले का खुलासा 2017 में तब हुआ, जब पुलिस ने ले स्कॉरनेक के घर की तलाशी ली। उसने पड़ोस में रहने वाली 6 साल की बच्ची के सामने अश्लील हरकत की थी। बच्ची के माता-पिता ने इसे लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस को डॉक्टर के घर में सेक्स टॉयज और गुड़ियों से भरे बक्से, कंप्यूटर और दो दर्जन से ज्यादा हार्ड ड्राइव मिली, जिनमें बच्चों के यौन शोषण की तस्वीरें थीं। इसके साथ ही सैकड़ों पन्नों की उसकी डायरी भी मिली। इसमें उसने बच्चों के साथ किए गए यौन शोषण का ब्योरा लिखा था। दो स्प्रेड शीट में पीड़ितों के नाम, उम्र, पते और उनके साथ हुए शोषण की जानकारी थी।

केस की शुरुआत में ले स्कॉरनेक ने आरोपों से इनकार किया था। उसका कहना था कि उसकी डायरी में लिखी ज्यादातर बातें काल्पनिक हैं और कुछ उसके काम से जुड़ी हुई हैं।

दक्षिण कोरियाई नौसेना का गश्ती विमान दुर्घटनाग्रस्त

सियोल, 29 मई (एजेंसियां)। दक्षिण कोरियाई नौसेना का एक विमान गुरुवार को प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान पर चार लोग सवार थे। सभी लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, नौसेना ने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इसमें कोई हताहत हुआ है या नहीं।

नौसेना ने एक बयान में कहा कि पी-3 गश्ती विमान दोपहर 1.43 बजे दक्षिण-पूर्वी शहर पोहांग में अपने बेस से रवाना हुआ था, लेकिन अज्ञात कारणों से जमीन पर गिर गया। विमान में सवार चार लोग थे। उनकी तलाश जारी है। उनसे अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान क्यों दुर्घटनाग्रस्त हुआ?

नौसेना अधिकारी चो यंग-सांग ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग में कहा कि कर्मचारियों को चालक दल के दो सदस्यों के शव मिले हैं और वे उन्हें पास के अस्पताल में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं।

कर्मचारी अन्य दो की तलाश जारी रखे हुए हैं। जमीन पर नागरिकों के हताहत होने की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है।

महिलाओं को मिलेगी ढेर सारी सौगातें

सीएम भजनलाल ने जारी किए दिशा-निर्देश

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तीकरण को समर्पित कार्यक्रम आयोजित करेगी। 31 मई को आरआइसी ऑडिटोरियम में होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शामिल होंगे।

दिशा निर्देश जारी, मिलेंगे तोहफे ही तोहफे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में 150 कालिका यूनिट को हरी झंडी दिखाई जाएगी। इसके बाद लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 32 हजार 755 बालिकाओं को राशि हस्तान्तरित की जाएगी। वहीं, 16 हजार 944 बालिकाओं को एसटी प्री मैट्रिक, 152 बालिकाओं को सफाई कामगार प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना के तहत 30 हजार छात्राओं को फीस पुनर्भरण राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। 6 हजार 489 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार एवं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के तहत 2 हजार छात्राओं को स्कूटी वितरित की जाएगी।

अहिल्या बाई होलकर कौन थी, जानें

भारत के इतिहास में मालवा की रानी अहिल्या बाई होलकर ऐसी वीरांगना थी, जिन्होंने अपने अद्वितीय शासन और दूरदर्शिता से इतिहास के पन्नों और कहानियों में अमिट छाप छोड़ी। महारानी अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 में महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित चौंडी गांव में हुआ था। बालिका अहिल्याबाई को जब मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने देखा तो उन्हें अपने पुत्र खांडेराव होलकर की बहू के रूप में चुन लिया। अहिल्याबाई ने 1767 से 1795 तक मालवा राज्य की बागडोर संभाली। अपने शासनकाल में अपनी बुद्धिमत्ता, करुणा और नेतृत्व क्षमता से उन्होंने नारी सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण पेश किया। 13 अगस्त 1795 को अहिल्याबाई का निधन हुआ था।

बीते 24 घंटे में 7 नए कोरोनावायरस केस

सरकार अलर्ट, चिकित्सा मंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में कोरोनावायरस संक्रमण तेजी से फैल रहा है। प्रदेश में कोविड के 7 नए मामले सामने आए हैं। जिनमें 5 जयपुर के केस हैं। कोरोना के बढ़ते केस पर राजस्थान सरकार अलर्ट हो गई है। समीक्षा बैठक में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर विभाग के अधिकारियों को पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि केंद्र के अनुसार कोरोनावायरस का वर्तमान में सामने आया वैरियंट घातक नहीं है। पर आम जनता खांसी, जुकाम या बुखार जैसे लक्षण नजर आने पर सावधानी बरतें। चिकित्सा संस्थान जाकर आवश्यक परामर्श, जांच एवं उपचार जरूर लें। कोरोनावायरस से सावधान करते हुए गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगी व बच्चे स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से कहा कि संस्थानों में जांच, दवा एवं उपचार के लिए आवश्यक इंतजाम रखें जाएं।

"आमेर की राजकुमारी जोधाबाई और अकबर का विवाह नहीं हुआ था, यह झूठ है": राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

उदयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। महाराणा प्रताप की जयंती की पूर्व संध्या पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बड़ा खुलासा किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा प्रारंभिक दौर में भारत का इतिहास विदेशियों ने लिखा। इसमें कई झूठे तथ्य अंकित किए गए। उन्होंने आमेर की राजकुमारी और अकबर के विवाह को भी झूठा बताया। उन्होंने कहा कि अकबर की आत्मकथा अकबरनामा में इसका कोई जिक्र नहीं हैं। इसके अलावा महाराणा प्रताप की ओर से अकबर को संधि की चिट्ठी लिखने का तथ्य भी पूरी तरह से भ्रामक है।

महाराणा प्रताप ने कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। इतिहास में अकबर के बारे में ज्यादा और महाराणा प्रताप के बारे में कम पढ़ाया जाता है। हालांकि अब धीरे-धीरे स्थितियां सुधर रही हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नई पीढी को अपनी संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को सहेजते हुए हर क्षेत्र में अग्रसर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन स्वाभिमान के लिए संघर्ष की देता है प्रेरणा

उदयपुर जिले के प्रताप गौरव केंद्र राष्ट्रीय तीर्थ स्थित कुम्भा सभागार में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बप्पा रावल से महाराणा प्रताप तक और उनके बाद के शासकों ने विदेशी आक्रांताओं को खदेड़कर देश की रक्षा की। महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन स्वाभिमान के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। देश की अस्मिता की रक्षा के लिए उनके योगदान को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

मेवाड़ देश पर मर मिटने वालों की धरा

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि मेवाड़ देश पर मर मिटने वालों की धरा है। इतिहास साक्षी है कि भारत वर्ष पर जब-जब पश्चिम की ओर से बाहरी आक्रमण हुए, तब-तब मेवाड़ प्रहरी के रूप में खड़ा रहा है।

शिवाजी-महाराणा प्रताप के जन्म के बीच 90 साल का अंतराल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज राष्ट्र भक्ति के पर्याय थे। दोनों के जन्म के बीच 90 साल का अंतराल है। यदि वे दोनों समकालीन होते तो देश की तस्वीर दूसरी होती। वीरता और देशभक्ति को लेकर दोनों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यहां तक कि शिवाजी महाराज का भौंसलेवंश तो स्वयं को मेवाड़ के सिसोदिया वंश से जोड़ता है। महाराणा प्रताप की वीरता को सम्मान देने के लिए संभाजीनगर में प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा स्थापित की गई है।

'पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के पीए से जुड़े सभी की होगी जांच'

जासूसी मामले में बोले गजेंद्र सिंह शेखावत

उदयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के एक कर्मचारी को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में जैसलमेर से हिरासत में लिया गया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। हिरासत में लिया गया शख्स शाकुर खान है, जो जिला रोजगार कार्यालय में काम करता है। उसे खुफिया विभाग की टीम ने सुरक्षा से जुड़ी जानकारी के आधार पर पकड़ा। इस मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बड़ा बयान दिया है.

उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव को जासूसी के मामले में पुलिस ने हिरासत में लिया है। ये निश्चित तौर पर चिंता का विषय है। इसकी ठीक से जांच होकर जितने भी लोग उसके साथ जुड़े हैं, उन सब की जांच करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को अपने किए की सजा मिलनी चाहिए। इस मामले में बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित

मालवीय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सहायक शकूर खान पर पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने के पक्के सबूत मिले हैं। मालवीय का कहना है कि शकूर खान बॉर्डर के इलाकों की गोपनीय जानकारी पाकिस्तानी अधिकारियों को भेजता था। वह एक सरकारी कर्मचारी है और कई बार बिना सरकार को बताए पाकिस्तान भी जा चुका है। अधिकारी के मुताबिक, शाकुर खान के मोबाइल फोन में पाकिस्तान से जुड़े कुछ फोन नंबर मिले हैं। उन्होंने बताया, शाकुर खान के बारे में जानकारी मिली थी कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी कर सकता है। इन सूचनाओं के आधार पर उसे निगरानी में रखा गया था और हिरासत में ले लिया गया। जैसलमेर में उसकी शुरुआती पूछताछ की गई, जिसके बाद टीम उसे जयपुर ले गई है।

उपमहापौर सहित 9 पार्षद की कभी भी हो सकती है गिरफ्तारी!

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। जयपुर से बड़ी खबर। हैरिटेज निगम में तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र कुमार वर्मा से हुई बदसलूकी मामले में उप महापौर असलम फारूकी सहित 9 पार्षदों की गिरफ्तारी हो सकती है। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मीडिया को बताया कि आरोपी ने एफआइआर रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया।

नगरपालिका कानून के तहत होगी कार्रवाई

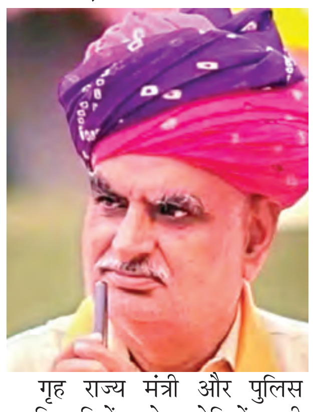

गृह राज्य मंत्री और पुलिस अधिकारियों से दोषियों की गिरफ्तारी के संबंध में बात की जा रही है। विभागीय स्तर पर भी इन पार्षदों के खिलाफ नगरपालिका कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त ने लगाए कई आरोप

तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त राजेंद्र कुमार वर्मा की शिकायत पर जून, 2023 में तत्कालीन महापौर, उनके पति, उप महापौर और पार्षदों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वर्मा ने शिकायत में बंधक बनाने, अपशब्द कहने और धमकाने के आरोप लगाए थे।

ट्रक की टक्कर से जैन संत की हुई मौत

पाली, 29 मई (एजेंसियां)। पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जाडन गांव में एक सड़क दुर्घटना में जैन संत आचार्य पुंडरिक रत्न सुरीश्वर महाराज की मौत हो गई। वे विहार करते हुए अन्य संतों और अनुयायियों के साथ विराट धाम की ओर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में संत को सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें तुरंत पाली के बांगड़ अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जाडन चौकी प्रभारी रामनिवास के अनुसार, संत आचार्य पुंडरिक रत्न सुरीश्वर एमआईटीएस कॉलेज से विहार करते हुए निकले थे और उन्हें

विराट धाम जाना था। रास्ते में जाडन टोल नाके के पास यह हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही संत के अनुयायियों और अन्य संतों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग बांगड़ अस्पताल पहुंचे। बाद में संत की पार्थिव देह को समुंद्र विहार ले जाया गया। जैन संत के देवलोक गमन की सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर एलएन मंत्री और एसपी चुनाराम जाट भी समुंद्र विहार पहुंचे और संत की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया।

'जिन्होंने माफिया को पनपाया, वही अब लगा रहे हैं आरोप'

जोगाराम पटेल का कांग्रेस पर निशाना

जोधपुर, 29 मई (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में भूमाफिया, बजरी माफिया, पानी माफिया और पेपर माफिया खूब बढ़े। अब वही लोग हम पर माफियाओं पर लगाम नहीं लगाने का आरोप लगा रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राजस्थान में अभी नौतपा चल रहा है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि वे जितना हो सके, पानी और बिजली की बचत करें। इससे जनता को पेयजल और बिजली की परेशानी कम होगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार पूरी

कोशिश कर रही है कि जनता को साफ और समय पर पानी मिले और पानी की समस्या कम से कम हो। उन्होंने बताया कि हाल ही में आए तूफान और आंधी से बिजली व्यवस्था खराब हुई थी, जिसे सरकार ने ठीक कर दिया है। अब बिजली के मामले में कोई दिक्कत नहीं होगी और पूरी तैयारी की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने पर जोगाराम पटेल ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें पहले अपने आप को देखना चाहिए। क्योंकि जिस कांग्रेस के राज में बजरी माफिया, भू माफिया, पानी माफिया और नकल माफिया खूब बढ़े, उस सरकार ने उन पर लगाम नहीं लगाई। इसलिए उनके आरोप बेबुनियाद हैं।

जोगाराम पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शपथ लेते ही भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से जुड़े सभी माफियाओं पर लगाम लगाने का काम शुरू कर दिया है। सभी माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। सरकार का संकल्प है कि जनता को साफ सुथरा और सही न्याय मिले। उन्होंने कांस्टेबल सुनील बिश्नोई की मौत पर कहा कि यह बहुत दुखद घटना है और जो भी इसके पीछे है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इससे पहले जोगाराम पटेल सर्किट हाउस पहुंचे और वहां आम लोगों से मिले, उनकी समस्याएं सुनी।

इस बार मानसून लाएगा खुशी! 110% से ज्यादा बारिश का अनुमान

उदयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। इस बार राजस्थान में मॉनसून की बारिश पिछले साल से भी ज्यादा हो सकती है। यह खबर उन किसानों के लिए अच्छी है, जो खेती के लिए बारिश पर निर्भर हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इस बार पूर्वी राजस्थान में सामान्य से 110% और पश्चिमी राजस्थान में 115% तक ज्यादा बारिश हो सकती है।

साल 2024 में राजस्थान में 662.87 मिमी बारिश हुई थी, जो सामान्य बारिश (421.96 मिमी) से लगभग 57% ज्यादा थी। उस साल मानसून ने 25 जून को राज्य में दस्तक दी थी।

इस बार मानसून के आने की तारीख 20 जून बताई जा रही है, लेकिन यह अपनी तय तारीख से पहले ही तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर यही गति बनी रही, तो यह मानसून जून के पहले हफ्ते में ही राजस्थान के करीब पहुंच सकता है।

अच्छी बारिश के लिए यज्ञ और हवन

राजस्थान में लोग बारिश के स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं। कई मंदिरों में अच्छी बारिश के लिए हवन और यज्ञ किए जा रहे हैं। मंत्रों के साथ इंद्र देव को खुश करने की कोशिश की जा रही है। जयपुर में 11 पंडितों ने बर्फ के ठंडे पानी में बैठकर 'पर्जन्य यज्ञ' किया। संस्कृत में 'पर्जन्य' का मतलब होता है-बारिश। यह यज्ञ नीलकंठ महादेव मंदिर में किया गया।

दो साल से फरार शराब तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे, 50 हजार का था इनाम

सिरोही, 29 मई (एजेंसियां)। रेवदर थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के आदेश पर वांछित अपराधियों को जल्दी पकड़ने के लिए खास अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभूदयाल घानिया और रेवदर थाने के वृताधिकारी मनोजकुमार गुप्ता की निगरानी में पुलिस ने सीकर के राधाकिशनपुरा, वार्ड 5 के पास, राज ऑटो मोबाइल के पास महिपालसिंह जाखड़ को गिरफ्तार किया है। महिपालसिंह जाखड़, जो कि पुलिस थाना उद्योगनगर, जिला सीकर का निवासी है, बीते दो साल से शराब तस्करी के मामले में वांछित था और फरार था। वह पुलिस से बचने के लिए बार-बार जगह बदलता रहा। इस कार्रवाई में पुलिस थाना कोतवाली सीकर के थानाधिकारी सुनिलकुमार जांगिड़, रेवदर थाने के हेड कांस्टेबल पकाराम, कांस्टेबल खेराजराम, प्रकाश कुमार और कानाराम भी शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त 2023 को रेवदर थाना के थानाधिकारी कपूराराम की टीम ने गुजरात से गुजर रहे एक ट्रक को रोका और तलाशी ली। तलाशी में उस ट्रक से पंजाब में बनी 598 कार्टन अंग्रेजी शराब मिली। यह शराब गुजरात ले जाई जा रही थी।

सरपंच पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला, हाथ-पैर तोड़े

जयपुर, 29 मई (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस का बदमाशों में खौफ और आमजन में विश्वास वाला वाक्य एकदम उलट साबित हो रहा है। शहर में बदमाश अब इतने बेखौफ हो गए हैं कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद जानलेवा हमला करने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला आकोदिया सरपंच से जुड़ा है जहां बदमाशों ने पुलिस की मौजूदगी में ही सरपंच पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल सरपंच की हालत नाजुक बनी हुई है।

कब्जा हटाने गए सरपंच पर हमला

घटना शिवदासपुरा थाना इलाके में स्थित भादरवास गांव की है। जानकारी के अनुसार भादरवास गांव स्थित आबादी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है। इस जमीन से कब्जा हटाने के लिए सरपंच अर्जुनलाल मीणा ने कई बार प्रशासन और पुलिस को पत्र लिखकर जाब्ता मांगा। लेकिन जाब्ता नहीं मिलने के कारण कार्रवाई नहीं हो सकी।

बलभाराम की पत्नी के नाम मिली 12 करोड़ से अधिक की अघोषित सम्पत्ति, पुलिस जांच में सामने आया सच

अजमेर, 29 मई (एजेंसियां)। बहुचर्चित भंवर सिनोदिया हत्याकांड में जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बीआरसी गैंग के मुखिया बलभाराम की पत्नी पार्वती के नाम पुलिस को 12 करोड़ से अधिक की अघोषित सम्पत्तियां मिली हैं। पुलिस को उसके नाम तीन जमीनें, 1 मकान, 2 बैंक खाते और 2 लग्जरी गाड़िया और इनसे जुड़े दस्तावेज मिले हैं। रूपनगढ़ थाना पुलिस ने उक्त सम्पत्तियों को जब्त करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए पुलिस ने न्यायालय में याचिका भी दायर की है।

जमीन विवाद को लेकर रूपनगढ़ में हुई फायरिंग प्रकरण में बीआरसी गैंग के सरगना बलभाराम का नाम सामने आने के बाद अजमेर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन में रूपनगढ़ थाना पुलिस ने सजायाफ्ता अपराधी बलभाराम व उसकी पत्नी पार्वती के नाम सम्पत्ति की जांच शुरू की। जांच दल की कमान प्रशिक्षु आईपीएस अभिषेक अदांसु को सौंपी गई।

उन्हें बलभाराम व उसकी पत्नी के नाम सम्पत्ति की जांच में कई अहम कागजात मिले। पुलिस टीम को बलभाराम की पत्नी के नाम घोषित आय से अधिक अन्य कई सम्पत्तियां और उनके दस्तावेज भी मिले। पुलिस ने इन अघोषित सम्पत्ति को जब्त करने की न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए रूपनगढ़ थाना पुलिस ने न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर दी है। बलभाराम की पत्नी पार्वती के खिलाफ भी रूपनगढ़ थाने में कई आपराधिक धाराओं में मामले दर्ज हैं।

पुलिस जांच में आया मामला सामने

पुलिस जांच में सामने आया कि बलभाराम ने बीआरसी गैंग बना रखी है। यह अवैध गतिविधियों में लिप्त है। इस गैंग में उसकी पत्नी पार्वती देवी भी सक्रिय है। बीआरसी गैंग अवैध रूप से जमीनों पर कब्जा करने और लोगों को डरा धमकाकर रुपए वसूली का काम करती है। लोग गैंग से भय के कारण इनके विरुद्ध शिकायत नहीं करते हैं। बलभाराम आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा है। उसने जेल में रहते हुए बीआरसी गैंग का गठन किया है। बलभाराम बांदरसिंदरी थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने जेल में रहते हुए ही रूपनगढ़ में अपनी गैंग के गुर्गों को भेजकर अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया और फायरिंग करवाकर शकील नाम के एक व्यक्ति की हत्या करवा दी।

इनका कहना है...

रूपनगढ़ में हुई फायरिंग व एक व्यक्ति की हत्या प्रकरण में बलभाराम का भी नाम सामने आया। प्रकरण की जांच के साथ ही बलभाराम व उसकी पत्नी के नाम सम्पत्तियों की भी जांच की गई। इसमें उसकी पत्नी पार्वती के नाम कई अघोषित सम्पत्तियां मिली हैं। इन्हें जब्त करने के लिए रूपनगढ़ थाना पुलिस न्यायिक कार्रवाई कर रही है।

अभिषेक अदांसु, प्रशिक्षु आईपीएस, किशनगढ़ वृत

बलभाराम व उसकी पत्नी के नाम पर मौजूद सम्पत्तियों को नए कानून 107 बीएनएसएस के तहत जब्त की कार्रवाई की गई है। रेंज स्तर पर अन्य अपराधियों के अपराध की सूची बनाई जा रही है, ताकि अपराध और अपराधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जा सके।

भीलवाड़ा में दर्दनाक हादसा, डम्पर ने छीनी परिवार की खुशी, मासूम बेटे व मां की मौत

भीलवाड़ा, 29 मई (एजेंसियां)। चोकी प्रभारी केलाश चन्द्र धाबाई ने बताया कि करेड़ा निवासी लादू लाल रैगर बाइक पर पत्नी रेखा व दो वर्ष के बालक नारायण को भीलवाड़ा उपचार के लिए लेकर आए थे। लौटते समय राजमार्ग से मांडल मोड़ पर डंपर चालक ने उनको चपेट में ले लिया। जिससे मासूम नारायण की मौके पर ही मौत हो गई व दम्पति गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिनको एम्बुलेंस की मदद से प्राथमिक उपचार के बाद भीलवाड़ा रेफर किया गया।

बिना नम्बरी डंपर जब्त

उपचार के दौरान रेखा ने भी दम तोड़ दिया। वही लादू लाल की हालात गम्भीर बनी हुई है। डंपर चालक वाहन को मौके पर छोड़ कर भाग गया। पुलिस ने मौके से बिना नम्बरी डंपर जब्त कर लिया।

ट्रेलर में चावल की आड़ में की जा रही थी अवैध शराब की तस्करी, पुलिस ने 269 कॉर्टन किया जब्त; 2 गिरफ्तार

जालौर, 29 मई (एजेंसियां)। जालौर जिले में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रेलर से पंजाब निर्मित 269 कार्टून अवैध शराब जब्त की है। ऑपरेशन भौकाल और मिशन मदमर्दन के तहत बागोड़ा थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। ट्रेलर में शराब चावल के कट्टों के नीचे छिपाकर लाई जा रही थी। जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि जब्त ट्रेलर और चावल के कट्टों की कीमत क्रमशः 40 लाख और 8.70 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में जालौर पुलिस द्वारा हाईवे नाकाबंदी और संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान यह सफलता मिली। थानाधिकारी हुकमाराम के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने पुलिस टीम ने 27 मई को बागोड़ा कस्बे में सायला-बागोड़ा बाईपास रोड पर संदिग्ध ट्रेलर को रोककर तलाशी ली। जिसमें ट्रेलर चालक की पहचान अमित कुमार निवासी भट्टू, फतेहाबाद (हरियाणा) और उसके साथ बैठे सुखदेव निवासी अयालकी, फतेहाबाद (हरियाणा) के रूप में हुई। ट्रेलर की तलाशी में चावल के 870 कट्टों के नीचे छिपाकर लाई जा रही शराब के 26 कार्टन और बीयर के 243 कार्टन कुल 269 कार्टन जब्त किए गए। जिस पर पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों के पास शराब का कोई वैध परमिट या लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

गद्दार अवॉड्र्स में पुष्पा-2 फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु सिनेमा के लिए प्रतिष्ठित तेलंगाना गद्दार अवॉड्र्स की घोषणा कर दी गई है। गुरुवार को यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गद्दार अवॉड्र्स कमेटी की अध्यक्ष अभिनेत्री जयसुधा ने विजेताओं की घोषणा की। 14 साल के अंतराल के बाद, पुरस्कार समारोह 14 जून को हैदराबाद के हिटेक्स में होने वाले हैं।

'कल्कि' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म घोषित किया गया, जबकि 'पोटल' और 'लकी भास्कर' को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ दूसरी फिल्म और सर्वश्रेष्ठ तीसरी फिल्म का सम्मान मिला। अल्लू अर्जुन को पुष्पा-2 में उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला, और निवेथा थॉमस को चिन्ना कथा कडू के लिए सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। इसके अलावा, नाग अश्विन को कल्कि में उनके काम के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला। कुल 1,248 फिल्मों को नामांकन प्राप्त हुआ और गहन मूल्यांकन के बाद पुरस्कार दिए गए। इक्कीस व्यक्तियों को विशेष जूरी और व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और कई तकनीकी विशिष्टताएं शामिल थीं।

इसके अतिरिक्त, तेलुगु सिनेमा की प्रसिद्ध हस्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिए कुछ पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें एनटीआर, पैडी जयराज, बीएन रेड्डी, नागिरेड्डी-चक्रपाणि, कांथा राव और रघुपति वेंकैया शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान, जयसुधा ने टिप्पणी की कि पुरस्कार चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से, किसी भी दबाव या प्रभाव से मुक्त तरीके से आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा, ये पुरस्कार कलाकारों को प्रोत्साहन प्रदान करेंगे। राज्य सरकार ने पुरस्कार अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में पूरी स्वायत्तता दी। पुरस्कारों को तय करने में कोई बाहरी दबाव शामिल नहीं था। इन पुरस्कारों के लिए नामांकित व्यक्तियों का चयन पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से किया गया था। जूरी की अध्यक्ष जयसुधा ने यह भी खुलासा किया कि वर्ष 2014-23 के पुरस्कारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। जयासुधा की अध्यक्षता और तेलंगाना फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष दिल राजू की अध्यक्षता वाली फिल्म पुरस्कार जूरी समिति ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क को पुरस्कार चयन का विवरण भी प्रस्तुत किया।

पिता द्वारा चलाए जा रहे ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आने से बेटे की मौके पर ही मौत

सिद्दीपेट, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिउरोड्डी मंडल के अलवाल गांव में गुरुवार को एक लड़के की ट्रैक्टर के पहिये के नीचे आने से मौत हो गई, जिसे उसका पिता खेत जोतने के लिए चला रहा था। कनकैया और लावण्या का बेटा बीदा निकास (8) मेड़ पर बैठा था और अपने पिता को रोटावेटर से खेत जोतते हुए देख रहा था। वह मेड़ से गिर गया और पहिए के नीचे आ गया। उसकी तुरंत मौत हो गई। लड़के के शव को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

बीआरएस ने यंग इंडिया-एकीकृत आवासीय विद्यालयों पर मुख्यमंत्री के दावों को किया खारिज

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक पी सबिता इंद्र रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के इस दावे को खारिज कर दिया कि बीआरएस यंग इंडिया-एकीकृत आवासीय स्कूलों का विरोध करती है। उन्होंने प्रत्येक एकीकृत आवासीय विद्यालय के निर्माण की लागत 80 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये करने पर भी सवाल उठाया तथा अन्य राज्यों की एजेंसियों को निर्माण कार्य सौंपने की साजिश का संदेह जताया। उन्होंने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि निर्माण लागत में इतनी भारी वृद्धि क्यों हुई? भवन निर्माण अभी पूरा भी नहीं हुआ है, लेकिन सरकार उनके बारे में विज्ञापन देने में व्यस्त है। सरकार को यह भी समझना चाहिए कि केवल इमारतें ही स्कूल नहीं बनातीं। गुरुवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सबिता इंद्र रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार खुद एकीकृत स्कूलों के भविष्य के बारे में अनभिज्ञ है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के खिलाफ झूठा अभियान चलाने और इस संबंध में पिछली बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने जिन छात्रों को सफलता की कहानियों के रूप में पेश किया है, वे के चंद्रशेखर राव द्वारा स्थापित गुरुकुलों के उत्पाद हैं। चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में ही सैकड़ों नए गुरुकुल स्थापित किए गए और उन्हें ध्यानपूर्वक चलाया गया। उन्होंने इन पहलों का श्रेय लेने के लिए रेवंत रेड्डी को फटकार लगाई। उन्होंने बिना किसी स्पष्टीकरण के 2,000 से अधिक मौजूदा सरकारी स्कूलों को बंद करने के प्रयासों की निंदा की। इस बीच, एमएलसी सुरभि वाणी देवी ने कई मंडल परिषद और जिला परिषद स्कूलों की खराब स्थिति का हवाला देते हुए सरकार से तुरंत स्कूल विकास निधि और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग की।

सरकारी स्कूल के शिक्षक बच्चों को डिजिटल डिटॉक्स में कर रहे हैं मदद

सिद्दीपेट, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्मार्टफोन के आगमन के बाद से, बच्चों में मोबाइल की लत अधिकांश माता-पिता के लिए चिंता का विषय बन गई है।

गर्मियों की छुट्टियों में जब बच्चे आम के पेड़ों के नीचे, मंदिर के तालाबों के पास और स्थानीय खेल के मैदानों में खेलते थे, तब से लेकर अब तक ज़्यादातर बच्चे अपना समय अपने मोबाइल फ़ोन या टैबलेट पर नज़र गड़ाए हुए, ऑनलाइन गेम खेलते हुए या यूट्यूब गेम देखते हुए और इंस्टाग्राम रील देखते हुए बिताते हैं। और जब स्कूल भी फिर से खुल गए हैं, तब भी बहुत से बच्चे अपनी किताबों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं क्योंकि मोबाइल फ़ोन उनका सबसे बड़ा ध्यान भटकाने वाला काम है। यह तब हुआ जब वारगल मंडल के चांदखान मक्था के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने अपने गांव के 46 छात्रों और अन्य स्कूली बच्चों के लिए 21 दिवसीय डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया। शिक्षकों, वरला प्रशांत कुमार और सी सुमन ने अपने कई छात्रों को स्मार्टफोन की लत लगने के बाद यह कार्यक्रम तैयार किया। 21 दिनों तक दोनों शिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न गतिविधियों, खेलों और मनोरंजक कार्यक्रमों में व्यस्त रखा, जिनमें बच्चे स्मार्टफोन और इंटरनेट के दैनिक जीवन में आने से पहले भी व्यस्त रहते थे। प्रशांत कुमार ने बताया कि अप्रैल में स्कूल के आखिरी कार्यदिवस पर छात्रों से बातचीत के दौरान उन्हें डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत का एहसास हुआ। जब उनसे पूछा गया कि वे छुट्टियों में क्या करेंगे, तो ज्यादातर छात्रों ने कहा कि वे रील्स और शॉर्ट्स करेंगे। वे कहते हैं, हम चौंक गए क्योंकि ये 11 साल से कम उम्र के छात्र थे।

फिर, प्रशांत और सुमन ने अभिभावकों से मुलाकात की और बताया कि वे बच्चों को शारीरिक गतिविधियों में कैसे शामिल करना चाहते हैं और मोबाइल फोन के इस्तेमाल को कैसे सीमित करना चाहते हैं, और अभिभावक तुरंत इस पर सहमत हो गए। दिलचस्प बात यह है कि कुछ अभिभावक और अन्य कक्षाओं के छात्र भी उनके डिटॉक्स कॉन्सेप्ट में शामिल हो गए। डिटॉक्स के हिस्से के रूप में, छात्रों को समूहों में बांटा गया और उन्हें खेल और अन्य मजेदार गतिविधियों में शामिल किया गया। सुमन का कहना है कि उन्हें एहसास हुआ कि मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के कारण कई छात्र कक्षाओं में पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे थे। शिक्षक कहते हैं, बढ़ी हुई शारीरिक गतिविधि निश्चित रूप से उनके ध्यान के स्तर को बढ़ाएगी और पढ़ाई में उनके प्रदर्शन को भी बेहतर बनाएगी।

सिकंदराबाद और दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन?

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे द्वारा वंदे भारत स्लीपर सेवाओं की एक नई श्रृंखला शुरू करने की तैयारी के बीच, इस बात की चर्चा जोरों पर है कि सिकंदराबाद-नई दिल्ली मार्ग भी पहली श्रृंखला का हिस्सा होगा। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की ओर से कोई पुष्टि नहीं होने के बावजूद, सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि हाई-स्पीड, लंबी दूरी की स्लीपर ट्रेन हैदराबाद और दिल्ली के बीच यात्रा का नया अनुभव प्रदान करेगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को कम समय में मिली अपार लोकप्रियता के बाद, लम्बी दूरी के लिए शुरू की गई स्लीपर सेवा, रात भर में अधिक आरामदायक और तीव्र यात्रा का वादा करती है, जिसका यात्रियों को बेसब्री से इंतजार है। अगर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू की जाती है, तो इससे पहले से ही लोकप्रिय मौजूदा सेवाओं- राजधानी एक्सप्रेस और दुरंतो एक्सप्रेस की तुलना में यात्रा का समय काफी कम होने की उम्मीद है, जो वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी और सिकंदराबाद के बीच 1,700 किलोमीटर की दूरी तय करने में 22 से 24 घंटे का समय लेती हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस के हाई-स्पीड स्लीपर संस्करण से यात्रा की अवधि कम से कम 3 से 4 घंटे कम होने की उम्मीद है।

इस रूट पर वंदे भारत स्लीपर की शुरूआत खास तौर पर हैदराबाद के उन यात्रियों के लिए फायदेमंद होगी जो नियमित रूप से काम, शिक्षा या निजी प्रतिबद्धताओं के लिए दिल्ली आते-जाते हैं। कई लोगों को अभी इस यात्रा में पूरा दिन लग जाता है। कई रेलवे प्रेमी काफी समय से वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर संस्करण का इंतजार कर रहे थे, खासकर रात भर की लंबी दूरी की यात्रा के लिए। वर्तमान वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के विपरीत, जो रिक्लाइनिंग सीटों के साथ दिन की सेवाओं के रूप में कॉन्फ़िगर की गई हैं, स्लीपर संस्करण में समृद्ध बर्थ, आधुनिक इंटीरियर, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और उन्नत सुरक्षा तंत्र होंगे। अन्य सुविधाओं में वाई-फाई, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और स्वचालित दरवाजे शामिल हैं।

महबूबाबाद में आठ भैंसों की बिजली से मौत

महबूबाबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली अधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण जिले के इनुगुरथी मंडल के चिन्ना मुप्पाराम गांव में किसानों को भारी कीमत चुकानी पड़ी, क्योंकि बिजली का झटका लगने से आठ भैंसों की मौत हो गई।

गांव के एक निवासी वेंकन्ना ने मीडिया को बताया कि तीन दिन पहले तेज हवा और बारिश के कारण बिजली के खंभे गिर गए थे, जिससे बिजली के तार जमीन पर गिर गए थे। इस मामले को बिजली विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। वेंकन्ना ने कहा कि बिजली लाइन की मरम्मत में अधिकारियों की विफलता के कारण मवेशियों की मौत हो गई। जिन किसानों की भैंसें मर गईं, वे इस नुकसान पर फूट-फूट कर रोए, क्योंकि मवेशी उनकी आजीविका का मुख्य स्रोत थे। ग्रामीणों के अनुसार, कलेरू भास्कर, हरीश, पेद्दा देवेन्द्र, चिन्ना देवेन्द्र, राजू, शिवाजी, रमेश और राजशेखर की भैंसें गुरुवार को गांव के बाहरी इलाके में चरने गई थीं।

जातिगत भेदभाव को लेकर की बीआरएस ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार ने सामाजिक कल्याण छात्रावासों में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने के आरोप में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने आईएएस अधिकारी अलुगु वर्षिणी की इस कथित टिप्पणी के लिए आलोचना की कि गरीब परिवारों के छात्रों को छात्रावासों में शौचालय साफ करने और खाना पकाने का काम करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इससे अच्छी आदतें विकसित होंगी।

उनकी टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी मुख्यमंत्री के समर्थन के बिना इस तरह का अपमानजनक और गैरजिम्मेदाराना बयान नहीं दे सकता।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी गरु, आपके अधिकारी खुलेआम कह रहे हैं कि दलित बच्चों को शौचालय साफ करना चाहिए क्योंकि वे अमीर परिवारों से नहीं आते हैं। अगर यह इतना बढ़िया सुधार है, तो इसे कॉरपोरेट स्कूलों में लागू करें जहां आपके बच्चे जाते हैं।

प्रवीण कुमार ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर ऐसी हरकतें सम्मान और आत्मनिर्भरता के बारे में हैं, तो मुख्यमंत्री, मंत्री और सरकारी अधिकारियों को अपने शौचालय खुद धोने शुरू कर देने चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि तेलंगाना के लोगों के साथ उन वीडियो को साझा करें। उन्होंने हाउसकीपिंग कर्मचारियों से मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों के आवासों का बहिष्कार कर अपना विरोध जताने की अपील की। उन्होंने उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से उत्पीड़ित समुदायों की गरिमा पर हमले के खिलाफ उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया।

साइबराबाद पुलिस और एचएमडीए ने मानसून की तैयारियों और यातायात प्रबंधन पर बैठक की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून सीजन और शहरी गतिशीलता पर इसके संभावित प्रभाव की प्रत्याशा में, गुरुवार को साइबराबाद सीपी कार्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. गजराव भूपाल, आईपीएस और एचएमडीए के महानगर आयुक्त और हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री सरफराज अहमद, आईएएस ने संयुक्त रूप से की।

इस सत्र में साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस और एचएमडीए के प्रमुख हितधारकों ने यातायात व्यवधानों को कम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की तैयारी और रणनीतिक हस्तक्षेपों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान भीड़भाड़ को कम करने और पैदल यात्रियों की गतिशीलता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण जंक्शनों पर अंडरपास, फ्लाईओवर और फुट-ओवर ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव, ओआरआर के साथ प्रमुख बाधा क्षेत्रों की पहचान और प्राथमिकता, जमीनी निरीक्षण और लक्षित यातायात प्रबंधन रणनीतियों के निर्माण के निर्देश, सर्विस रोड और अलग-अलग पैदल यात्री मार्गों जैसे समर्पित बुनियादी ढांचे के माध्यम से पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन सवारों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं को कम करने पर जोर, समग्र यातायात सुरक्षा में सुधार के लिए ओआरआर के साथ दुर्घटना-प्रवण "ब्लैक स्पॉट" की तत्काल पहचान और सुधार आदि पर चर्चा की गई।

बैठक में एचएमडीए सचिव उपेंद्र रेड्डी, एचजीसीएल के मुख्य महाप्रबंधक परम ज्योति, एचएमडीए के मुख्य अभियंता रविंदर, माधापुर ट्रैफिक एसीपी सत्यनारायण, राजेंद्रनगर ट्रैफिक एसीपी बालाजी, शमशाबाद ट्रैफिक एसीपी नागभूषणम, मेडचल ट्रैफिक एसीपी वेंकट रेड्डी सहित अन्य ट्रैफिक इंस्पेक्टर और एचएमडीए अधिकारी उपस्थित थे।

श्री नवयुवक गणेश क्रेस्टलिंग चैंपियनशिप में विजेता महिला केसरी का पुरस्कार वैष्णवी सिंह ने जीता।

किसानों की परेशानी से बेखबर कांग्रेस सरकार एक और समिति करेगी गठित

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार कलेश्वरम बैराज- मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करने और इसके पुनर्वास कार्यों की देखरेख के लिए एक और विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नए पैनल की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष एबी पांड्या करेंगे।

परियोजना के पुनर्वास के लिए धीमी गति से किए जा रहे काम ने किसानों के बीच नई चिंताएं जगा दी हैं। मेडिगड्डा बैराज को संरचनात्मक क्षति की पहली रिपोर्ट अक्टूबर 2023 में आई थी, इन महत्वपूर्ण सिंचाई संरचनाओं को बहाल करने में लंबे समय तक की देरी ने तेलंगाना के उत्तरी जिलों के हजारों किसानों को विश्वसनीय जल आपूर्ति के बिना छोड़ दिया है, जिससे एक और फ़सल सीज़न के लिए उनकी आजीविका ख़तरे में पड़ गई है।

महत्वाकांक्षी कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना का एक प्रमुख घटक मेडिगड्डा बैराज ब्लॉक-7 में संकट से जूझ रहा है, जिसमें खंभे धंसना और दरारें पड़ना शामिल है। कांग्रेस सरकार ने इसे गैर-कार्यात्मक करार देते हुए पिछली बीआरएस सरकार को दोषी ठहराया। दावा किया गया कि अन्नाराम और सुंडिला बैराज में भी रिसाव और पाइपिंग संकट जैसी समान समस्याएं पाई गई हैं।

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने अपनी अप्रैल 2025 की रिपोर्ट में इस नुकसान के लिए डिज़ाइन, अपर्याप्त रखरखाव और जल भंडारण प्रथाओं को जिम्मेदार ठहराया। इसने तीनों बैराजों के लिए व्यापक भू-तकनीकी और संरचनात्मक आकलन करने के बाद ब्लॉक-7 को ध्वस्त करने और पुनर्निर्माण करने की सिफारिश की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'अगर हिम्मत है, तो ...

इस दौरान ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र ने लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का नाम रखा है। वहीं, पीएम मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं। जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है... उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन बंगाल करेंगे, ऑपरेशन सिंदूर की तरह। मैं उन्हें चुनौती देती हूं-अगर उनमें हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं और वे हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। और आप बंगाल सरकार की आलोचना कर रहे हैं, जो आपको पूरा समर्थन दे रही है, देश की रक्षा कर रही है। आप सरकार पर आरोप लगा रहे हैं और आप इस समय विपक्ष को दोष देना चाहते हैं, भाजपा जुमला पार्टी के नेता की तरह चीजों का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। वे देश को लूटते हैं और भाग जाते हैं। इस तरह से बात करना अच्छा नहीं लगता।

वहीं, टीएमसी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार इधर-उधर के मुद्दों में लोगों का ध्यान भटकाकर अपनी विफलताओं को छिपा रही है। साथ ही टीएमसी ने पश्चिम बंगाल को प्रभावित करने वाले संकटों के बारे में पीएम की टिप्पणियों के जवाब में पांच सवाल भी पूछे।

टीएमसी ने महिला सुरक्षा, युवाओं को रोजगार और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा :

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी ने पीएम मोदी से कहा कि वे पहले मणिपुर में स्थितियों को सामान्य करें, जहां बीते दो साल से भी ज्यादा समय से कानून-व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। इसके साथ ही टीएमसी ने कहा कि पीएम मोदी के राज्य में महिला सुरक्षा की क्या स्थिति है, उन्नाव से हाथरस तक के मामलों पर भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड चुप्पी से भरा हुआ है। आगे टीएमसी ने पेपर लीक की बात करते हुए कहा कि इससे युवाओं में निराशा है। भाजपा ने छात्रों को पेपर लीक, नीट घोटाला और 45 प्रतिशत बेरोजगारी का राष्ट्रीय उपहार दिया है। अपने पोस्ट में टीएमसी ने आगे भाजपा पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आपकी आधी कैबिनेट जमानत पर है। आगे टीएमसी ने मोदी सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति का आरोप भी लगाया। टीएमसी ने कहा कि इसी नीति के कारण बंगाल को मनरेगा और आवास योजना के फंड से वंचित किया गया।

पीएम मोदी ने बंगाल सरकार पर कसा था तंज :

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की धरती पर सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की सरकार को जमकर घेरा था। अलीपुरद्वार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के शासन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ... मालदा में जो कुछ हुआ... वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। बंगाल की जनता को अब टीएमसी सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं है। यहां की जनता के पास अब सिर्फ कोर्ट का ही आसरा है। इसलिए पूरा बंगाल कह रहा है- बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार!

'पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ' :

उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा संकट नौजवानों में फैल रही घोर निराशा का है, बेतहाशा बेरोजगारी का है। चौथा संकट घनघोर भ्रष्टाचार का है, यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जन-विश्वास का है। पांचवां संकट गरीबों का हक छिनने वाली सत्ताधारी पार्टी की स्वार्थी राजनीति का है। युवा, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार भ्रष्टाचार की मार झेल रहे हैं। हमने देखा है कि भ्रष्टाचार किस तरह विनाश की ओर ले जाता है, खासकर पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में। टीएमसी सरकार ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। यह सिर्फ कुछ हजार शिक्षकों का विनाश नहीं है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था बिगड़ रही है। अभी भी वे अपनी गलतियों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, इसके बजाय अदालतों को दोष देते हैं।

'यूपीए के समय ...

कांग्रेस नेता यह कह रहे हैं कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी, लेकिन मेरे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। मैं उस समय कांग्रेस के साथ था और यूपीए का हिस्सा था, मुझे ऐसी किसी सर्जिकल स्ट्राइक की जानकारी नहीं है। सामाजिक न्याय राज्यमंत्री ने कहा, पूरी दुनिया जानती है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदम जरूरी थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सर्जिकल स्ट्राइक को राजनीतिक मुद्दा बनाने के आरोपों को उन्होंने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए जरूरी था। इसे राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है। पीएम मोदी इसका राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका के दावे पर भाजपा की चुप्पी को लेकर की गई टिप्पणी पर अठावले ने कहा कि ट्रंप अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं।

उन्होंने कहा, ट्रंप ने अपने विचार रखे हैं। आज जो शांति है, वह इस वजह से है कि हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। भारत हमेशा से कहता रहा है कि पीओके वापस मिलना चाहिए। ट्रंप की इसमें कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच किसी मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है। अठावले ने पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन दिए जाने की आलोचना की।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने आतंकियों को प्रशिक्षित किया और उन्हें भारत भेजा। अगर वह ऐसा करता रहेगा, तो पाकिस्तान को अब तक समझ जाना चाहिए कि भारत उसे तबाह कर सकता है। पाकिस्तान को आतंकियों का समर्थन बंद कर देना चाहिए और पीओके भारत को सौंप देना चाहिए। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर अठावले ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी आरपीआई (ए) भाजपा के साथ बनी रहेगी, भले ही महायुति गठबंधन के अन्य घटक दल अलग-अलग चुनाव लड़ें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शार्दूल ठाकुर बोले- गिल और पंत भारतीय टीम के भविष्य

रोहित-कोहली के संन्यास पर कहा- सीनियर्स के आसपास रहने से सुरक्षित महसूस करता था

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर ने नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान ऋषभ पंत को भारतीय टीम का भविष्य बताया है। उन्होंने कहा- ये दोनों (गिल और पंत) बड़े खिलाड़ी हैं और भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं।

33 साल के गेंदबाज ने कहा- गिल और पंत का नेचर अलग है। गिल शांत और सीरियस स्वाभव के हैं, जबकि पंत चुलबुले स्वाभाव के हैं। यह इन दोनों की खासियत भी है। इसके अलावा, शार्दूल ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिटायरमेंट पर भी बात की। शार्दूल ने कहा- दोनों के आसपास रहने से सुरक्षित महसूस होता था।

ठाकुर ने गिल-पंत पर कहा- गिल और पंत ने बड़े मौकों पर प्रदर्शन किया है और यह उन्हें भविष्य के लिए भारत का प्रॉमिसिंग प्लेयर बनाता है।

बीसीसीआई ने 24 मई को शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया था। वहीं, ऋषभ पंत इस टीम के उपकप्तान बनाए गए थे। शार्दूल ने रोहित-कोहली के रिटायरमेंट पर कहा- ड्रेसिंग रूम में सभी रोहित-कोहली को मिस करेंगे। दोनों ही टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ा रहे थे, लेकिन रिटायरमेंट पर्सनल कॉल होता है, जब प्लेयर सोचता है कि मैं उतना कंट्रीव्यूट नहीं कर पाऊंगा, जितना पहले करता था।

उन्होंने कहा-जब सीनियर प्लेयर्स आपके आसपास होते हैं कि सुरक्षित महसूस होता है। अब नई लीडरशिप के साथ खेलेंगे। उसके अलग चैलेंजेस रहेंगे। सभी के कंधों में जिम्मेदारी रहेगी। गाइड करने वालों की कमी होगा, अब सबसे सीनियर जड्डू ही है।

12 मई को विराट कोहली और 7 मई को रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था।

शार्दूल ने 2023 के बाद टेस्ट टीम में वापसी की

शार्दूल ठाकुर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुना गया है। उन्होंने 17 महीने के बाद टेस्ट टीम में वापसी की है। शार्दूल ने दिसंबर 2023 को सेंचुरियन में पिछला टेस्ट मैच खेला था। उस मुकाबले में शार्दूल एक विकेट ही ले सके थे। उस मुकाबले को साउथ अफ्रीका ने पारी और 32 रन के अंतर से जीता था। 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ हो गई थी।

इस सीरीज के बाद शार्दूल चोटिल हो गए थे और उन्हें इंग्लैंड के भारत दौरे से बाहर रहना पड़ा। फिर बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं थे। फिर जब गौतम गंभीर भारतीय टीम के हेड कोच बने तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ BGT से बाहर कर दिया गया।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का जलवा बरकरार

तेजस्विन को नहीं है स्वर्ण चूकने का अफसोस

गुमी (दक्षिण कोरिया), 29 मई (एजेंसियां)। तेजस्विन शंकर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेकाथेलॉन में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। डेकाथेलॉन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन ने दक्षिण कोरिया के गुमी में 7618 अंकों के साथ रजत पदक जीता। उन्होंने 2023 सत्र में कांस्य पदक जीता था।हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक से चूकने का कोई अफसोस नहीं है क्योंकि वह देश के लिए पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहे।

तेजस्विन ने कहा, 'स्वर्ण और रजत के बीच का अंतर 16.3 सेकेंड है और यह रजत तथा कांस्य के बीच का अंतर भी है। मुझे लगता है कि यह पदक जीतने की कोशिश करने के बारे में अधिक है। यह निश्चित रूप से इस बारे में कम है कि क्या किया जा सकता था, क्या किया जाना चाहिए था।' अब तक इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में तीन भारतीयों- विजय सिंह चौहान (1973), सुरेश बाबू (1975) और सबील अली (1981) ने डेकाथेलॉन में स्वर्ण पदक जीते हैं। अधिकांश समय अमेरिका में रहने वाले तेजस्विन ने 10 स्पर्धा की प्रतियोगिता में दो व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किए। उन्होंने गोला फेंक में 13.79 मीटर और 110 मीटर बाधा दौड़ में 14.58 सेकेंड के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। तेजस्विन ने कहा, 'पहले दिन शुरुआती दो स्पर्धाओं में मैं मुश्किल में था। मैं संघर्ष कर रहा था और फिर गोला फेंक में मेरे पहले दो थ्रो भी खराब थे लेकिन फिर किसी तरह मैं तीसरे थ्रो में अपनी सारी हिम्मत जुटा पाया।'

उन्होंने कहा, 'मैंने बस कोशिश की और सौभाग्य से, आप जानते हैं कि मैं आगे निकल गया और मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी और फिर चीजें बदल गईं।' चीजों का बदलने वाला यह पल सिर्फ अच्छे थ्रो से ही नहीं बल्कि वार्म-अप के दौरान खेल भावना और धैर्य के एक पल से आया। रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने तीन मिनट 18.12 सेकेंड का समय निकालकर अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा और भारतीय एथलेटिक्स संघ के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने कहा कि यह प्रदर्शन दर्शाता है कि भारत में पर्याप्त प्रतिभा है।

उन्होंने कहा, 'यह पूरी तरह से पुनर्गठित टीम नहीं है। रूपल और सुभा पिछली टीम में थे। संतोष रिजर्व में थे। इसलिए यह नए और पुराने का मिश्रण है।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप: 4x400 मीटर मिक्स्ड रिले से भारत को दूसरा गोल्ड, कुल मेडल 8 हुए

गुमी, 29 मई (एजेंसियां)। भारत की 4x400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। साउथ कोरिया में हो रहे टूर्नामेंट में रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने 3 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ टॉप स्थान हासिल किया। इनमें से रूपल ने दिन की शुरुआत में इंडविजुअल विमेंस 400 मीटर में सिल्वर मेडल भी जीता।

4x400 मीटर मिक्स्ड रिले में चीन की टीम 3 मिनट 20 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। टीम को सिल्वर मेडल मिला। जबकि श्रीलंका ने 3 मिनट के 21.95 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता।इससे पहले, रूपल ने 400 मीटर और पूजा ने 1500 मीटर में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यूनुस शाह ने मेंस की 1500 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 8 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश तीसरे पायदान पर हैं। भारत ने 2 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4x400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था। इसमें आज जीतने वाली टीम से सुभा वेंकटेशन हिस्सा थी।

पाकिस्तान ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को हराया: सलमान आगा की फिफ्टी

शादाब खान ने 48 रन बनाए और 2 विकेट झटके

लाहौर, 29 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पहले टी-20 में बांग्लादेश को 37 रन से हरा दिया। टीम ने इसी के साथ तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 201 रन बनाए। 202 रन का टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश टीम 19.2 ओवर में 164 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अर्धशतक (56) लगाया। यह उनके टी-20 इंटरनेशनल करियर की बेस्ट पारी रही। शादाब खान ने 48 जबकि हसन नवाज ने 44 रन का योगदान दिया। शादाब ने दो विकेट भी झटके और दो कैच पकड़े।

पाकिस्तान की तरफ से कप्तान सलमान आगा ने 34 बॉल पर 56 रन बनाए। शादाब खान ने 25 बॉल पर 48 और हसन नवाज ने 22 बॉल पर 44 रन की पारी खेली। सलमान ने मोहम्मद हारिस (31) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 जबकि हसन नवाज के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी भी की। अंतिम ओवरों में शादाब और फहीम अशरफ (नाबाद 11) ने सातवें विकेट के लिए सिर्फ 22 गेंद में 50 रन जोड़कर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश की ओर से शरीफुल इस्लाम ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए।

तमन्ना-प्रिया और दीपक थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी के सेमीफाइनल में, तीन पदक किया सुनिश्चित

बैंकॉक, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजों ने चौथे थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा जिसमें तमन्ना, प्रिया और दीपक ने सेमीफाइनल में प्रवेश करके कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

तमन्ना ने महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में चीनी ताइपे की लियू यू शान को सर्वसम्मत फैसले में शिकस्त दी। इसके बाद प्रिया (57 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की पार्क आह ह्यून पर शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और 5-0 से जीत दर्ज की।

पुरुषों के ड्रॉ में दीपक (75 किग्रा) ने तकनीकी स्पष्टता और रिंग में अनुशासन दिखाते हुए दक्षिण कोरिया के किम हियोन-ताए को सर्वसम्मत फैसले में पराजित किया।

विश्व मुक्केबाजी समर्थित एशियाई मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित मुक्केबाजी टूर्नामेंट में भारत ने 19 सदस्यीय मजबूत दल को मैदान में उतारा जिसमें चीन, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, दक्षिण कोरिया और मेजबान थाईलैंड जैसे ताकतवर मुक्केबाजों ने भाग लिया।

जुगनू (85 किग्रा) और अंजलि (75 किग्रा) ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हार के साथ अपने अभियान का अंत किया।

सिंधू और प्रणय टूर्नामेंट से बाहर

सात्विक-चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

सिंगापुर, 29 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने गुरुवार को साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट-गुकेश की लगातार दो हार के बाद वापसी

तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू को हराया, अब फैबियानो से भिड़ेंगे

स्टावेंजर, 29 मई (एजेंसियां)। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर शानदार जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू पर इस जीत से उन्हें तीन पॉइंट्स मिले और टूर्नामेंट में लगातार दो हार के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। गुकेश 29 मई 2025 यानी आज अपना 19वां जन्मदिन मना रहे हैं।

इससे पहले, गुकेश को पहले दो राउंड में मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा था।

इस जीत से गुकेश स्टैंडिंग में फिलहाल 5वें नंबर पर हैं। टॉप पर अमेरिका के फैबियानो कारूआना हैं। चौथे राउंड में गुकेश का सामना फैबियानो कारूआना से ही होगा।

गुकेश को मंगलवार को दूसरे राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वे स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए थे। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए।

10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था। ओपन कैटेगरी में गुकेश ने ही फाइनल गेम जीतकर भारत को जीत दिलाई थी।

कोहली ने डब्ल्यूबीएल में निवेश किया

कहा- मैंने 11 साल की उम्र में बॉलिंग खेलना शुरू किया

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को विश्व बॉलिंग लीग (डब्ल्यूबीएल) में रणनीतिक निवेशक घोषित किया गया। विश्व बॉलिंग लीग ने हाल ही में एमएलबी सुपरस्टार और तीन बार की विश्व सीरीज चैंपियन मूकी बेट्स की टीम ओएमजी को लीग में पहली फ्रेंचाइजी के रूप में पेश किया।

कोहली ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैंने 11 साल की उम्र में बॉलिंग खेलना शुरू किया और 12 साल की उम्र तक गेंद को स्पिन करना सीख गया था।' उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि यह खेल कितना लोकप्रिय है जबकि इसे व्यावसायिक रूप में कम सराहा जाता है। बॉलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए आदि के मिश्रा का दृष्टिकोण अद्वितीय है और ई1 सीरीज में टीम ब्लू राइजिंग के साथ हमारी सफलता के बाद मैं एक निवेशक और भागीदार के रूप में डब्ल्यूबीएल से जुड़कर रोमांचित हूं।'

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीमें बाहर

2025 में 200+ स्कोर बढ़े, शतक कम लगे, बेस्ट रन रेट वाली पंजाब टॉप पर; आईपीएल कम्पेरिजन

खेल डेस्क, 29 मई (एजेंसियां)। आज आईपीएल का पहला प्लेऑफ मैच खेला जाएगा। 2024 में प्लेऑफ खेलने वाली 4 में से 3 टीमें 2025 के टॉप-4 में जगह नहीं बना सकीं। आरसीबी ही दोनों सीजन प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीम रही।

पिछले साल जहां 6 बार टीमों ने पारी में 250 से ज्यादा रन बनाए थे, वहीं इस बार 2 ही बार टीमें इस आंकड़े को पार कर सकीं। दोनों बार यह कारनामा छठे स्थान पर रही एसआरएच ने किया।

लीग स्टेज के 70 मैचों में पिछली बार 14 शतक लग गए थे, इस बार 9 ही सेंचुरी लगीं। हालांकि, चौकों और छक्कों की संख्या लगभग बराबर ही रही। इस बार टॉस जीतने वाली टीमों ने ज्यादा मैच जीते। वहीं राइट हैंड बैटर्स के मुकाबले लेफ्ट हैंडर्स का ज्यादा दबदबा रहा।

5 पॉइंट्स में आईपीएल 2025 का पिछले सीजन से कम्पेरिजन...

1. स्कोरिंग रेट

i. रन रेट बराबरी पर रहा

2024 में लीग स्टेज के 70 में से 67 मुकाबलों के नतीजे निकले, 3 मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहे थे। इस बार भी यही ट्रेंड रहा। 10 टीमों ने 9.61 के रन रेट से स्कोर किया था, जो इस बार हल्का सा गिरकर 9.60 पर रहा। हालांकि, इस बार बैटिंग औसत 29.86 से बढ़कर 30.50 पर पहुंच गया। यानी बैटर्स ने अपना विकेट देने से पहले ज्यादा रन बनाए।

2023 में पहली बार इम्पैक्ट प्लेयर रूल से 12 प्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। 2024 में इस नियम के कारण 41 बार 200 से ज्यादा रन बन गए, जो एक सीजन का रिकॉर्ड था। 2025 में यह रिकॉर्ड भी टूट गया और टीमों ने 48 बार 200 प्लस रन बना दिए। हालांकि, इस बार 250 प्लस स्कोर 6 के मुकाबले 2 ही बार बने।

ii. पंजाब ने सबसे तेज बैटिंग की

पिछले साल KKR का रन रेट सबसे ज्यादा था, टीम ने 10.62 के रन रेट से बैटिंग करते हुए टाइटल भी उठाया था। बेस्ट रन रेट वाली 3 टीमों में एसआरएच और आरसीबी का नंबर भी था, दोनों टीमें प्लेऑफ में पहुंची थीं। इस बार पीबीकेएस ने सबसे तेज 10.10 के रन रेट से बैटिंग की और नंबर-1 पर रहकर लीग स्टेज फिनिश किया। हैदराबाद ने 10.04 और गुजरात ने 9.92 के रन रेट से बैटिंग की। गुजरात तो प्लेऑफ में पहुंच गई, लेकिन हैदराबाद बाहर हो गई।

2024 में गुजरात, लखनऊ और पंजाब ने सबसे धीमे रन रेट से बैटिंग की थी, तीनों ही प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकीं। इस बार चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली ने सबसे धीमे बैटिंग की, तीनों को प्लेऑफ में जगह नहीं मिली।

2. बाउंड्री और सेंचुरी

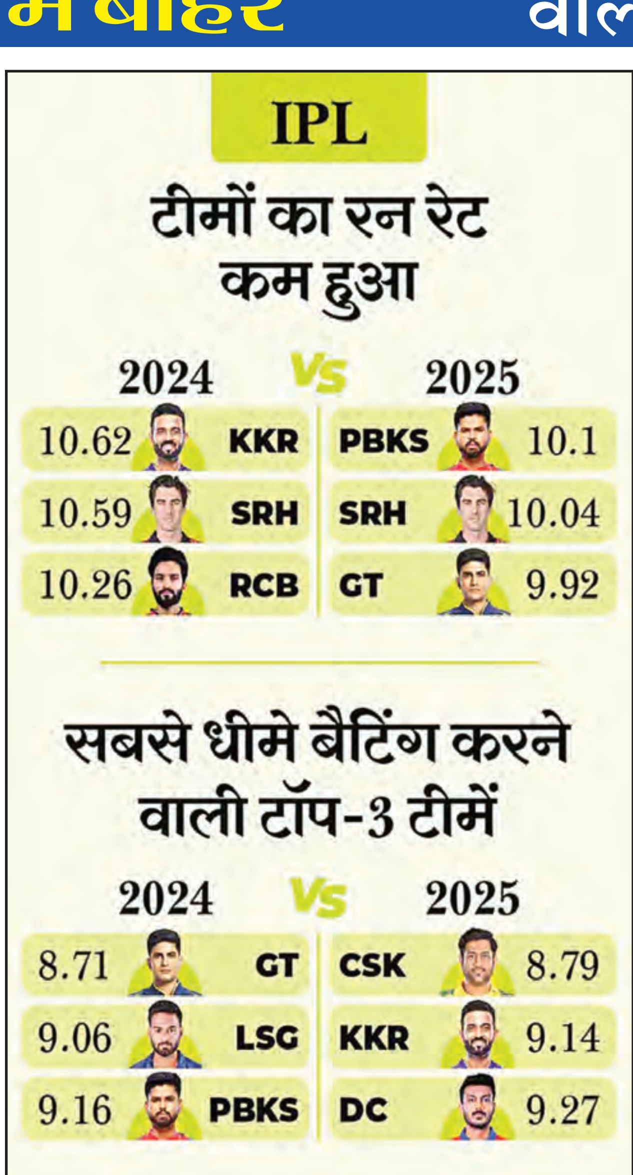

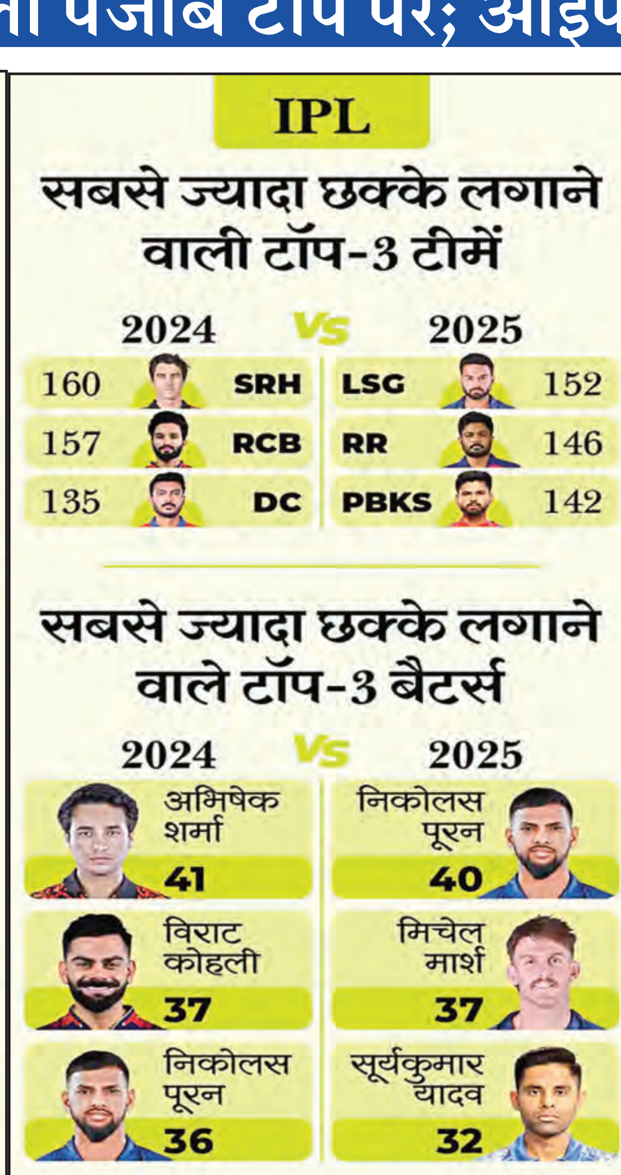

i. 5 शतक कम लगे

2024 में 14 शतक लग गए थे, इस बार 9 ही खिलाड़ी सेंचुरी लगा पाए। हालांकि, 122 फिफ्टी के मुकाबले इस बार 138 हाफ सेंचुरी जरूर लग गईं। पिछली बार 83 खिलाड़ी खाता नहीं खोल सके थे, इस बार यह आंकड़ा गिरकर 72 ही रहा। इस सीजन हैदराबाद के सबसे ज्यादा 3 प्लेयर्स ने शतक लगाए। लखनऊ से 2 प्लेयर्स ने सेंचुरी लगाईं। दोनों टीमें प्लेऑफ में एंट्री नहीं कर सकीं।

ii. सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाली LSG, RR बाहर

2025 के लीग स्टेज में चौकों और छक्कों की संख्या में हल्की सी बढ़ोतरी हुई। 1208 के मुकाबले इस बार 1217 छक्के लगे। वहीं 2070 चौकों के मुकाबले इस बार 2138 चौके लग गए। हैदराबाद ने पिछले साल सबसे ज्यादा 160 छक्के लगाए थे। इस बार प्लेऑफ से बाहर लखनऊ 152 और राजस्थान 146 सिक्स लगाकर टॉप-2 में रहीं। प्लेयर्स में हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने 41 छक्के लगाए थे, इस बार लखनऊ के निकोलस पूरन 40 सिक्स लगाकर टॉप पर रहे। फर्क बस इतना रहा कि पिछले सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टीमों और प्लेयर्स ने प्लेऑफ में भी जगह बनाई थी। इस बार ये नहीं हो सका।

3. टॉस

टॉस जीतने वाली 60% टीमों ने मैच जीते

दोनों ही सीजन के 70 में से 67 मैचों के नतीजे निकले, बारिश के कारण 3 मुकाबले बेनतीजा रहे। 2024 में टॉस जीतने वाली 45% टीमें ही मैच जीत पाई थी। जबकि इस बार टॉस जीतने वाली 60% टीमों ने मैच भी जीता।

4. बैटिंग

लेफ्ट हैंडर्स का दबदबा रहा

2024 में 145 राइट हैंड बैटर्स ने 150 के स्ट्राइक रेट और 27.72 के औसत से बैटिंग की थी। उन्होंने 10 सेंचुरी और 76 फिफ्टी लगाई थी। इस बार 132 राइट हैंडर्स का औसत और स्ट्राइक रेट तो लगभग बराबरी पर रहा, लेकिन बैटर्स 3 ही शतक लगा सके। हालांकि, बाउंड्रीज में ज्यादा अंतर नहीं रहा।

2024 में 63 लेफ्ट हैंड बैटर्स ने 152 के स्ट्राइक रेट और करीब 30 के औसत से रन बनाए थे। उन्होंने 4 सेंचुरी और 46 फिफ्टी लगाई थीं। वहीं, इस बार 66 लेफ्टी बैटर्स ने 6 सेंचुरी और 50 फिफ्टी लगा दीं। यानी पिछले साल लेफ्टी बैटर्स शतक लगाने में पिछड़ रहे थे, लेकिन इस बार लेफ्टी बैटर्स ने संख्या में कम होने के बावजूद राइटी बैटर्स के मुकाबले ज्यादा सेंचुरी लगा दीं।

5. बॉलिंग

पेसर्स को विकेट ज्यादा, स्पिनर्स ने अधिक रन रोके

2024 में 95 पेसर्स ने 9.85 की इकोनॉमी से बॉलिंग करते हुए 560 विकेट निकाले थे। इस बार 92 पेसर्स 489 विकेट ही ले सके। इकोनॉमी रेट लगभग बराबरी पर रहा।

2024 में 94 स्पिनर्स ने 8.72 की इकोनॉमी से बॉलिंग करते हुए 218 विकेट लिए थे। इस बार 85 स्पिनर्स ने ही 291 विकेट झटक लिए। उनका इकोनॉमी भी 8.86 का ही रहा। यानी इस बार स्पिनर्स ने रन ज्यादा रोके, वहीं पेसर्स ने विकेट ज्यादा लिए।

सीएम रेवंत ने पीएम मोदी पर भारत के हितों को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहलगाम की घटना के बाद पाकिस्तान को उचित सबक सिखाने में विफल रहे हैं और उन्होंने भारत के हितों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाथों गिरवी रख दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के आह्वान पर, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में तेलंगाना कांग्रेस ने गुरुवार को कुतबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के बाचुपल्ली रोड स्थित वीएनआर विज्ञान ज्योति इंजीनियरिंग कॉलेज से केजीआर कन्वेंशन तक जय हिंद रैली का आयोजन किया।

बाद में, केजीआर कन्वेंशन में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित सभी राजनीतिक दलों ने पहलगाम की घटना के बाद केंद्र सरकार को समर्थन दिया था और अनुरोध किया था कि पाकिस्तान विश्व मानचित्र पर दिखाई नहीं देना चाहिए। उन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश करने वाले अमेरिका को अजेय नेता इंदिरा गांधी की कड़ी चेतावनी को याद किया। यह इंदिरा गांधी ही थीं जिन्होंने युद्ध के दौरान दुश्मन देश को दो हिस्सों में विभाजित करके पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत गांधी की सच्ची भावना के अनुरूप उन्होंने पहले ही पाकिस्तान को दो देशों में विभाजित करने के लिए अपना पूर्ण समर्थन घोषित कर दिया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर मोदी सरकार द्वारा युद्ध बंद करने पर कड़ी आपत्ति जताई।

रेवंत रेड्डी ने आश्चर्य जताया कि युद्ध समाप्त होने के बाद भाजपा नेतृत्व तिरंगा रैली का आयोजन क्यों कर रहा है। उन्होंने कहा, युद्ध आपका काम नहीं है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा के कदमों से हतोत्साहित भारतीय सैनिकों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए जय हिंद यात्रा का आयोजन कर रही है। रेवंत रेड्डी ने पाकिस्तान पर सैन्य हमले के चार दिनों के भीतर जल्दबाजी में युद्ध बंद करने के लिए मोदी सरकार पर सवाल उठाया।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से पूछा कि संघर्ष विराम की घोषणा करने से पहले सभी दलों की राय जानने के लिए कोई सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाई गई? नरेंद्र मोदी को एक खर्चीली ताकत बताते हुए मुख्यमंत्री ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कड़ी मेहनत करने और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने तक आराम न करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को मुश्किल समय में राहुल गांधी जैसे मजबूत नेता की जरूरत है।

लूट के मामले में चार गिरफ्तार, 28 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर पुलिस, राचकोंडा ने विश्वसनीय सूचना पर लूट के अपराधियों को गिरफ्तार किया और 28.20 लाख रुपये की शुद्ध नकदी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों में सैयद अब्दुल खादर निवासी एर्राकुंटा, हबीद हारून निवासी जमाल बांदा, मुंतजबाग, वर्धन, निवासी कुम्मारवाड़ी, चंद्रायनगुट्टा, रसिकान्त बरदान निवासी लक्ष्मीगुड़ा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कांटेदान शामिल है। जबकि एक अन्य आरोपी रशीद खान फरार है। पुलिस आयुक्त राचकोंडा सुधीर बाबू ने कहा कि इलियास, निवासी संतोष नगर मोहम्मद जकीर का पुत्र है। जकीर अपने रिश्तेदार श्री ओबेद के माध्यम से प्लॉट खरीदने के लिए अपने दामाद श्री कबीर को 29 लाख रुपये की शुद्ध नकदी देने वाले थे। कबीर हैदराबाद में उपलब्ध नहीं है, इसलिए उसने धनराशि खादर निवासी एराकुंटा को सौंपने का अनुरोध किया जो कि इलियास का मित्र है। मुख्य आरोपी खादर और उसके चाचा हबीब हारून ने धनराशि को लूटने की योजना बनाई और अन्य आरोपियों वर्धन, रशीद और रसिकंत बरदान उर्फ किट्टू से संपर्क कर धनराशि लूटने का प्रयास किया। अपनी योजना के अनुसार मुख्य आरोपी शिकायतकर्ता की हर गतिविधि के बारे में पूछ रहा था, जो 29 लाख रुपये नकद ले जा रहा है और इसकी सूचना शेष आरोपियों को दी गई। मुख्य आरोपी ने शिकायतकर्ता को एक गूगल लोकेशन भेजी जो एर्राकुंटा में टोटल गैस के पास एक अंधेरी जगह पर स्थित है। शिकायतकर्ता और उसका दोस्त हबीबुल्लाह उस स्थान पर आए और जब वे रिसीवर का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच आरोपी रशीद और रशीकांत बरदान ने शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को धमकाया और उनसे 29 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भाग गए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर धनराशि बरामद कर लिया।

तमंचा रखने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष अभियान दल, महेश्वरम जोन, राचकोंडा आयुक्तालय की पुलिस टीम ने दो व्यक्तियों मोहम्मद जीशान तथा मोहम्मद आमिर को पकड़ा। दोनों मूल रूप से जीना इनायत खान कॉलोनी, रामपुर शहर एवं जिला, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। दोनों आरोपियों के कब्जे से अवैध रूप से रखे गए 5 देशी तमंचा तथा 18 जिंदा कारतूस जब्त किए गए। दोनों आरोपी रक्षापुरम, संतोष नगर, हैदराबाद में रहते हैं।

पुलिस आयुक्त राचकोंडा सुधीर बाबू ने कहा कि मोहम्मद जीशान उत्तर प्रदेश राज्य के रामपुर शहर और जिले के जीना इनायत खान का निवासी है, उसने अपने गांव में छठी कक्षा तक पढ़ाई की है। वर्ष 2016 में वह अपने पिता, माता और बहन के साथ हैदराबाद आ गया और एक हेयर सैलून की दुकान में काम किया। वर्ष 2019 में उसने संतोषनगर के रक्षापुरम में अपनी हेयर सैलून की दुकान खोली। वर्तमान में वह रक्षापुरम, गोलकोंडा और बालापुर में तीन दुकानें चला रहा है। मोहम्मद आमिर उसका दोस्त है और रामपुर में उसी इलाके में रहता है। तीन साल पहले वह हैदराबाद आया और बालापुर एक्स रोड पर जीशान की हेयर सैलून की दुकान पर उसके अधीन काम कर रहा था। आरोपी मोहम्मद जीशान शराब और आलीशान जीवन शैली जैसी बुरी आदतों का आदी है। जिसके कारण उसकी कमाई उसकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। आसानी से पैसा कमाने के लिए, उसने कम कीमतों पर देशी हथियार खरीदने और हैदराबाद शहर में जरूरतमंद लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने की योजना बनाई। उसने आमिर को इसकी जानकारी दी और प्रस्ताव पर सहमत हो गया। जीशान ने अपने दोस्त अर्शी खान से संपर्क किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर शहर में उसके इलाके में रहता है और अवैध आग्नेयास्त्र निर्माताओं से उसका संपर्क है। अपनी योजना के अनुसार, कुछ दिन पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य के रामपुर शहर के निवासी अर्शी खान से (05) विभिन्न प्रकार के तमंचा खरीदे। उन्होंने इसे अपने पास रखा और अपने परिचितों के माध्यम से हैदराबाद शहर में असामाजिक तत्वों को बेचा। गुरुवार को जब जीशान और अमीर आग्नेयास्त्रों को अपनी दुकान में रखने के लिए बालापुर सैलून की ओर जा रहा था, इसी बीच विश्वसनीय सूचना मिलने पर, एसओटी महेश्वरम टीम ने बालापुर पुलिस के साथ मिलकर बालापुर की सीमा के अंतर्गत रॉयल कॉलोनी में आरोपियों को रोका और उनके कब्जे से पांच देशी तमंचा और 18 जिंदा कारतूस जब्त किए।

प्रभाकर राव को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली

> कोर्ट ने तीन दिन के भीतर घर लौटने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले में आईपीएस अधिकारी और पूर्व एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। मामले में प्रभाकर राव ने अग्रिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और गुरुवार को उनकी याचिका पर सुनवाई हुई। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने प्रभाकर राव को अस्थायी अग्रिम जमानत दी। साथ ही उन्हें भारत लौटने के लिए पासपोर्ट भी दिया। कोर्ट ने राव को तीन दिन के भीतर भारत आने और जांचकर्ताओं के साथ पूरा सहयोग करने का आदेश दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने प्रभाकर राव को तुरंत यह अंडरटेकिंग देने का आदेश दिया कि वह तीन दिन के भीतर भारत आएंगे और जांच में सहयोग करेंगे। बेंच ने राज्य सरकार को फिलहाल उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह ऐसे मामलों में अग्रिम जमानत के मुद्दे पर आगे की सुनवाई करेगी। इस बीच, प्रभाकर राव ने अग्रिम जमानत के लिए पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उन्होंने याचिका में कहा कि अगर उन्हें जमानत दी जाती है तो वे भारत लौट आएंगे। मामले की सुनवाई करने वाले उच्च न्यायालय ने प्रभाकर राव को जमानत देने से इनकार कर दिया। इस संदर्भ में, प्रभाकर राव ने 9 मई को उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। उन्होंने याचिका में कहा कि अगर उन्हें अग्रिम जमानत दी जाती है तो वे भारत लौट आएंगे। याचिका पर सुनवाई करने वाले सर्वोच्च न्यायालय ने प्रभाकर राव को अग्रिम जमानत दे दी और उन्हें तुरंत भारत लौटने का आदेश दिया। इस बीच, प्रभाकर राव ने राजनीतिक शरणार्थी के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए अमेरिका में एक याचिका दायर की। ज्ञात हो कि अमेरिकी सरकार ने इसे खारिज कर दिया। दूसरी ओर, नामपल्ली अदालत ने हाल ही में यह स्पष्ट कर दिया कि राव को 20 जून को अदालत में पेश होना चाहिए अगर राव को भगोड़ा घोषित कर दिया जाता है तो जांच एजेंसी को प्रभाकर राव की संपत्ति भी जब्त करने का अधिकार होगा।

पुलिस ने महिला को देह व्यापार से बचाया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद विशेष अभियान दल ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बुधवार रात एक आवासीय कॉलोनी में एक अपार्टमेंट पर छापा मारा और एक महिला को देह व्यापार से बचाया तथा केपीएचबी में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर अपार्टमेंट पर छापा मारा और पाया कि वहां गुप्त रूप से वेश्यावृत्ति का धंधा चल रहा था। यह पाया गया कि आयोजक मुरली ने स्थानीय और अंतरराज्यीय मानव तस्करी एजेंटों के साथ मिलीभगत कर ली थी और अन्य राज्यों से महिलाओं को नौकरी दिलाने का वादा कर उन्हें यहां शहर में देह व्यापार का आयोजन किया था।

टीजीएसआरटीसी एमडी ने सिविल रैंक प्राप्त करने वाली साई शिवानी को सम्मानित किया

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी एमडी वीसी सज्जानर ने वारंगल के इटाबोया की मूल निवासी साई शिवानी को बधाई दी, जिन्होंने सिविल में प्रतिभा दिखाई और 11वीं रैंक हासिल की। उन्होंने साई शिवानी के साथ-साथ उनके माता-पिता राजू और रजिता को भी सम्मानित किया। सिविल रैंक प्राप्त करने वाली साई शिवानी के मामा प्रकाश राव आरटीसी में डीएम के पद पर कार्यरत हैं। इस संदर्भ में, उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को हैदराबाद के बस भवन में कंपनी के एमडी वीसी सज्जानर से विनम्रतापूर्वक मुलाकात की। सज्जानर ने एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली साई शिवानी की कम उम्र में सिविल सेवा में सर्वोच्च रैंक हासिल करने और युवाओं के लिए प्रेरणा बनने के लिए प्रशंसा की। उन्होंने इस डिजिटल युग में स्मार्टफोन या सोशल मीडिया को न छूने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में समर्पण के साथ काम करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक मुनीशेखर, सिरसिल्ला डीएम प्रकाश राव और अन्य ने भाग लिया।

आंगनवाड़ी शिक्षकों, सहायकों के लिए सेवानिवृत्ति लाभ में वृद्धि को सरकार की मंजूरी

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना में आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायकों के लिए सकारात्मक विकास की घोषणा की है। वित्त विभाग ने सेवानिवृत्ति लाभ बढ़ाने के लिए महिला और बाल कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिससे सरकारी आदेश जारी करने में आसानी होगी। आगे बढ़ते हुए, सेवानिवृत्त आंगनवाड़ी शिक्षकों को 2 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि सहायकों को 1 लाख रुपये मिलेंगे। वर्तमान में, तेलंगाना में 37,580 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र हैं, जिनमें लगभग 70,000 कर्मचारी कार्यरत हैं, प्रत्येक केंद्र में एक शिक्षक और एक सहायिका है। वर्तमान सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसमें प्रत्येक वर्ष औसतन 7,000 व्यक्ति सेवानिवृत्त होते हैं। वर्तमान में, शिक्षकों को केवल 1 लाख रुपये का सेवानिवृत्ति लाभ मिलता है, जबकि सहायकों को केवल 50,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, चुनावी प्रतिबद्धता के अनुसार, कांग्रेस सरकार ने इन सेवानिवृत्ति लाभों में वृद्धि की है। यद्यपि तकनीकी मुद्दों के कारण फ़ाइल कुछ समय के लिए विलंबित थी, लेकिन महिला और बाल कल्याण मंत्री सीताक्का ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री बट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की, जो वित्त विभाग के लिए भी जिम्मेदार हैं, और आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया। नतीजतन, वित्त विभाग ने अब संबंधित फाइल को मंजूरी दे दी है, और इस मामले से संबंधित सरकारी आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। इस फैसले से कई परिवारों को वित्तीय सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायिकाओं ने मंत्री सीतक्का के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्होंने गुरुवार को अपने आधिकारिक कर्तव्यों के तहत भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले का दौरा किया।

तेलंगाना में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. आरसी अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) और कार्यवाहक निदेशक, आईएसीआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) ने डॉ. शेख एन मीरा, निदेशक, आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (एटीएआरआई), हैदराबाद और आईसीएआर संगठनों और तेलंगाना के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) के अन्य नेताओं के साथ मिलकर 29 मई को करीमनगर जिले के जम्मीकुंटा में आयोजित एक विशाल अभियान में तेलंगाना में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। तेलंगाना राज्य कृषि और किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी मुख्य अतिथि थे। इस बीच, तेलंगाना में आईसीएआर के वैज्ञानिकों सहित विशेषज्ञों की 216 टीमें 29 मई से 12 जून, 2025 तक इस अभियान के दौरान 64 केवीके के माध्यम से 15 दिवसीय अभियान में भाग ले रही हैं।

श्री जी.टी. में कोइल अलवर तिरुमंजनम आयोजित

तिरुपति, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दो जून से 10 जून तक होने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर गुरुवार को श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर में पारंपरिक मंदिर शुद्धिकरण उत्सव, कोइल अलवर तिरुमंजनम मनाया गया। धार्मिक कार्यक्रम सुबह 6.45 बजे शुरू हुआ और पूरे मंदिर परिसर को परिमलम मिश्रण से रंग दिया गया और बाद में भक्तों को दर्शन की अनुमति दी गई। मंदिर ए.ई.ओ. मुनिकृष्ण रेड्डी, अर्चक और अन्य लोग मौजूद थे।

सीएम से मिले एमएलए

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर में बसारा राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज टेक्नोलॉजीज ट्रिपल आईटी के एक नए परिसर की स्थापना के मद्देनजर, संयुक्त महबूबनगर जिले के विधायक यन्नम श्रीनिवास रेड्डी, जी मधुसूदन रेड्डी, वाकिती श्रीहरि, जनमपल्ली अनिरुद्ध रेड्डी, चित्तम परनिका रेड्डी, थुडी मेघा रेड्डी और वीरलापल्ली शंकर ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स आवास पर मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया।

मी-सेवा नई आरटीए सेवाओं, पैन कार्ड एकीकरण के साथ डिजिटल कियोस्क का विस्तार करेगी

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण (ईएसडी) खैरताबाद के आरटीओ कार्यालय में स्वयं-सेवा कियोस्क में 11 अतिरिक्त सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) सेवाओं को एकीकृत करके अपनी मीसेवा पहल को बढ़ाने के लिए तैयार है, अधिकारियों ने घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य वाहन और परिवहन से संबंधित सेवाओं को सुव्यवस्थित करना है, जो हाल ही में लॉन्च किए गए मी-सेवा डिजिटल कियोस्क की सफलता पर आधारित है, जिसने 8 दिसंबर, 2024 को अपनी शुरूआत के बाद से हजारों लोगों को सेवा प्रदान की है।

राज्य नई पैन कार्ड सेवाओं को शुरू करने के लिए प्रोटीन ईगव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ एकीकरण को भी अंतिम रूप दे रहा है, जिससे नागरिक कुछ ही दिनों में मी-सेवा केंद्रों पर भौतिक या ई-पैन कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक प्रशिक्षण 2025 कार्यक्रम ने अपने पहले चरण के लिए 7,003 और दूसरे चरण के लिए 3,028 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिसका प्रशिक्षण तेलंगाना भूमि सूचना और प्रबंधन अकादमी के तहत जिला मुख्यालयों पर शुरू होने वाला है। प्रजा पालना विजयोत्सव के दौरान लॉन्च किए गए मी-सेवा डिजिटल कियोस्क हैदराबाद के कलेक्ट्रेट और खैरताबाद के आरटीओ कार्यालय सहित पांच प्रमुख स्थानों पर चालू हैं।

ये कियोस्क 10 आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि जीएचएमसी जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, पानी और बिजली बिल भुगतान, और समुदाय और आय प्रमाण पत्र का पुनः जारी करना। क्यूआर कोड-आधारित भुगतान, उच्च-रिज़ॉल्यूशन स्कैनर और निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस, कियोस्क दूरदराज के क्षेत्रों में भी संपर्क रहित, पारदर्शी और सुलभ सेवाएं सुनिश्चित करते हैं। तेलंगाना के आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू की अगुवाई में यह पहल राज्य के एम-गवर्नेंस विज़न का समर्थन करती है, जिससे सरकारी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता कम हो जाती है। कियोस्क की कार्य-समय के बाद की कार्यक्षमता और मजबूत सॉफ्टवेयर की सार्वजनिक सहभागिता बढ़ाने और अधिक शुल्क लेने से रोकने के लिए प्रशंसा की गई है।

प्रो.जी.एस. वैथीस्वरन की जापान के एनआईएमएस की प्रतिष्ठित शोध यात्रा

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के भौतिकी संकाय के प्रो. जी.एस. वैथीस्वरन को 2026 के लिए एमएनए योजना के अंतर्गत जापान के सुकुबा स्थित राष्ट्रीय पदार्थ विज्ञान संस्थान (एनआईएमएस) का दौरा करने के लिए चुना गया है।

मैटेरियल्स नैनोआर्किटेक्टोनिक्स के लिए शोध केंद्र राष्ट्रीय पदार्थ विज्ञान संस्थान (एनआईएमएस) से संबंधित केंद्रों में से एक है। यह प्रतिष्ठित आमंत्रण प्रो. वैथीस्वरन की शोध उत्कृष्टता और पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान का प्रमाण है। 13 जनवरी, 2026 से 20 फरवरी, 2026 तक अपनी पांच सप्ताह की यात्रा के दौरान, प्रो. वैथीस्वरन क्वांटम सॉलिड स्टेट मैटेरियल्स पर प्रो. कज़ुनारी यामौरा के शोध समूह के साथ सहयोग करेंगे। इस सहयोग का उद्देश्य इन सामग्रियों के तकनीकी अनुप्रयोगों का पता लगाना और हैदराबाद विश्वविद्यालय और एनआईएमएस के बीच दीर्घकालिक अनुसंधान साझेदारी स्थापित करना है। इस साझेदारी से हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे अनुसंधान उत्कृष्टता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. वैथीश्वरन एक प्रतिष्ठित शोधकर्ता हैं, जिन्हें डीएई यंग अचीवर अवार्ड, भौतिकी में बी.एम. बिड़ला विज्ञान पुरस्कार और फेलो रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

उन्हें स्टैनफोर्ड सर्वेक्षण 2024 में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 27 वैज्ञानिकों में भी सूचीबद्ध किया गया है और वे बुलेटिन ऑफ मैटेरियल्स साइंस के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्य करते हैं। यह प्रतिष्ठित शोध यात्रा प्रो. वैथीश्वरन और हैदराबाद विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो अनुसंधान उत्कृष्टता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बीआरएस-भाजपा विलय पर कविता की टिप्पणी सच लगती है : विधायक राजा सिंह

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक राजा सिंह ने आज बीआरएस पार्टी में हुए घटनाक्रम पर सनसनीखेज टिप्पणी की। बीआरएस एमएलसी के. कविता की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि बीआरएस पार्टी के भाजपा में विलय पर एमएलसी कविता की टिप्पणी सच है।

उन्होंने कहा कि अगर बड़ा पैकेज दिया जाता तो भाजपा नेता किसी समय बीआरएस पार्टी का भाजपा में विलय कर देते। उन्होंने कहा कि अगर बीआरएस का भाजपा में विलय होता तो बीआरएस पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को दी जाने वाली विधानसभा सीटों का फैसला करती। उन्होंने दावा किया कि विलय के प्रयास पहले भी हुए थे, जिसके परिणामस्वरूप विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अगर पार्टी के नेता बीआरएस पार्टी की चालों के आगे नहीं झुकते तो राज्य में भाजपा की सरकार आनी चाहिए थी। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं पर हर चुनाव में मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता यह जानता है, लेकिन कोई खुलकर सामने नहीं आया। विधायक राजा सिंह ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस डर से चुप बैठे हैं कि अगर उन्होंने यह मामला पार्टी नेतृत्व के संज्ञान में लाया तो उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। राजा सिंह ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.